आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

■ रायपुर,गुरुवार 30 मई 2024 ■ ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-7 ■ वर्ष- 40 ■ अंक-062 ■ पृष्ठ-8 ■ डाक संस्करण 31 मई 2024 ■ मूल्य 1.00 रु.

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
Twitter - Tchhattisgarh36
Instagram -tarunchhattisgarh.raipur

phone: 0771-2543112

संक्षेप

चेस में रमेशबाबू प्रज्ञानानंद ने रचा इतिहास

नई दिल्ली,30 मई। भारत के रमेशबाबू प्रज्ञानानंद ने क्लासिकल चेस में पहली बार मैग्नस कार्लसन को पटखनी दी है. भारत के इस युवा खिलाड़ी ने

नॉर्वे चेस 2024 के तीसरे दौर में सफेद मोहरों से दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को हराया। वहीं इस ऐतिहासिक जीत पर टेनिस संघ के महासचिव गुरुचरण सिंह होरा ने बधाई दी है। इस जीत के साथ 18 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी रमेशबाबू प्रज्ञानानंद ने कार्लसन के घरेलू मैदान पर आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में लीडर्स पोजीशन हासिल की है।

पिकअप में बैठे शख्स की चाकू मारकर हत्या

धमतरी,30 मई। जिले में फिर से एक चाकूबाजी से हत्या की घटना सामने आई है. केरेगांव थाने से कुछ दूरी पर अज्ञात लोगों ने एक पिकअप सवार व्यक्ति पर चाकू से हमला से मौत के घाट उतार दिया. घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मर्ग कायम कर जांच में जुट गई है. बताया जा रहा है कि मृतक पिकअप में कलिंदर भरकर धमतरी आ रहा था. तभी अज्ञात आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी. जानकारी के अनुसार, यह पूरा मामला केरेगांव थाना क्षेत्र का है. जहां बीती देर रात चुरियारा पारा नगरी निवासी ड्राइवर पंकज पिकअप में कलिंदर को लेकर नगरी से धमतरी जा रहा था. उसी दौरान ड्राइवर केरेगांव में चाय पीने रुक गया लेकिन चाय नहीं मिलने पर वह दोबारा वाहन में बैठ गया. उसी दौरान बाइक सवार लोग पहुंचे और किसी धारदार हथियार से उस पर हमला कर फरार हो गए, जिससे उसकी मौत हो गई. घटना की सूचना मिलते ही केरेगांव पुलिस मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई की और आरोपियों की तलाश में जुट गई है.

पुलिस को चकमा देकर मर्डर का आरोपी फरार

अम्बिकापुर,30 मई। छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जेल प्रशासन की बड़ी गड़बड़ी सामने आई है। जेल के अंदर एक मर्डर के केस में बंद कैदी की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल ले जाया जा रहा था। लेकिन प्रशासन की लापरवाही के चलते कैदी मौका मिलते ही फरार हो गया। जानकारी के मुताबिक, संजीव दास अंबिकापुर के जेल में हत्या के केस में बंद था। बुधवार रात अचानक तबीयत बिगड़ने पर उसे एंबुलेंस से मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान, मौका मिलते ही कैदी रास्ते मे बिहीबाड़ी केडी अस्पताल के पास एम्बुलेंस से कूदकर भाग निकला। वहीं प्रशासन की इस लापरवाही को चलते कैदी के फरार होने से जेल और पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। फिलहाल पुलिस फरार कैदी की तलाश में जुट गई है।

सरकारी आवास में मिला रेंजर का शव

गरियाबंद,30 मई। सरकारी आवास में रेंजर का शव मिलने से वन अमले में हड़कंप मच गया है. विभाग के कर्मचारियों को रेंजर भारत भूषण दास बंद कमरे में पड़ा मिला. उन्हें जिला अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित किया. यह मामला गरियाबंद वन मंडल का है. मिली जानकारी के मुताबिक, रेंजर भारत भूषण दास वन विभाग कैंपस में सरकारी आवास में रहता था. पुलिस मामले की जांच में जुटी है. सुबह मृतक का पोस्टमार्टम होगा, जिसमें मौत की वजह का पता चल पाएगा.

केंद्रपाड़ा में रैली के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भावुक होते हुए कमला महाराणा के सामने सिर झुकाया

ओडिशा की 63 वर्षीय महिला कमला महाराणा, जिनका उल्लेख 26 फरवरी को प्रधानमंत्री के 'मन की बात' कार्यक्रम के 98वें संस्करण में उनके कचरे से संपत्ति बनाने की पहल के लिए किया गया था। महाराणा अब काफी खुश हैं क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी बुधवार को रक्षाबंधन के अवसर पर उनके द्वारा बनाई गई राखी पहन सकते हैं।

कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी

जनसभा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का तीखा प्रहार

नई दिल्ली,30 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस भ्रष्टाचार की जननी है। 60 साल तक कांग्रेस ने जो कारनामें किए हैं। ऐसा लगता है कि कांग्रेस ने भ्रष्टाचार में डबल पीएचडी कर ली है और अब ऐसा लगता है कि कांग्रेस के साथ एक और कट्टर भ्रष्टाचारी पार्टी भी जुड़ गई है। यहां तो आमने-सामने लड़ने का ड्रामा कर रहे हैं, दिल्ली में एक साथ चुनाव लड़ रहे थे और लोग भूले नहीं कि ये झूठवादी पार्टी की पहली सरकार कांग्रेस के समर्थन से दिल्ली में बनी थी। इसलिए इन्होंने भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस से भ्रष्टाचार के पाठ बराबर पढ़ लिए हैं। ये भ्रष्टाचार की जननी कांग्रेस की गोद से कट्टर भ्रष्टाचारी पैदा हुए हैं। ये लोग कहते थे पंजाब को नशा मुक्त करेंगे। लेकिन इन्होंने आते ही नशे को अपनी कमाई का साधन बना दिया है। दिल्ली के शराब घोटाले को पूरी दुनिया जान चुकी है। आज दिल्ली से लेकर पंजाब तक इनके कारनामें दुनिया देख रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी ने एक संकल्प लिया है कि वो दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों का आरक्षण किसी को भी छीनने नहीं देगा। ये कांग्रेस और इंडी गठबंधन वाले मेरी इस कोशिश से भी भड़के हुए हैं... इनका पूरा ट्रैक रिकॉर्ड एसी-एसटी-ओबीसी का आरक्षण छीनने का रहा है। ये संविधान की भावना का, बाबा साहब अंबेडकर की भावना का अपमान कर रहे हैं। ये दलितों और पिछड़ों का आरक्षण छीनकर उसे सिर्फ और सिर्फ मुसलमानों को देना चाहते हैं। मोदी ने इनकी इस सबसे बड़ी साजिश से पर्दा उठा दिया है। इसलिए ये बौखलाए हुए हैं और मोदी को लगातार नई-नई गालियां देते रहते हैं।

नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, भाजपा 'विरासत भी, विकास भी' इस मंत्र पर चल रही है। जब अफगानिस्तान में संकट आया, वहां पर हमारे जो सिख भाई-बहन रहते थे। वहां जो हमारा गुरुद्वारा था, बहुत खतरे पैदा हो गए तो हम गुरु ग्रंथ साहिब के स्वरूपों को पूरे अदब के साथ माथे पर रख कर भारत लाए। इतना ही नहीं, हमने साहिबजादों के बलिदान को श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाना तय किया... हमने द्वारा हिंदुस्तान की भावी पीढ़ी को प्रेरणा देने के लिए वीर बाल दिवस की शुरूआत की है। मोदी ने कहा कि मैं अभी चुप बैठा हूं, जिस दिन मोदी मुंह खुलेगा तुम्हारी सात पीढ़ी का हिसाब निकाल कर बाहर रख देगा।

स्पष्ट बहुमत के साथ सरकार बनाएगा 'इंडिया' गठबंधन: खड़गे

नई दिल्ली,30 मई। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लोकसभा चुनाव के प्रचार के आखिरी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा वार किया है। खड़गे ने कहा कि 18वीं लोकसभा के लिए यह चुनाव लंबे समय तक याद रखा जाएगा क्योंकि इस चुनाव में देश का हर नागरिक जाति, पंथ, धर्म, क्षेत्र, लिंग, भाषा को भूलकर लोकतंत्र और संविधान को बचाने के लिए एक साथ आया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और भाजपा के नेताओं ने धार्मिक और विभाजनकारी मुद्दों पर लोगों को गुमराह करने के अनगिनत प्रयास किए। इसके बावजूद जनता ने मुद्दों को चुना और हमने मुद्दों पर वोट मांगा। खड़गे ने दावा किया कि हमें विश्वास है कि 4 जून 2024 को इस देश की जनता एक नई वैकल्पिक सरकार को जनादेश देगी। इंडिया गठबंधन पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगा और हम सब मिलकर इस देश को एक समावेशी राष्ट्रवादी विकासवादी सरकार देंगे और हम सबको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। महात्मा गांधी को लेकर मोदी के बयान पर भी उन्होंने वार किया। खड़गे ने कहा कि नरेंद्र मोदी ने बताया कि उन्हें महात्मा गांधी जी के बारे में 'गांधी' फिल्म देखकर पता चला। मुझे इस बात पर हंसी आती है, शायद नरेंद्र मोदी ने गांधी जी के बारे में कभी नहीं पढ़ा। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि महात्मा गांधी जी को पूरी दुनिया जानती है, दुनिया की अलग-अलग जगहों पर उनके स्टैच्यू हैं। अगर नरेंद्र मोदी, महात्मा गांधी जी के बारे में नहीं जानते, तो उन्हें संविधान के बारे में भी पता नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जनता हमारे इस विचार से सहमत है कि अगर इस सरकार को दोबारा मौका दिया गया तो यह लोकतंत्र का अंत होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने पिछले 15 दिन में भाषणों में कांग्रेस का नाम 232 बार और अपना नाम 758 बार लिया लेकिन एक भी बार भी बेरोजगारी पर बात नहीं की।

सिसोदिया की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली,30 मई। मनीष सिसोदिया को दिल्ली शराब नीति मामले में फिर कोर्ट से लगा झटका . मनीष सिसोदिया की न्यायिक हिरासत 6 जुलाई तक बढ़ा दी है. मनीष सिसोदिया रद्द हो चुकी दिल्ली शराब नीति मामले में आरोपी हैं. केंद्रीय एजेंसियों के जरिए इस मामले की जांच की जा रही है. सीबीआई ने पिछले साल फरवरी में मनीष सिसोदिया को शराब नीति मामले में गिरफ्तार किया था. वहीं, पिछले साल ही एक महीने बाद ईडी ने भी उन्हें इस मामले में 9 मार्च को गिरफ्तार कर लिया. फिलहाल वह दोनों मामलों में न्यायिक हिरासत में हैं .17 मई को शराब नीति मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान ईडी ने इस केस में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया. दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ईडी के जरिए की गई अपनी गिरफ्तारी को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी. इस दौरान अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने ईडी का पक्ष रखते हुए शराब नीति मामले में आम आदमी पार्टी को आरोपी बनाया.

टिंबर मिल में आग, सारी लकड़ी जलकर खाक

रायपुर,30 मई

छत्तीसगढ़ की राजधानी में गुरुवार की सुबह भनपुरी स्थित टिंबर मील में भीषण आग लग गई। लकड़ी के दरवाजे बनाने वाली फैक्ट्री में धूप में रखे लकड़ियों में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग इतने तेजी से फैली कि सारी लकड़ियां जलकर राख हो गई।

सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि इस आगजनी में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। बता दें, फैक्ट्री में शॉर्ट सर्किट होने से आग लगने की संभावना जताई जा रही है। मौके पर पहुंची खमतराई थाना पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हालांकि अब तक नुकसान का आंकलन नहीं किया जा सका है।

इलेक्ट्रिक स्कूटी में लगी आग

वहीं प्रदेश में रिकॉर्ड तोड़ रहे तापमान और भीषण गर्मी के चलते लगातार आगजनी की घटनाएं सामने आ रही हैं। बिलासपुर में भी बीते दिन बुधवार को मेडिकल कॉम्प्लेक्स के पास रखी एक इलेक्ट्रिक स्कूटी में आग लग गई। आग लगते ही आस-पास के लोगों ने तत्परता दिखाते हुए लगातार पानी डालकर आग पर काबू पाया। यह घटना सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र में हुई थी।

केरल में मानसून की एंट्री, तेज हवा के साथ हो रही भारी बारिश

नई दिल्ली,30 मई। देशभर में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच भारतीय मौसम विभाग ने खुशखबरी दी है। सामान्य समय से दो दिन पहले ही केरल में मानसून की एंट्री हो गई है। मानसून की दस्तक के साथ ही केरल के कई इलाकों में भारी बारिश हो रही है। IMD ने ट्वीट कर मानसून के भारत में एंट्री की जानकारी दी है। इससे पहले मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में 29 से 30 मई को मानसून के केरल तट पर पहुंचने की बात कही थी। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून अब पूर्वोत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में आगे बढ़ने लगा है। चक्रवाती तूफान रेमल की वजह से पहले से ही पूर्वोत्तर भारत में बारिश हुई है, जो अब मानसून के पहुंचने पर बढ़ने वाली है। मौसम विभाग ने बताया है कि मानसून इस बार समय से पहले ही केरल पहुंच गया है। इस वजह से केरल में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो रही है। दरअसल, कुछ दिन पहले ही चक्रवाती तूफान रेमल आया, जिसकी चलते मानसून का फ्लो तेजी के साथ बंगाल की खाड़ी तक पहुंच गया। यही वजह है कि अब पूर्वोत्तर की ओर भी बादल बढ़ने लगा है। पूर्वोत्तर के राज्य अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा, नगालैंड, मेघालय, मिजोरम, मणिपुर और असम में मानसून के आगमन की सामान्य तिथि पांच जून है। आईएमडी ने कहा, इस अवधि के दौरान दक्षिण अरब सागर के कुछ और हिस्सों, मालदीव, कोमोरिन, लक्षद्वीप के शेष हिस्सों, दक्षिण-पश्चिम और मध्य बंगाल की खाड़ी, उत्तर-पूर्वी बंगाल की खाड़ी और पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल होती जा रही हैं।

मोदी अपने नफरत भरे भाषणों में लगे हुए हैं: मनमोहन सिंह

नई दिल्ली,30 मई। देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बयान के इतने दिनों बाद अब पूर्व प्रधानमंत्री ने उस भाषण का परोक्ष संदर्भ देते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी एक समुदाय को दूसरे से अलग नहीं किया। लोकसभा चुनाव के आखिरी चरण से पहले देश की जनता को संबोधित एक पत्र में मनमोहन सिंह ने गुरुवार को कहा कि मैं इस चुनाव प्रचार के दौरान राजनीतिक चर्चा को बहुत ध्यान से देख रहा हूं। मोदीजी घृणित नफरत भरे भाषणों में लगे हुए हैं, जो पूरी तरह से विभाजनकारी हैं। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से कहा कि केवल कांग्रेस ही विकासोन्मुख प्रगतिशील भविष्य सुनिश्चित कर सकती है जहां लोकतंत्र और संविधान की रक्षा होगी। मनमोहन सिंह ने पंजाब के मतदाताओं से विकास और समावेशी प्रगति के लिए वोट देने तथा प्रेम, शांति, भाईचारे और सद्भाव को मौका देने की अपील की। मोदी पहले ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने सार्वजनिक संवाद और प्रधानमंत्री पद की गंभीरता को कम किया। अतीत में किसी भी प्रधानमंत्री ने समाज के किसी विशेष वर्ग या विपक्ष को निशाना बनाने के लिए ऐसे घृणित, असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल नहीं किया। पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान मोदी ने सर्वाधिक नफरत फैलाने वाले द्वेषपूर्ण भाषण दिए हैं, जो पूरी तरह विभाजनकारी प्रकृति के हैं। भाजपा सरकार ने अग्निवीर योजना थोपी। उसे लगता है कि देशभक्ति, सेवा का मूल्य केवल चार साल है। यह उनके नकली राष्ट्रवाद को दर्शाता है।

66 यात्रियों का लगेज तीन दिन बाद भी नहीं पहुंचा

बिलासपुर,30 मई। दिल्ली से बिलासपुर आने वाले 66 यात्रियों का लगेज तीन दिन बाद भी बिलासपुर नहीं पहुंच पाया है. इसके कारण बिलासा देवी एयरपोर्ट में रोजाना यात्रियों और हवाई सेवा के अधिकारियों के बीच विवाद हो रहा है, ऐसा पहली बार हो रहा है, जब यात्री दिल्ली से बिलासपुर आने के बाद अपने सामान के लिए भटक रहे हैं.

इनमें कुछ ऐसे भी लोग हैं जिन्हें वापस दिल्ली जाना है और यहां होटल में ठहरकर वे अपने सामान के आने का इंतजार कर रहे हैं बिलासपुर में 3 महीने बाद हवाई सेवा तो शुरू हो गई है लेकिन एक के बाद एक फ्लाइट चलाने वाली कंपनी के मनमानी सामने आ रही है. यात्री आसान यात्रा को लेकर फ्लाइट में सफर कर रहे हैं लेकिन उन्हें उनका सामान समय पर नहीं मिलने के कारण ज्यादा परेशानी हो रही है.

यात्री पूछ रहे और कितने दिन

बिलासपुर में रहने वाले यात्री ने बताया की तीन दिन हो गए यहां पहुंच चुके हैं लेकिन सामान नहीं मिला है यही कारण है कि वह हवाई सुविधा और सर्विस देने जैसे दावे को बंद करने की बात कह रहे हैं उनका कहना है कि जब तक एयरलाइंस के अधिकारी ठीक तरह से फ्लाइट और सुविधा नहीं दे पा रहे तब तक बिलासपुर में इसे बंद कर देना चाहिए ताकि लोगों को इस तरह की तकलीफ ना उठानी पड़े की तीन-तीन दोनों ने सामान के लिए इंतजार करना पड़े.

ध्यान लगाने पर आपत्ति करना विपक्ष की घबराहट :लक्ष्मण सिंह

भोपाल,30 मई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विवेकानंद रॉक में ध्यान लगाने को लेकर देशभर में सियासत के बीच कांग्रेस नेता के समर्थन से मध्यप्रदेश में भी सियासी बवाल मच गया है। अपने बेबाक राय और पार्टी गाइडलाइन के खिलाफ खुलकर अपनी राय व्यक्त करने वाले कांग्रेस नेता लक्ष्मण सिंह ने नरेंद्र मोदी का समर्थन किया है। दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह ने अपने ही नेताओं की आलोचना की है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करने वालों को विकृत मानसिकता का प्रतीक बताया है। लक्ष्मण सिंह ने ङ्ग पर लिखा- मोदीजी के ध्यान लगाने पर भी आपत्ति करना एक विकृत मानसिकता का प्रतीक है। विपक्ष अपनी घबराहट प्रदर्शित कर रहा है। आपको ध्यान लगाने से कौन रोक रहा है लक्ष्मण सिंह के पोस्ट पर कांग्रेस में ही विरोध शुरू हो गया है। कांग्रेस प्रवक्ता अमित शर्मा ने उनके बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि- कांग्रेस पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कसीदे पढ़ने नहीं बैठी है। अपने बयान पर लक्ष्मण सिंह को आत्म चिंतन करना चाहिए। देश में जो घटनाएं हो रही उसकी आलोचना होना चाहिए। दिग्विजय सिंह के एक परिवार में दो चेहरे हैं। एक दिग्विजय सिंह जिन्होंने मध्यप्रदेश को सीचने के लिए अपना कतरा तक दिया है। लक्ष्मण सिंह के पीएम मोदी के ध्यान लगाने से जुड़े पोस्ट का ऊर्जा मंत्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने समर्थन किया है, उनका कहना है कि विपक्ष के पास कोई एजेंडा ही नहीं है। एजेंडाविहीन विपक्ष है सिर्फ राजनीति में जिंदा रखने के लिए अनर्गल बातें करना, टिप्पणी करना, उस पर रिएक्शन हो जिससे वह राजनीति में जिंदा बने रहे इसलिए यह सब करते हैं।

पत्नी का 'इंकार' बुजुर्ग को गुजरा नागवार, फावड़े से मार-मारकर ले ली जान

अभनपुर,30 मई। पत्नी का शारीरिक संबंध बनाने से इंकार करना बुजुर्ग को इतना नागवार गुजरा की उसने घर में रखे फावड़े से उसकी जान ले ली. घटना को अंजाम देने के बाद मौके से फरार बुजुर्ग ने पकड़े जाने के बाद पुलिस को हत्या की वजह बताई. घटना अभनपुर के ग्राम सातपारा की है. पुलिस के बताए अनुसार, मंगलवार-बुधवार की दरम्यानी रात आरोपी 75 वर्षीय खोरबाहरा बंजारे ने अपनी 72 वर्षीय पत्नी रेवती बंजारे से शारीरिक संबंध बनाने की इच्छा जाहिर की, जिस पर रेवती ने मना कर दिया. इसके बाद जब आरोपी ने जबरदस्ती की तो रेवती ने उसे थप्पड़ मार दिया.

पत्नी की इस हरकत से आरोपी इस कदर आक्रोशित हो गया कि उसने घर में रखे फावड़े से मार-मारकर उसकी जान ले ली और मौके से भाग गया. मामले की सूचना मिलने पर अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को चीरघर भिजवाकर विवेचना शुरू करते हुए फरार आरोपी की तलाश शुरू की. आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़े जाने के बाद पूछताछ में आरोपी ने वारदात का कारण स्पष्ट किया है. पुलिस आरोपी को आज न्यायालय के समक्ष पेश करेगी.

नशे में धुत युवकों ने पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ी

बिलासपुर,30 मई। नशे में धुत युवकों ने एक पुलिसकर्मी की वर्दी फाड़ दी और जमकर विवाद किया. यह घटना बीती रात सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के रिवर व्यू की है. पुलिसकर्मी वाहन चेकिंग कर रहे थे, तो शराब के नशे में बाइक सवार तीन युवकों ने हुज्जतबाजी कर हंगामा मचाया. पुलिस तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कार्रवाई कर रही है. जानकारी के मुताबिक, बीती रात कोतवाली टीआई विजय चौधरी स्टाफ के साथ रिवर व्यू रोड पर वाहन चेकिंग कर रहे थे. इस दौरान सरकंडा के पुराना पुल से शनिचरी की ओर जा रहे बाइक सवार तीन युवकों को आरक्षक नरेश निराला ने रुकवाया. तीनों युवक शराब के नशे में थे. युवक आरक्षक को अकेले देखकर उसके साथ गुंडागर्दी करते हुए गाली गलौज करने लगे. आरक्षक ने गाली देने से मना किया तो तीनों ने उसके साथ हुज्जतबाजी करते हुए वर्दी फाड़ दी. आरक्षक के आवाज लगाने पर दूर में खड़े टीआई चौधरी स्टाफ के साथ मौके पर पहुंच गए और तीनों युवकों को पकड़कर थाने ले गए. जहां आरोपी शैलेश दिवाकर, सन्त कुमार सूर्यवंशी, राजन खांडे के खिलाफ धारा 186, 353, 332, 294, 34 के तहत कार्रवाई की जा रही है.

अंतरिक्ष स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने उड़ाया दुनिया का पहला 3 डी-प्रिंटेड रॉकेट इंजन

चेन्नई,30 मई। भारतीय अंतरिक्ष स्टार्टअप अग्निकुल कॉसमॉस ने गुरुवार को दुनिया के पहले सिंगल-पीस 3डी-प्रिंटेड रॉकेट इंजन द्वारा संचालित अपने पहले सब-ऑर्बिटल टेस्ट व्हीकल को सफलतापूर्वक लॉन्च किया. इससे पहले कम से कम चार बार इसके लॉन्च को रद्द किया जा चुका था.

अग्निबाण एसओआरटीईडी (सब-ऑर्बिटल टेक्नोलॉजी डेमोस्ट्रेटर) ने गुरुवार को सुबह 7.15 बजे उड़ान भरी. भारत में किसी निजी स्टार्टअप द्वारा किया गया दूसरा लॉन्च है, लेकिन श्रीहरिकोटा में देश के एकमात्र ऑपरेशनल स्पेसपोर्ट में कंपनी द्वारा स्थापित निजी लॉन्चपैड का उपयोग करने वाला यह पहला लॉन्चपैड है.

निजी अंतरिक्ष क्षेत्र के साथ समन्वय के लिए जिम्मेदार IN-SPACe के अध्यक्ष डॉ पवन गोयनका ने ङ्ग पर कहा, "@AgnikulCosmos द्वारा अग्निबाण एसओआरटीईडी के सफल लॉन्च पर बहुत खुशी हुई! भारत के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक क्षण. दुनिया के पहले सिंगल पीस 3डी प्रिंटेड सेमी-क्रायोजेनिक इंजन द्वारा संचालित, यह उपलब्धि हमारे युवा इनोवेटर्स की प्रतिभा को दर्शाती है.÷ भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने भी ङ्ग पर एक पोस्ट में अग्निकुल को बधाई देते हुए कहा कि यह एक प्रमुख मील का पत्थर है, क्योंकि एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग के माध्यम से सेमी-क्रायोजेनिक लिक्विड इंजन की पहली नियंत्रित उड़ान का एहसास हुआ है.आमतौर पर, इंजन के पुर्जे अलग-अलग बनाए जाते हैं, और बाद में उन्हें जोड़ा जाता है. 3डी-प्रिंटेड मैन्युफैक्चरिंग प्रक्रिया का उपयोग करने से लॉन्च की लागत कम होने और वाहन असेंबली के समय में कटौती होने की संभावना है. कंपनी का लक्ष्य छोटे उपग्रहों को सस्ती लॉन्च सेवाएं प्रदान करना है. अग्निकुल कॉसमॉस के संस्थापक सलाहकार और आईआईटी मद्रास में राष्ट्रीय दहन अनुसंधान एवं विकास केंद्र के प्रमुख प्रोफेसर सत्यनारायणन आर चक्रवर्ती ने कहा, हमें भारत का पहला सेमी-क्रायो रॉकेट इंजन पेश करने पर गर्व है, जो दुनिया का सबसे एकीकृत सिंगल शॉट 3डी प्रिंटेड पीस भी है. यह रॉकेट को तेजी से असेंबल करने की बेजोड़ क्षमता का संकेत देता है. आईआईटी मद्रास द्वारा विकसित स्टार्टअप द्वारा विकसित लॉन्च वाहन ने भारत के पहले सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का भी प्रदर्शन किया.

अग्निलेट नामक इंजन ईंधन के रूप में सब-कूल्ड ऑक्सीजन का उपयोग करता है. क्रायोजेनिक इंजन, जैसे कि भारत के सबसे भारी लॉन्च वाहन, एलवीएम3 के ऊपरी चरणों में इस्तेमाल किया जाने वाला इंजन, ईंधन के रूप में बेहद कम तापमान पर तरलीकृत गैसों का उपयोग करता है. प्रक्षेपण यान को किसी भी स्थान से धनुष नामक अपने मोबाइल लॉन्चपैड से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है. हालाँकि, यह एक उप-कक्षीय प्रक्षेपण था, लेकिन वाहन 30 किलोग्राम से लेकर 300 किलोग्राम तक के पेलोड उड़ा सकता है. इस मिशन को समुद्र में गिरने से पहले लगभग 8 किलोमीटर की ऊँचाई तक पहुँचने के लिए डिज़ाइन किया गया था. कंपनी को उम्मीद है कि वह अपना पहला कक्षीय प्रक्षेपण करेगी, जो वित्तीय वर्ष के अंत तक उपग्रहों को पृथ्वी के चारों ओर की कक्षा में ले जाने में सक्षम होगा. उन्हें अगले कैलेंडर वर्ष में नियमित लॉन्च प्रदान करने की उम्मीद है.

एक नजर

निर्माणाधीन पोर्च गिरना से 13 मजदूर घायल

भिलाई, 30 मई। भिलाई जेवरा सिरसा चौकी अंतर्गत ग्राम चिखली में गोल्फ कोर्स में बन रहा क्लब हाउस का निर्माणाधीन पोर्च भरभरा कर गिर गया। इस दौरान वहां पर कार्य कर रहे लगभग 13 मजदूर घायल हो गए मौके पर पहुंची जेवरा सिरसा पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया जहां उनका इलाज किया जा रहा है जेवरा सिरसा चौकी प्रभारी खगेंद्र पठारे ने बताया कि चिखली में संजय बाफना का गोल्फ कोर्स है वहां पर क्लब हाउस में पोर्च निर्माण का कार्य किया जा रहा था पोर्च निर्माण के लिए सेंटरिंग कार्य किया जा रहा था इसी दौरान शाम को अचानक सेंटरिंग भरभरा कर गिर गया इस दौरान कार्य कर रहे मजदूर घायल हो गए पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है घायल मजदूरों का कहां चल रहा इलाज सुखमनदास मानिकपुरी 40 साल निवास मठपारा परेतिन चौक गली नंबर एक दुर्ग, महेंद्र कुमार वैष्णव 34 साल ग्राम मोघा बाजार, थाना डौंडी बालोद, सुखचैन यादव 42 वर्ष ग्राम पुरई थाना उतई दुर्ग और उदय कुमार टेमरे 20 साल बाफना बाड़ी चिखली को जिला अस्पताल दुर्ग, लुकेश कुमार बंजारे 36 साल ग्राम कोसा थाना रनचिरई बालोद, हेमलता चंदेह 32 साल स्टेशन मरोद विजय चौक थाना नेवई, पूर्णिमा कोसरे 43 साल ग्राम चिरोटी थाना अंडा दुर्ग और डिलेश्वर साहू 27 साल नयापारा तेजू राइस मिल के पास दुर्ग को साईं अस्पताल केलाबाड़ी दुर्ग में भर्ती किया गया है इसी तरह गोपाल राम 33 साल स्टेशन मरोदा भिलाई, पुष्पा बारले 30 साल स्टेशन मरोदा भिलाई, धर्म ठाकुर 32 साल ग्राम सिरीं जिला बालोद, खिलावन साहू 34 साल रिसाली भिलाई और प्रमिला साहू 37 साल स्टेशन मरोदा भिलाई को महिमा अस्पताल दुर्ग में भर्ती किया गया है ।

युवती ने घर में फांसी लगाई

भिलाई, 30 मई। भिलाई वैशाली नगर थाना क्षेत्र युवक ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच में लिया है पुलिस ने बताया कि शांतिनगर निवासी दीपक ठाकुर (32 वर्ष) अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पीएम के लिए भेज दिया आत्महत्या का कारण अज्ञात है ।

शेयर में निवेश के नाम पर 1.26करोड़ की ठगी

भिलाई, 30 मई । भिलाई शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 420, 34 के तहत जुर्म ददर्ज किया है सीएसपी सत्य प्रकाश तिवारी ने बताया कि सूर्य विहार कालोनी निवासी प्रलय शांति बसु से अज्ञात ने शेर मार्केट में रुपए निवेश कर 500 प्रतिशत मुनाफा का झांसा देकर 1 करोड़ 26 लाख 22 हजार रुपए का ठगी किया है मुनाफा की राशि आरोपियों ने पीड़ित को समय बीतने के बाद भी नहीं दिया परेशान होकर पीड़ित ने शिकायत पुलिस को किया है भिलाईनगर सीएसपी ने बताया कि आरोपियों की तलाश में पुलिस जुटी हुई है।

मैत्री बाग में वन्यजीवों को गर्मी से बचाने के लिए विशेष इंतजाम

भिलाई, 30 मई। भिलाई इस्पात संयंत्र के उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित मैत्रीबाग चिड़ियाघर में मौजूद वन्यजीवों को तपती गर्मी से बचाने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। जिसके तहत, बंदरों और पक्षियों के लिए स्प्रिंकलर लगाए गए हैं, तथा सांभर, हिरण के इन्क्लोजरों मे फव्वारों की व्यवस्था की गयी है जिससे उस क्षेत्र मे तापमान कम होने से इन्हें गर्मी से बचाया जा सके। बाघों के लिए कृत्रिम वाटरफॉल तैयार किये गए हैं। सांभर हेतु मडबाथ का इंतज़ाम किया गया है। हिरणों, सांभर एवं ब्लैक बक, बाघों एवं सिंह के इन्क्लोज़रों में यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि मोट में हमेशा पानी भरा रहे। इसके अतिरिक्त स्पॉटेड डियर एवं सांभर को गर्मी से बचाव हेतु शेड के ऊपर स्प्रिंकलर द्वारा पानी का छिडकाव किया जा रहा है । सभी इन्क्लोजरों के द्वार पर टाईफा चटाई लगायी गयी है जिससे पानी का छिडकाव कर पिंजरों को ठंडा रखा जाता है । इसके अतिरिक्त, जानवरों के पिंजरों के धूप से बचाव हेतु चारों तरफ हरे नेट भी लगाए गए हैं। मैत्रीबाग चिड़ियाघर में वर्तमान में करीब 340 वन्य प्राणियों को रखा गया है। इन वन्य प्राणियों को गर्मी से बचाने के लिए मैत्रीबाग प्रबंधन द्वारा प्रत्येक वर्ष विशेष प्रबंध किये जाते हैं। उपमहाप्रबंधक एवं मैत्रीबाग प्रभारी डॉ नवीन कुमार जैन ने बताया कि हीट वेव से चिड़ियाघर के वन्यप्राणियों की रक्षा हेतु वातावरण को ठंडा रखा जाता है, जिसके लिये कृत्रिम झरने, तथा स्प्रिंकलर आदि विभन्न माध्यमों से पानी का छिड़काव किया जा रहा है। खुले में रहने वाले जानवरों पर पानी की बौछार की जाती है। साथ ही, जानवरों के खाने-पीने में भी मौसम के अनुरूप बदलाव किये गए हैं जिससे उनके शरीर में ठंडक बनी रहे और इनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर न पड़े। बंदरों और अन्य जानवरों के भोजन में तरबूज, ककड़ी एवं खरबूजा जैसे फलों को शामिल किया गया है। देश के चिडियाघरों में मैत्री बाग के सफेद बाघ सदा से चर्चे में रहे हैं।

फीस के नाम पर तंग किया तो प्राचार्यों के खिलाफ की जाएगी कार्रवाई:डीएम

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भिलाई, 30 मई। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी की अध्यक्षता में कृष्णा पब्लिक स्कूल के सभागार में शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के प्राचार्यों की संयुक्त बैठक आयोजित की गई। प्राचार्यों की बैठक लेकर शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पहले कार्य योजना बनाकर सभी आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। आगामी 16 जून से शत-प्रतिशत स्कूलों में शाला प्रवेश उत्सव मनाने तथा पाठ्य-पुस्तक, गणवेश एवं साइकिल वितरण कराने को कहा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिले में शिक्षा के स्तर और बेहतर बनाने की दिशा में प्रयास करने तथा नवाचार को अपनाने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने कहा कि परीक्षा में बेहतर परिणाम के लिए बालक-बालिकाओं के साथ-साथ शिक्षकों को मेहनत करने की आवश्यकता है। शिक्षा के स्तर में सुधार और परीक्षा परिणाम बेहतर हो इसके लिए बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों को भी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का अधिकार (आरटीई) पोर्टल का सत्यापन आप लोगों के द्वारा किया जाता है। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के बच्चों को आरटीई का लाभ मिल सके, यह सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए स्कूल के अध्यापकों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि बच्चों को उनके पाठ्यपुस्तकों से पढ़ाई कराएं, बच्चों को कुंजी से पढ़ाते हुए कोई अध्यापक पाए जाने पर उस पर कार्यवाही की जाएगी। साथ ही शिक्षकों को बच्चों को विषयवार नोट्स बनाने प्रेरित करने को कहा। जो सफलता व ज्ञान पाठ्यपुस्तक से मिल सकती है वह ज्ञान कुंजी से नही मिल सकती। स्कूलों के प्राचार्य से परिणामों में कमियों का संज्ञान लिया और परीक्षा परिणाम पूर्व वर्ष के परिणामों से बेहतर करने के निर्देश दिए। उन्होंने कमजोर बच्चों पर विशेष ध्यान देने को कहा। इसके लिए बच्चों का वर्गीकरण किया जाए, ताकि पता चल सके कौन सा बच्चा पढ़ाई में उत्तम है, मध्यम है और कौन सा बच्चा कमजोर है, उस आधार पर उसकों गाईड लाईन देना है। उन्होंने कहा संवाद सबसे अच्छा माध्यम है एक शिक्षक का संवाद जितना अच्छा रहेगा बच्चे और शिक्षक की दूरिया उतनी ही कम होगी।

बच्चे खुलकर विषयवार अपनी समस्या बता सकेंगे। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी को सभी शासकीय एवं निजी स्कूलों में आधार कार्ड बनाने के लिए शिविर लगाने को कहा, ताकि स्कूल में भर्ती के समय आधार कार्ड से संबंधित समस्या न आए। कलेक्टर ने आरटीई के तहत दिए गए प्रवेश में से लगभग 10 प्रतिशत बच्चों के ड्रॉप आउट होने पर चिंता प्रकट की तथा विद्यालयवार इसकी समीक्षा करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जिले में स्कूलों से ड्रॉप आउट बच्चों से शाला त्यागने की वजह को जानकर उनकी समस्याओं का समाधान करवाने पहल करने को कहा। कलेक्टर ने कहा कि 9वीं, 10वीं, 11वीं एवं 12वीं कक्षा के बच्चों पर विशेष ध्यान देते हुए उनको थ्योरी के साथ-साथ प्रैक्टिकल भी कराएं, ताकि आगे चलकर उनको परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि स्कूलों की फीस की राशि न देने के फलस्वरूप छात्र-छात्राओं के परिजनों पर अनावश्यक रूप से दबाव बनाना, परीक्षा में न बैठने देने, टीसी न देने संबंधी शिकायतें पाए जाने पर संबंधित स्कूलों के प्राचार्यों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। राज्य सरकार के निर्देशानुसार 10 अगस्त को मेगा पीटीएम किया जाएगा। बैठक में उपस्थित क्लस्टर अकेडमिक कोऑडिनेशन (सीएसई) को स्कूलों का महीने में दो बार निरीक्षण करने को कहा। स्कूलों के पढ़ाई व्यवस्था सुधार के लिए बीईओ को लगातार भ्रमण करने कहा गया। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने शासकीय एवं निजी स्कूल के प्राचार्यों से आरटीई के संबंध में प्राप्त निर्देशों के क्रियान्वयन, बालक बालिका शौचालय, अहाता एवं पहुँच मार्ग, विद्यालय प्रांगण में अतिक्रमण, स्कूल मैपिंग, यू डाईस में डाटा एंट्री इत्यादि के संबंध में चर्चा की। दुर्ग जिले के लिए विद्यालयों के बोर्ड परीक्षाओं में शत प्रतिशत परिणाम दिलाने वाले प्राचार्यों तथा उल्लास नव भारत साक्षरता कार्यक्रम में बेहतर कार्य करने हेतु बीईओ कैलाश साहू, पाटन शिक्षक कमलकांत देवांगन, सीएसी चंद्रहास देवांगन एवं श्रीमती सुमन प्रधान को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, समग्र शिक्षा अधिकारी सुरेन्द्र पाण्डेय, सहायक संचालक श्रीमती पुष्पा पुरूषोत्तमन, शिक्षाविद आर एस पांडेय सहित शासकीय एवं निजी विद्यालय के प्रिंसिपल उपस्थित थे।

गरीब परिवार को बेदखल करने की साजिश, कुरियन ने जताया विरोध

भिलाई, 30 मई। श्रमिक नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता जॉर्ज कुरियन ने रिसाली के आशीष नगर (पूर्व) में सड़क किनारे सिर्फ 25 वर्ग फीट जमीन पर कब्जा कर एक कॉब्लर के रूप में अपनी आजीविका चलाने वाले नरेश बिंजलेकर को वहां से बेदखल करने की साजिश का पर्दाफाश करते हुए कहा है कि वे इसका मुखरित विरोध करेंगे। कुरियन ने बताया कि नरेश बिंजलेकर ने 1993 में रिसाली के आशीष नगर (पूर्व) में स्ट्रीट नंबर 4 में उनके तत्कालीन प्लॉट के सड़क किनारे सिर्फ 25 वर्ग फीट जमीन पर एक कॉबलर के रूप में अपनी आजीविका चलाने के लिए कब्जा कर लिया था। अब 30 साल बाद, उन लोगों द्वारा बेदखल करने की धमकी दी जा रही है, जिन्होंने 2014 के बाद ही उनकी (कुरियन) की संपत्ति खरीदी थी। ये वे लोग हैं जिन्होंने खुद रिसाली मेन रोड के किनारे

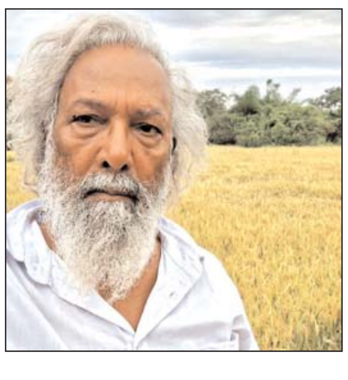

3000 वर्ग फीट नजूल भूमि पर अवैध रूप से अतिक्रमण और कब्जा कर लिया था, जिसमें नरेश द्वारा कब्जा की गई 25 वर्ग फीट जमीन भी शामिल है। वे नरेश को आंखों में खटकने वाला मानते थे और उस पर जमीन खाली करने का दबाव बनाते थे, लेकिन उसने ऐसा करने से इनकार कर दिया। कुरियन ने बताया कि नरेश के परिवार में तीन बड़े बच्चे हैं, एक बेटी कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में पढ़ रही है और दूसरी बेटी नीट की परीक्षा में शामिल होने के बाद मेडिकल एडमिशन का इंतज़ार कर रही है। 25 वर्ग फीट की नजूल भूमि मोची नरेश के आय का एकमात्र स्रोत है जिससे वह अपने भविष्य के परिवार का भरण-पोषण करता है। कुरियन ने कहा कि एक गरीब परिवार की रक्षा के लिए वे 5 जून से अनिश्चितकालीन उपवास का सहारा लेने के लिए मजबूर हैं। 70 से 90 के दशक में श्रमिक आंदोलनों में आगे रहने वाले कुरियन ने कहा कि उनका मिशन एक व्यक्ति का है। उन्होंने मांग की है कि नरेश बिंजलेकर को बेदखल करने से पहले आरएमसी 3000 वर्ग फीट की नजूल भूमि को वापस ले। नरेश को उसके परिवार के लिए आजीविका कमाने के लिए एक वैकल्पिक स्थान प्रदान करने के लिए अधिकारियों को हस्तक्षेप करना चाहिए।

टीम ने मोती काम्प्लेक्स से लेकर तकिया पारा तक 35 जगहों से ठेले खामेचे हटवाए

दुर्ग,30 मई। नगर पालिक निगम क्षेत्र अंतर्गत कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी के आदेश पर आज निगमायुक्त लोकेश चन्द्रकर मोती कॉम्पलेक्स से होते हुए मान होटल से तकिया पारा तक यातायात में बाधक बन रहे ठेला-खोमचे के खिलाफ अभियान शुरू की। आयुक्त लोकेश चंद्राकर की मौजूदगी में अतिक्रमण अधिकारी दुर्गेश गुप्ता की टीम ने दुकान के सामने सजाकर समान रखने व दुकान के बाहर साइन बोर्ड एवं ठेला और पसरा को हटाकर जब्त किया। आयुक्त लोकेश चन्द्राकर द्वारा सभी दुकानदारों को दुकान के बाहर समान व सड़क पर साइन बोर्ड नही रखने की सख्त चेतावनी दी।सड़क दुर्घटनाएं रोकने व ट्रैफिक जाम से नागरिकों को बचाने निगम द्वारा अवैध कब्जाधारियों, ठेला, खोमचा एवं चलित होर्डिंग्स के विरुद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

सियान जतन कार्यक्रम में वृद्धजनों को दी गई जानकारी

पाटन, 30 मई। सियान जतन कार्यक्रम प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिलाई 3 में आयोजित किया गया। बुढ़ापे में किस तरह अपने स्वास्थ्य और दैनिक जीवन शैली करना है उसके लिए वृद्धजनों को जानकारी दी गई। बीईटीओ व स्वास्थ्य सुपरवाइजर सैय्यद असलम ने बताया छत्तीसगढ़ शासन के मिशन संचालक स्वास्थ्य सेवाएं रायपुर द्वारा प्रदेश के सभी अस्पतालों में सियान जतन कार्यक्रम के माध्यम उनके स्वास्थ्य के लेकर जन-जागरूकता अभियान चलाया गया। 60 वर्ष से ऊपर आयु पुरुष और महिलाएं को अस्पताल में पीले रंग का ओपीडी बुक बनाई जाती है। जिसके माध्यम से उन्हें लंबी कतार पर खड़े नहीं होना पड़ेगा। असलम ने बताया बुर्जुगों को देखभाल की बड़ी आवश्यकता होती है। इसलिए उन्हें बताया गया कि जब भी वाशरूम जाए सहारा लेकर चले। अधिकांश लोग बाथरूम में स्लिप हो कर गिरने से कमर हड्डी फ्रैक्चर ओर सिर की चोट के शिकार होते हैं। अपने स्वास्थ्य को लेकर उनको जानकारी होनी चाहिए। बी पी, शुगर, हृदय रोग की दवाओं का सेवन समय पर करना है। इसके लिए परिवार के सदस्यों को जानना जरूरी है। पाचन शक्ति कमजोर होती है, मोशन की समस्या बनी रहती है। इसलिए हल्का भोजन जल्दी पचने वाला भोजन लेना चाहिए। रात्रि में टार्ज, चश्मा और स्टिक लेकर सहारे से चलें। अपनी आंखों की नियमित जांच करवाएं। चश्मा नंबर बदली होने पर निशुल्क चश्मा अस्पताल से दिया जाता है।

अदिति और समता शुक्ला की बनाई पेंटिंग की प्रदर्शनी उद्घटित

भिलाई, 30 मई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के जनसंपर्क विभाग द्वारा संचालित, इंदिरा प्लेस, सिविक सेंटर स्थित नेहरू आर्ट गैलरी में, सुश्री सी एस अदिति और श्रीमती समता शुक्ला द्वारा निर्मित पेंटिंग्स की युगल प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि, मुख्य महाप्रबंधक सुधीर कुमार द्वारा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलित कर किया गया।

सुधीर कुमार ने अपने परिवार जनों के साथ इस प्रदर्शनी का आनंद लिया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक मानस गुप्ता, महाप्रबंधक (सम्पर्क प्रशासन एवं जनसंपर्क) जेकब कुरियन, महाप्रबंधक व्ही सी शेखर, महाप्रबंधक (जनसंपर्क) प्रशांत तिवारी, उप महाप्रबंधक सुश्री रेनू गुप्ता, सहायक महाप्रबंधक पुनीत कुमार वर्मा, जनसंपर्क विभाग के अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित आर्ट क्लब के सदस्य, कलाकारों के परिवार जन तथा भिलाई के नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। ललित कलाओं में रूचि रखने वाली सुश्री आदिति ने प्रयाग संगीत समिति, इलाहाबाद से ललित कला में सीनियर डिप्लोमा प्राप्त किया है। उन्हें भरतनाट्यम के लिए सीसीआरटी छात्रवृत्ति (संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत) भी प्राप्त हुई है। उन्होंने मार्शल आर्ट्स में भी दक्षता हासिल की है और ताइक्वांडो में ब्लैक बेल्ट हासिल किया है। श्रीमती समता शुक्ला, एक गृहिणी होने के साथ साथ अच्छी आर्टिस्ट भी हैं, बचपन से ही इन्हें चित्रकला और पेंटिंग में बहुत रूचि रही है। श्रीमती शुक्ला विभिन्न प्रकार की कला विधाओं जैसे ऑइल पेंटिंग, पेंसिल स्केचिंग, मधुबनी, मांडला कला, रेखाचित्र और वाटर कलर पेंटिंग सहित, विविध चित्रकला विधाओं को कैनवास पर सुन्दरता के साथ उकेरा है।

खंड चिकित्सा अधिकारी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्य पूरा करने के दिए निर्देश

पाटन। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष शर्मा ने सोमवार को स्वास्थ्य विभाग के बीईईटीओ व सेक्टर सुपरवाइजर एवं एल एच व्ही की समीक्षा बैठक लेकर आगामी सप्ताह के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के लक्ष्य देकर शत प्रतिशत उपलब्धि हासिल कर हितग्राहियों को स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने निर्देश दिए हैं। समय पर कार्य नहीं करने वालों को नोटिस जारी किया जाएगा। बीईटीओ बी एल वर्मा और शहरी स्वास्थ्य बीईटीओ सैय्यद असलम ने बताया कि बैठक में हाइड्रोसील मरीजों की सूची तैयार कर जून माह अंत तक उनकी सर्जरी पाटन में निशुल्क कराई जाएगी। सभी क्षेत्रों में 40 वर्ष आयु समूह के व्यक्ति तो की सिकल सेल की स्क्रीनिंग जाएगी और जांच भी होगी। आगामी माह से मानसून प्रारंभ होगा सर्पदंश केसेस में अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता के साथ सर्पदंश में मरीजों को कैसे प्रारंभिक उपचार करेंगे। डॉ आशीष शर्मा ने बताया कि सबसे पहले कंफर्म करेंगे कि सर्प ने काटा है कि नही। उसके बाद सांत्वना देना कि अधिकांश सर्पदंश जहरीला नहीं होता है। काटने वाली जगह को स्थिर रखना है सबसे पहले अस्पताल पहुंचाना है। चिकित्सक ही तय करेगा एंटी स्नेक वेनम लगाना है। मूलतः नाग और कारयात के काटने पर आंखों की पलक झपकती नहीं है। वाइपर के काटने से नाक व कान से खून की निकलते हैं। ऐसी स्थिति में झाड़-फूंक से बचने की जरूरत है। बीईटीओ व स्वास्थ्य सुपरवाइजर सैय्यद असलम ने बताया कि खेत कार्य के दौरान कार्य करते समय जूते अनिवार्य पहना चाहिए। नंगे पैर खेतों में कार्य से बचें रात्रि में टॉर्च जलाकर रास्ते पर चलने से बचाव हो सकता है।

भीषण गर्मी को देखते हुए पानी सप्लाई में बनी रहे निरंतरता:आयुक्त

भिलाई, 30 मई। भिलाई नगर निगम के सभागार में समीक्षा बैठक के दौरान सभी जोन आयुक्त, कार्यपालन अभियंता, सहायक अभियंता, उप अभियंता की उपस्थिति में आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने निर्देश दिये कि निगम भिलाई क्षेत्र में कही भी पानी की सप्लाई बाधित न हो। हर नागरिक को पीने का पानी मिले यह सुनिश्चित किया जाये। इस संबंध में नियमित पेयजल सप्लाई के साथ-साथ निगम क्षेत्र के सभी पावर पम्प, हैण्ड पम्प का संधारण गुणवत्तापूर्वक किया जाये, निगम के संधारण करने वाले दस्ता से यह सुनिश्चित किया जाये की उनके द्वारा पम्पो का संधारण किया जा रहा है वह गुणवत्तापूर्वक हो उसी पावर पम्प में दोबारा शिकायत न मिले उसका समय सीमा निर्धारित किया जावे। निगम के द्वारा सप्लाई पाईप लाईन में कहीं भी लीकेज होने की स्थिति में उसका तत्काल संधारण किया जावे। हैण्ड पम्प में कही भी जलभराव न हो यह भी ध्यान रखा जाये। आवश्यकता हो तो टैंकर से भी सप्लाई नियमित रूप से किया जाये। निगम के इंजीनियर एवं सुपरवाईजर इस बात का ध्यान रखे की जिन बस्तियों में टेंकर से पानी सप्लाई हो रहा है वहां निर्धारित स्थल एवं समय पर पानी सप्लाई हो। यह शिकायते मिल रही है कि टेंकर सप्लाई करने वाले ड्राईवरो द्वारा चिन्हित स्थल से पहले ही गाड़ी खड़ा कर देते है जिससे नागरिको को परेशानी हो रही है। उसको तुरन्त रोका जाये और ऐसे ड्रायवरो पर कार्यवाही हो, इसके लिए स्थानीय नागरिको से जानकारी प्राप्त किया जाये की पानी समय पर मिल रहा है की नहीं। सभी इंजिनियर एवं सुपरवाईजर इसका निरीक्षण करते रहे। किसी भी नागरिक को पानी की समस्या होने पर निगम के जोन कार्यालय को सूचित करें ।

जल जीवन मिशन के कार्यों का मुख्य अभियंता ने किया निरीक्षण

कवर्धा, 30 मई। मुख्य अभियंता रायपुर द्वारा कबीरधाम ज़िला में जल जीवन मिशन के कार्यों का निरीक्षण किया गया सिंगल विलेज योजना के तहत निर्मित योजनाओं से जल प्रदाय घरेलू नल कनेक्शन से लाभान्वित लोगों से चर्चा किया गया एवम् मल्टी विलेज योजना स्थल का निरीक्षण किया गया एवं तकनीकी मार्गदर्शन दिया गया ।

नालियों में कचरा फेंकते पाये गये व्यापारियों से निगम ने वसूला जुर्माना

भिलाई, 30 मई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र में बरसात के समय निचली बस्तियों या कहीं पर भी जलभराव न हो उसके लिए सफाई अभियान युद्ध स्तर पर जारी है। परन्तु बहुत से व्यापारियों द्वारा अपने आदत से मजबूर अपनी दुकान से निकलने वाले कचरे को नाली में फेंक देते है। ऐसे दुकानदारों पर आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव के आदेशानुसार निगम की कार्यवाही जारी है। निगम की कार्यवाही पॉचो जोन कार्यालय क्षेत्र में जारी है। इसी तारतम्य में जोन क्रमांक 02 के स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मिश्रा अपने दल के साथ निरीक्षण के दौरान मौके पर कचरा फेंकते हुए पाया शास्त्री नगर के नीतू किराना स्टोर के व्यापारी द्वारा नाली में कचरा फेंका जा रहा था उससे 500 अर्थदण्ड वसूला गया इसी प्रकार 18 व्यापारियो से नाली में कचरा फेकने का अर्थदण्ड एवं 03 निवासियो द्वारा रोड पर मलवा रखकर सड़क बाधित करने वालो से कुल 6300 अर्थदण्ड वसूली की गई। सनद रहे की जो भी व्यक्ति या व्यापारी अपने घरो या दुकानो से निकलने वाले कचरे को नालियो में डालेगे तो उनसे बढ़ते हुए क्रम में अर्थदण्ड लिया जायेगा। कार्यवाही नगर निगम भिलाई के सभी पॉचो जोन क्षेत्र में चल रहा है एक तरफ निगम प्रतिदिन सफाई कार्य कर रही है दुसरी तरफ नागरिक नालियो में कचरा डाल रहे है। उनसे अर्थदंड वसूली की कार्यवाही जारी रहेगी। नगर निगम भिलाई के स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेन्द्र मिश्रा ने सभी व्यापारियों से अपील की हैं कि अपने दुकानों एवं घरों से निकलने वाले कचरे को सफाई कर्मचारी को ही देवें। यदि व्यापारी अपनी आदत को नहीं सुधरेगे तो नियमानुसार उनके गुमास्ता एवं अनुज्ञप्ति लाइसेंस निरस्त करने की कार्यवाही की जावेगी। जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी व्यापारियो के स्वयं की होगी।

क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर 58 लाख की ठगी

भिलाई, 30 मई । भिलाई क्रिप्टो ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 420 के तहत जुर्म दर्ज किया है। भिलाई नगर पुलिस ने बताया कि मकान नंबर डी 34 अस्पताल सेक्टर निवासी लिपी चक्रवर्ती सीएम शासकीय मेडिकल कालेज कचांदुर में नेत्र रोग विभाग की विभाग अध्यक्ष है उनके मोबाइल पर अज्ञात ने टेलीग्राम एप पर क्रिप्टो ट्रेडिंग का झांसा देकर 58 लाख 43 हजार 900 रुपये की आन लाईन ठगी किया। जिसकी शिकायत सायबर पुलिस पोर्टल मे आन लाईन शिकायत दर्ज कराया गया है ट्रेडिंग करने के नाम पर ठगी का कारोबार इस्पात नगरी के लोगों के साथ लगातार हो रही है

एक नजर

धीरी में मिल रहे प्रदूषित पानी को रोकने डॉ रमन सिंह ने दिए अधिकारियों को निर्देश

राजनांदगांव ,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)।। धीरी जलाशय में राइस मिल्स के गंदे पानी को रोकने के लिए विधानसभा अध्यक्ष एवम क्षेत्र के विधायक डॉ रमन सिंह ने कलेक्टर एवम पीएचई के अधिकारियों को तत्काल राइस मिल्स से निकल कर धीरी जलाशय में मिलने वाले प्रदूषित जल को रोकने का निर्देश देते हुए राइस मिल्स को बंद करने का निर्देश दियेहै। गौरतलब है धीरी जलाशय से 24 गांवों को जल प्रदाय होता है जिसमे एक राइस मिल्स का प्रदूषित पानी धीरी जलाशय के इंटकवेल में जा कर पानी को प्रदूषित कर रहा था जिससे ग्रामीणों में आक्रोश व्याप्त हो रहा था जिसकी जानकारी क्षेत्रीय विधायक एवम विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह को होने पर उन्होंने त्वरित संज्ञान लेते हुए कलेक्टर संजय अग्रवाल एवम पीएचई के कार्यपालन अभियंता को तुरंत राइस मिल से निकलने वाले प्रदूषित पानी को रोकने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने का निर्देश दिये है एवम राइस मिल्स का प्रदूषित जल के उचित निकासी नही होने की स्थिति में राइस मिल्स को ही बंद करने का निर्देश दिया है ,जिसके तहत अनुविभागीय अधिकारी एवम पीएचई के अधिकारी आवश्यक कार्यवाही हेतु धीरी जलाशय पहुंच गये है। उल्लेखनीय है कि धीरी जलाशय में राइस मिल्स के प्रदूषित पानी के मिलने से 24 गांवों को मिलने वाला पानी अत्यधिक प्रदूषित हो गया था और गांवों में पानी को नही पीने की मुनादी भी करा दी गई थी जिसकी जानकारी मिलते ही विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने राइस मिल्स को बंद कर ग्रामीणों को स्वच्छ पानी प्रदाय हो इसके लिए भी समुचित व्यवस्था करने अधिकारियों को निर्देश दिये है।

ठेठवार पारा के मेधावी छात्र का नवोदय स्कूल में दाखिला

डोंगरगढ़ ,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)। धर्मनगरी के वार्ड नं 22 ठेठवार पारा डोंगरगढ़ के होनहार मेघावी छात्र दिव्यांश जंघेल पिता सुनील जंघेल माता यशोमति जंघेल ने प्रथम बार मे ही राष्ट्रीय स्तर के बेहद कठिन परीक्षा में से 1 सैनिक स्कूल अम्बिकापुर की परीक्षा 80त्न के साथ पास कर लिया साथ ही जवाहर नवोदय विद्यालय डोंगरगढ़ की परीक्षा पास कर उनका चयन भी हो गया । छात्र के इस विशेष उपलब्धि पर बीते दिनों छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री एवं वर्तमान विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह जी एवं खैरागढ़ के पूर्व विधायक श्री कोमल जंघेल ने उन्हें रायपुर में सम्मानित किया साथ ही साथ उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं भी दी। इस अवसर पर वार्ड के संतोष राव,ललित शर्मा ,संतोष देवांगन,अमित यदु, अनिल शर्मा, राम यदु , जितेंद्र उइके सहित सभी ने उन्हें एवं उनके परिवार को शुभकामनाएं दी।

लूट का तीसरा फरार आरोपी गिरफ्तार

राजनांदगांव ,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)।प्रार्थिया भूमिका जाम्बुलकर निवासी कुर्रूभाठ थाना डोंगरगढ़ ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दिनांक- 10.05.2024 को दोपहर 12:30 बजे सायकल में डोंगरगढ़ से घर जा रही थी रास्ते में सामने तरफ से एक मोटर सायकल में तीन बादमाश पास आकर सायकिल सहित धक्का देकर गिरा दिये और मोबाईल फोन आधार कार्ड लूट कर फरार हो गये थे जिस पर अपराध पंजीबद्ध कर थाना प्रभारी निरीक्षक सी.आर. चंद्रा द्वारा अपने टीम के साथ तत्काल कार्यवाही करते हुये, दिनांक- 12.05..2024 को एक आरोपी दीपक बाघमारे को एवं फरार आरोपी अमित कुमार बंजारी को दिनांक- 14.05.2024 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। प्रकरण में आरोपी सुमीत घरडे पिता रमेश कुमार घरडे उम्र- 25 सल साकिन भुरवाटोला डोंगरगढ़ घटना दिनांक समय से फरार था जिसका पता तलाश कर पकड़कर घटना में प्रयुक्त मोटर सायकल वाहन क्र0- सीजी 08 यू 6677 को जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर मान0 न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है।

समर कैम्प के माध्यम से बच्चों में छिपी प्रतिभा आ रही सामने : कलेक्टर

राजनांदगांव 30 मई

जिले के शासकीय स्कूलों में समर कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। समर कैम्प के लिए बच्चों में खुशी एवं उत्साह का माहौल है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ग्राम रीवागहन के समर कैम्प में बच्चों को कैरम खेलते देखकर बच्चों के साथ कैरम खेलने बैठ गए। साथ में जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरूचि सिंह और जिला शिक्षा अधिकारी ने भी कैरम खेला। इसके बाद उन्होंने रस्सी कूद कर दिखाया और बच्चों के साथ क्रिकेट एवं बैडमिंटन भी खेला। ग्राम भानपुरी समर कैम्प में जुम्बा डांस और करमा नृत्य में सभी ने बच्चों के साथ डांस किया। कलेक्टर श्री अग्रवाल को अपने बीच देखकर बच्चे प्रसन्न एवं उत्साही दिखे। बच्चों के चेहरों में खुशी झलक रही थी। कलेक्टर श्री अग्रवाल के साथ बच्चों ने अपने विचार साझा किए और समर कैम्प के माध्यम से प्राप्त विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने बच्चों द्वारा समर कैम्प में सिखाई गई रचनात्मक गतिविधियों एवं प्रतिभाओं को प्रदर्शित स्टॉल का भी अवलोकन किया। कलेक्टर श्री अग्रवाल को बच्चों ने बताया कि समर कैम्प में जुम्बा डांस, योगा, प्राणायाम, प्रेरणादायी फिल्म, मेंहदी, गीत, कविता, बेल शरबत बनाना सीखा, चित्रकारी, पेंटिंग, खेल-कूद, कागज से गुलदस्ता, ग्रीन सलाद के डेकोरेशन जैसी विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों को समर कैम्प में सिखाया गया है। बच्चों ने बताया कि सबसे ज्यादा जुम्बा डांस अच्छा लगा। जिससे सभी शारीरिक गतिविधियां हो जाती है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम भानपुरी और रीवागहन में संचालित समर कैम्प का अवलोकन किया। इस अवसर पर सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह उपस्थित थी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बच्चों से कहा कि प्रतिदिन 30 से 40 मिनट शारीरिक एक्टीविटी जरूर करना चाहिए। जिससे शरीर स्वस्थ रहता है एवं पढ़ाई में अच्छे से मन लगेगा और पढ़ाई अच्छी होगी। उन्होंने कहा शारीरिक गतिविधि से नकारात्मक ऊर्जा बाहर निकलती है। इसलिए हमें प्रतिदिन कुछ न कुछ शारीरिक व्यायाम करना चाहिए। जिससे हमारा शरीर हल्का लगता है। उन्होंने कहा कि समर कैम्प के माध्यम से बच्चों में जो प्रतिभा छिपी हुई होती है उसे सामने ला सकते है। ऐसी गतिविधियों से बच्चों के संकोच को दूर किया जा सकता है और बच्चे अपने प्रतिभा को और बेहतर तरीके से सामने ला सकते हैं। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने रीवागहन की एक छात्रा द्वारा कविता का बहुत अच्छे से उसे प्रस्तुतिकरण और आत्मविश्वास के साथ मंच पर बोलने की बहुत प्रशंसा की। इसी तरह ग्राम भानपुरी स्कूल में पढ़ी छात्रा इंद्रानी साहू ने बहुत अच्छे से गीत प्रस्तुत किया। कलेक्टर ने इसकी बहुत सराहना की। उन्होंने कहा कि समर कैम्प के माध्म से बच्चों में संकोच दूर हो रहा है और शिक्षकों के पास अपनी प्रतिभाओं को दिखाकर उसे और अधिक बेहतर कर रहे हैं। समर कैम्प के माध्यम से शिक्षकों और बच्चों की बीच की दूरी कम हो रही है और बच्चे अपनी जिज्ञासाओं और समस्याओं को अच्छे से शिक्षकों के पास रख पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल के बच्चों ने बहुत ही बेहतर तरीके से वेस्ट मटेरियल से बहुत अच्छी सजावट की सामग्री बनाएं हैं। यह बहुत ही अच्छी प्रतिभा है। इसके लिए उन्होंने बच्चों एवं शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि फिजिकल एक्टीविटी बहुत अच्छा किया है। उन्होंने कहा कि न केवल समर कैम्प में इसे बैग लेस डे के दिन भी कर सकते हैं। जिससे बच्चों के अंदर की गतिविधि को बाहर ला पाएंगे। इसके लिए बच्चों के साथ शिक्षकों को भी शामिल होना है। बच्चों में जो बेहतरीन प्रतिभा है उसे बाहर ला पाएंगे। उन्होंने कहा कि बच्चे बोलने में संकोच करते हैं। संकोच होने से बच्चे अच्छा नहीं कर पाएंगे। यह सभी की जिम्मेदारी है कि बच्चों में जो संकोच है उसे दूर करें। जिस दिन संकोच दूर होगा उस दिन बेस्ट प्रदर्शन दे पाएंगे। बच्चों के अंदर अच्छी से अच्छी प्रतिभा है उसे बाहर निकालना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को शिक्षक से भय नहीं होना चाहिए उनमें शिक्षक के प्रति सम्मान होना चाहिए। बच्चों से कुछ नहीं बन रहा है तो हौसला होना चाहिए आत्मविश्वास होना चाहिए कि शिक्षक के पास जाने से मुझे बहुत अच्छे से समझाएंगे और बताएंगे। शिक्षक और बच्चे के बीच जो रिश्ता होता है वह दोस्त, बड़ी दीदी, बड़े भाई, माता-पिता की तरह हो सकता है। गुरू के अतिरिक्त भी बहुत सारी बाते सामने लाना है। उन्होंने बच्चों से कहा कि बड़े सपने देखें और उसे साकार करने के लिए आगे बढ़े। बच्चों के साथ लगातार रहेंगे तो परिणाम बहुत अच्छा आएगा। इससे बच्चे की शारीरिक-मानसिक स्थिति बहुत अच्छा रहेगी।

सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरूचि सिंह ने कहा कि समर कैम्प बहुत अच्छा आयोजन है। ये पहले निजी विद्यालयों में कई वर्षों से होते आ रहा है।

फ्लाई ओव्हर के नीचे पोस्ट आफिस चौक से भगत सिंह चौक तक अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई चली

राजनांदगांव 30 मई

जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ सुथरा कर व्यवस्थित रखने एवं सु-व्यवस्थित पार्किंग के लिये नगर निगम तथा यातायात की टीम सुनियोजित अभियान चला रही है, अभियान के तहत गत सोमवार को फ्लाई ओव्हर के नीचे गुरूद्वारा चौक से महावीर चौक तक अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की गयी और आज पोस्ट आफिस चौक से भगत सिंह चौक तक 26 ठेला व गुमटी हटाया गया तथा खडे वाहन हटाने वाहन मालिकों को समझाईस दी गयी। उल्लेखनीय है कि जी.ई.रोड फ्लाई ओव्हर के नीचे पूर्व वर्षो में नगर निगम द्वारा साफ सुथरा कर सौदर्यीकरण किया गया था तथा शहर आने वाले लोगों व शहर के अंदर मार्केटिंग हेतु आने जाने वाले लोगों के लिये सुगम पार्किंग करने प्रक्रिया की गयी थी, किन्तु बेतरतीब खडे वाहनो तथा अव्यवस्थित रखे ठेला खोमचा के कारण फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ सफाई नहीं हो पाई और वहा गंदगी व्याप्त हो गयी। शहर के जी.ई.रोड में फ्लाई ओव्हर निर्मित होने के कारण अन्य शहरों व प्रदेश से लोगों का आना जाना लगा रहता है, लेकिन गंदगी होने व बेतरतीब वाहन ठेला रखे रहने से गंदगी के कारण शहर के प्रति अच्छी धारणा नहीं बन रही थी, साथ ही शहर में यातायात का बदाव भी बढ़ रहा है, उक्त बातों को ध्यान में रखते हुये जिलाधीश श्री संजय अग्रवाल के निर्देश पर निगम आयुक्त श्री अभिषेक गुप्ता ने निगम में गठित अतिक्रमण तोडू दस्ता को यातायात विभाग के साथ मिलकर फ्लाई ओव्हर के नीचे अतिक्रमण मुक्त करने अभियान चलाने कहा गया।

जिलाधीश एवं आयुक्त के निर्देश पर निगम एवं यातायात का अमला फ्लाई ओव्हर के नीचे अतिक्रमण मुक्त करने अभियान शुरू किया और सोमवार को गुरूद्वारा चौक से महावीर चौक तक ठेला खोमचा हटाया गया और कुछ वाहन हटाकर वाहन मालिकों को अपने वाहन हटाने समझाईस दी गयी। इसी कडी में आज निगम व यातायात की टीम पोस्ट आफिस चौक से भगत सिंह चौक तक अभियन चलाकर 26 ठेला व गुमटी हटाये, जिनमें से 21 ठेला स्वयं के द्वारा हटाया गया 5 ठेला जप्ती की गयी। साथ ही वाहन हटाये गये तथा वाहन मालिकों से अपने वाहन हटाने समझाई दी गयी। इसके अलावा भगत सिंह चौक में पोल गढ़ाया गया। आज की कार्यवाही के संबंध में निगम आयुक्त श्री गुप्ता ने बताया कि शहर के यातायात के दबाव को कम करने पार्किंग का निर्माण करने तथा साफ सुथरा व व्यवस्थित रखने फ्लाई ओव्हर के नीचे अतिक्रमण मुक्त किया जा रहा है। निगम एवं यातायात की टीम द्वारा सुनियोजित अभियान चलाकर गुरूद्वारा चौक से महावीर चौक तक तथा पोस्ट आफिस चौक से भगत सिंह चौक तक ठेला खोमचा हटाकर अतिक्रमण मुक्त किया गया, शेष क्षेत्रों से भी अतिक्रमण हटाया जावेगा, ताकि फ्लाई ओव्हर के नीचे साफ सुथरा व व्यवस्थित हो सके।

राजस्व शिविरों के आयोजन से आम जनता हो रही लाभान्वित

राजनांदगांव 30 मई। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल के निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्रों में राजस्व शिविर लगाकर राजस्व प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है। कलेक्टर श्री अग्रवाल ने राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा है कि सभी तहसीलों में राजस्व शिविर का आयोजन होना चाहिए। जनसामान्य को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में दिक्कत नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे किसान जो खाता विभाजन करना चाहते हैं, उनकी सहमति से खाता विभाजन करा दें, ताकि उन्हें खेती-किसानी के कार्यों में तकनीकी समस्या नहीं आयें। परिवार के मुखिया की मृत्यु के बाद फौती नामांतरण प्राथमिकता से करायें। बाद में आपसी सहमति से खाता विभाजन करा सकते हैं। उन्होंने कहा कि नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन के प्रकरणों का यथाशीघ्र निराकरण करें। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को राजस्व प्रकरणों के निराकरण में गति लाने के निर्देश दिए हैं। उल्लेखनीय जिले में आयोजित कुल 210 राजस्व शिविरों में 842 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 774 आवेदन निराकृत किया गया है। राजस्व शिविरों में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र सहित अन्य प्रकरणों का प्राथमिकता से निराकरण किया जा रहा है।

किसानों को समय पर मिले गुणवत्तापूर्ण खाद एवं बीज : कलेक्टर

राजनांदगांव 30 मई

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट के कलेक्टर कक्ष में खाद-बीज वितरण के संबंध में उप संचालक कृषि, उपायुक्त सहकारिता, प्रबंधक बीज निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों की संयुक्त समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि जिले में खाद-बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। उन्होंने खेती किसानी कार्य को देखते हुए खाद -बीज के अग्रिम उठाव के लिए वितरण के कार्य में गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिले के प्रत्येक किसान तक खाद-बीज उपलब्ध हो, यह सुनिश्चित करें। किसानों के साथ किसी तरह का धोखा नहीं होना चाहिए। समय पर गुणवत्तापूर्ण खाद-बीज उपलब्ध हो जाना चाहिए। इसके लिए खाद एवं बीज की गुणवत्ता का परीक्षण करते रहें। उन्होंने कहा कि किसानों को धान के बदले अन्य फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें और इसके लिए समन्वित तरीके से सक्रियतापूर्वक कार्य करें। किसानों के हित में तथा उनके आय में बढ़ोत्तरी हो इसके लिए सभी अपने अनुभवों के आधार पर योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें। वैज्ञानिक तरीके से खेती-किसानी तथा फसलों से संबंधित समस्या एवं उनका समाधान, फसलों की वेरायटी की पूरी जानकारी होनी चाहिए। किसानों की आय बढ़ाने के लिए संभावनाओं की तलाश करें। समूह में कृषि करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें। पपीता केला एवं अन्य फल तथा चना एवं मिर्च जैसी फसलें कलस्टर में लगाने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक रूप से कृषि करने पर किसानों को फायदा मिलेगा। 40 से 50 एकड़ में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी को लक्ष्य देते हुए सामूहिक खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि इसके अच्छे परिणाम मिलेंगे और लागत कम आएगी। छोटे किसानों को मिलेट्स, दलहन, तिलहन जैसी फसल लगाने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि हमारे देश के किसानों को एक्सपोर्ट आरिएंटेड किसान बनाने की जरूरत है। बहुत सी फसलें ऐसी हैं जो धान से ज्यादा लाभकारी है। बैठक में बताया गया कि जिले में खरीफ 2024 अंतर्गत 32355 मीट्रिक टन रासायनिक खाद भण्डारण किया गया है, जो कुल भंडारण का लगभग 73 प्रतिशत है। जिसमें से 21168 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का वितरण किसानों को किया जा चुका है तथा 11187 मीट्रिक टन रासायनिक खाद शेष है। जिसमें यूरिया 13599.2 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 4385.8 मीट्रिक टन, डीएपी 7620.3 मीट्रिक टन, एनपीके 4228.8 मीट्रिक टन, पोटाश 2521.4 मीट्रिक टन रासायनिक खाद का भण्डारण किया गया है। किसानों को यूरिया 9312.7 मीट्रिक टन, सुपर फास्फेट 2554 मीट्रिक टन, डीएपी 5773 मीट्रिक टन, एनपीके 2095.7 मीट्रिक टन।

कलेक्टर ने प्रावीण्य सूची में आने वाले विद्यार्थियों का किया सम्मान

राजनांदगांव 30 मई

सम्मान समारोह
हाईस्कूल/हायर सेकण्डरी परीक्षा
2024

कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने आज डॉ. बल्देव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक शाला बसंतपुर राजनांदगांव में छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित कक्षा 10वीं एवं 12वीं परीक्षा में जिला एवं राज्य स्तरीय प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त वाले जिले के शासकीय एवं निजी विद्यालय के विद्यार्थियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में कक्षा 10वीं में राज्य की प्रावीण्य सूची में छठवां एवं जिले में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली वंशिका साहू सहित कक्षा 10वीं के 25 विद्यार्थियों एवं कक्षा 12वीं के 14 विद्यार्थियों कुल 39 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह एवं ज्ञानवर्धक पुस्तक, प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों एवं शिक्षकीय स्टॉफ को भी आमंत्रित किया गया। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। कलेक्टर ने बच्चों के भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया।

उन्होंने बच्चों को आपस में सामूहिक रूप से पढ़ाई कर ज्ञानार्जन करने, चर्चा करने, विषय की बारीकियां समझने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि बच्चों ने अपने पालकों का नाम रौशन किया है, यह पल सभी के लिए गौरवपूर्ण है। उन्होंने कहा कि शिक्षक बच्चों की प्रतिभा को समझें और उनकी प्रतिभा को निखारने में तथा अच्छे समाज का निर्माण करने में अपनी सहभागिता प्रदान करें। जिला शिक्षा अधिकारी श्री अभय जायसवाल ने सभी बच्चों, पालकों और शिक्षकों को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी इसी प्रकार अध्ययन-अध्यापन का क्रम गतिमान रहना चाहिए। कार्यक्रम में मेरिट सूची में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी पुरस्कार प्राप्त कर प्रसन्न दिखे। इस दौरान विद्यार्थियों एवं पालकों ने अपनी सफलता के अनुभव भी साझा किए। कार्यक्रम में सहायक संचालक शिक्षा श्री आदित्य खरे, सहायक संचालक श्रीमती आर संगीता राव सहित विद्यार्थी, परिजन, शिक्षक एवं शिक्षा विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

सकल जैन श्री संघ ने ज्ञापन सौंपा

राजनांदगांव,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)। अहिंसा को मानने वाले जैन साध्वी जी के साथ मारपीट एवं बदतमीजी का मामला प्रकाश में आया है। गुजरात के भरूच देरोल मार्ग पर 27 मई 2024 सोमवार को प्रातः साध्वी श्री मंगल वर्धना श्री जी महाराज साहब आदि ठाना 6 भरूच से देरोल के लिए विहार कर रहे थे । देरोल पहुंचने के कुछ देर पहले एक शख्स आया और सभी साध्वी जी के साथ धक्का मुक्ति करने लगा ,बड़ी साध्वी जी को गिरा दिया और बेल्ट से मारना चालू कर दिया ,साथ ही साथ अन्य बाकी सभी साध्वी जी की बेल्ट से पिटाई करने लगा। रास्ते में जो भी उन्हें छुड़ाने आते उनको भी वह शख्स मार कर भगा देता ,इस तरह की घटना देखकर लोग वहां इकट्ठा होने लगे तो वह बदमाश भाग गया, लोगों ने पीछा करके उसको पकड़ा और पुलिस के सुपुर्द किया। उक्त घटना की सकल जैन समाज की कड़ी निंदा करता है। जैन समाज की धरोहर अहिंसा को मानने वाले धर्म का प्रचार व सदुपदेश देने वाले साधु साध्वियो पर इस तरह की हिंसक घटना होना सकल जैन समाज के लिए चिंता का विषय है।बार-बार ऐसी घटनाएं समाज के लिए झकझोड़ देने वाली है। इस संदर्भ में सकल जैन श्री संघ द्वारा ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति जी ,प्रधानमंत्री जी, गृहमंत्री जी।

राहगीरों को डराने वाला बंदी

राजनांदगांव,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)। श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में थाना क्षेत्र में फरार आरोपी, स्थायी वारंटी एवं अवैध शराब, जुआ सट्टा के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देशन पर थाना प्रभारी थाना बसंतपुर निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन द्वारा टीम गठित कर लगातार थाना क्षेत्र में भ्रमण किया जा रहा है । भ्रमण के दौरान मुखबीर के सूचना के आधार पर आज दिनांक 29-05-2024 को आरोपी दुर्गेश मरकाम पिता मनोहर मरकाम उम्र 35 साल निवासी महामाया चौक, बसंतपुर, जिला राजनांदगांव (छ0ग0)) का रहने वाला मोहारा बाईपास ओवरब्रिज के नीचे रोड राजनांदगांव में अवैध रूप से लोहे का धारदार बटन चाकु को रखकर राह चलते राहगीरों को चाकु दिखाकर डराते धमकाते दिखा अतएव उसके विरूद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25,27 के तहत अपराध क्रमांक 249/2024 कायम कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया 1 उक्त कार्यवाही में निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन, उप निरीक्षक राजेश पटेल, आर0 1312 प्रवीण मेश्राम की भूमिका सराहनीय रही।

राहगीरों को चाकू दिखाकर धमकाने वाला बंदी

राजनांदगांव,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)। मोहित गर्ग के निर्देशन एवं अति0 पुलिस अधीक्षक महोदय श्री राहुल देव शर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक श्री पुष्पेन्द्र नायक के मार्गदर्शन में थाना क्षेत्र में फरार आरोपी, स्थायी वारंटी एवं अवैध शराब, जुआ सट्टा के विरूद्ध कार्यवाही के निर्देशन पर थाना प्रभारी थाना बसंतपुर निरीक्षक सत्यनारायण देवांगन द्वारा टीम गठित कर लगातार थाना क्षेत्र में भ्रमण किया जा रहा है । भ्रमण के दौरान मुखबीर के सूचना के आधार पर आज दिनांक 29-05-2024 को आरोपी उत्तम कुमार पारेख पिता स्व0 देवेन्द्र कुमार निवासी वार्ड क्रमांक 36 लखोली, संजय नगर, कोतवाली जिला राजनांदगांव (छ0ग0) का रहने वाला मोहारा शराब भटटी के पास अवैध रूप से धारदार चाकु नुमा औजार को रखकर राह चलते राहगीरों को चाकु दिखाकर डराते धमकाते दिखा अतएव उसके विरूद्ध आर्म्स एक्ट की धारा 25,27 के तहत अपराध क्रमांक 248/2024 कायम कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर उपमुख्यमंत्री से मिली जिला विकास संघर्ष समिति

मोहला,30 मई (तरुण छत्तीसगढ़)। जिले में पुराने लंबित मामले और जमीन दलालों के ख़िलाफ़ जिला विकास संघर्ष समिति की टीम अपनी 14 सूत्रीय मांगो को लेकर पहुंचे उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा से मुलाकात की ,संघर्ष समिति ने कहा कि जिला कार्यालय मोहला में ही बने व जिले में चल रहे फर्जी जमीन लेन देन पर कड़ी कार्यवाही व रोक साथ ही अधूरे बांध का हो निर्माण ।

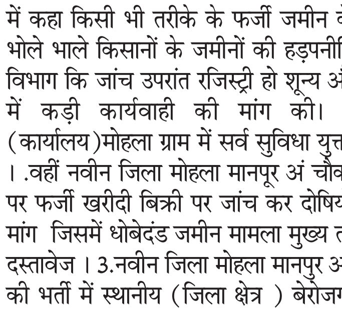

विजय शर्मा ने दी कड़ी प्रतिक्रिया-सूबे के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने रमेश हिडामे जिला भाजपा उपाध्यक्ष व जिला विकास संघर्ष टीम कि गर्मजोशी से किया स्वागत और मांगों को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर मोहला एस जयवर्धने को फोन के माध्यम से जिले में चल रहे फर्जी जमीन लेन देन के मामले में तल्ख लहज़े में कहा किसी भी तरीके के फर्जी जमीन के नोटरी पर हो रोक व क्षेत्र के भोले भाले किसानों के जमीनों की हड़पनीति पर संलिप्त दलालों व राजस्व विभाग कि जांच उपरांत रजिस्ट्री हो शून्य और जल्द हो फर्जी जमीन मामले में कड़ी कार्यवाही की मांग की। 1.नवीन जिला मुख्यालय (कार्यालय)मोहला ग्राम में सर्व सुविधा युक्त स्थल पर बनाये जाने की मांग । .वहीं नवीन जिला मोहला मानपूर अं चौकी में हो रहे भोले भाले किसानों पर फर्जी खरीदी बिक्री पर जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्यवाही कराने की मांग जिसमें धोबेदंड जमीन मामला मुख्य तौर पर साक्ष्य के साथ सौंपा गया दस्तावेज । 3.नवीन जिला मोहला मानपुर अं. चौकी में तृतीय व चतुर्थ श्रेणी की भर्ती में स्थानीय (जिला क्षेत्र) बेरोजगारों को ही लिये जाने की मांग। 4. 1972-73 से अधूरा सिचांइई बांधों की निर्माण कराने की मांग (मरकाटोला,मिस्त्री, करहीपूर, भूरसाटोला, ईरागोंव ,नवागांव, कुदुरघोड़ा, और जाड़ेटोला केबीच बांध , पीपरखार (मानपुर) झरण (सरोली), पांडरवानी (एकटकन्हार) । 5.राजा तालाब मोहला नं. 1 न. 2 का सीमाकंन कर गहरीकरण सौन्दर्यकरण कराये जाने की मांग सूत्रों के अनुसार पूर्व में 75 एकड़ में था राजा तालाब जो आज सिमट कर महज कुछ एकड़ में रह गया है। 6.नवीन जिला क्षेत्र के राजस्व अभिलेख में छोटे झाड़ / घास में से छोटे झाड शब्द विलोपित किये जाने की मांग ।7.सिलिगं जमीन को वापस लेकर नवीन जिला का विकास कराने की मांग ।8.नवीन जिला मोहला मानपुर अं.चौकी को बस्तर संभाग में जोडने की मांग9.सामुदायिक वन /संसाधन अधिकार को प्रशासनिक अभियान चलाकर ग्रामसभा को अधिकार दिलाने की मांग ।10.ग्राम मोहला के खसरा नं. 192 /5 , 193 /1, 136 विलोपित को जांच कर खसरा को अभिलेख में दर्ज कराने की मांग ।11.जिला सहकारी बैंक कौड़ीकसा चिल्हाटी, खड्गांव ,भर्रीटोला ,गोटाटेला और औधीं में खोलने की मांग ।12.कृषि उपज मंडी कृषि उद्यानिकी महाविद्यालय खोलने की %मांग । 13.मोहला में पॉलिटेक्निक कॉलेज डीएड बीएड कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज कि मांग।14.युवाओं के लिए मोहला में स्थित शासकीय जिम हेतु नवीन भवन व जिम सामग्री उपलब्ध की मांग । सूत्रों के अनुसार उप मुख्यमंत्री के कड़े निर्देश के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है वहीं मीटिंग का सिलसिला हुआ जारी ,जल्द ही हो सकती है जिला विकास संघर्ष समिति की बैठक जिला प्रशासन के साथ।

संपादकीय

गलती का खामियाजा तो सबको भुगतना पड़ता है...

सातवें आसमान पर पारा, रिकार्ड गर्मी, पारा पहुंचा 47 पार,प्रदेश में भीषण गर्मी,गर्मी ने दिखाया रौद्र रूप, आसमान से आग बरस रही है। यह ऐसे वाक्य हैं, जो आजकल पढ़ने व सुनने को मिलते हैं। इन दिनों गर्मी वाकई बहुत बढ़ गई है क्या। कुछ लोग कह सकते हैं कि हां भई, हां गर्मी वाकई बहुत बढ़ गई है। पुरानी पीढ़ी के अनुभवी लोग कह सकते हैं,गर्मी तो उतनी ही पड़ रही है जितनी हमेशा पड़ती है। मई जून में पारा हर साल 45 से ऊपर तो जाता ही है, इसमें नई बात क्या है,परेशान होने वाली बात क्या है। पुरानी पीढ़ी के लोग कह सकते हैं कि नई पीढ़ी को इन दिनों होने वाली गर्मी का एहसास ज्यादा होता है क्योंकि पंखा,कूलर व एसी की आदी पीढ़ी को पारा 40 से ऊपर जाते ही गर्मी कुछ ज्यादा ही लगने लगती है। वह गर्मी सहन करने के आदी नही हैं। उनकी गर्मी सहने की क्षमता पुरानी पीढ़ी की तुलना में कम हो गई है। गर्मी ज्यादा लगने की एक वजह तो आदमी की गर्मी सहन करने की क्षमता का कम हो जाना है। दूसरी वजह यह है कि सुख सुविधा में जीने के लिए लोगों ने सोचा नहीं कि इसकी वजह से आने वाला पीढ़ियों का क्या परेशानी हो सकती है। जैसे हर कोई पक्का मकान चाहता है लेकिन वह यह सोच नहीं पाता है कि पूरा शहर ही क्रंक्रीट का जंगल हो जाएगा तो उसमें रहना कितना मुश्किल होगा। पूरे शहर में पक्के मकानों के कारण शहर का तापमान बढ़ता है यह हम सोच नहीं पाते हैं, पक्के मकान धूप में देर से गर्म होते है तो उससे घर के आसपास की हवा भी गरम होती है, पक्का मकान देर तक गर्म रहता है। ऐसे मकान में बिना कूलर, पंखा व एसी के रहना मुश्किल होता है। घर से बाहर निकलो तो शहर की सडकें तो चौड़ी हो गई है, डामरवाली हो गई है लेकिन सड़क किनारे अब दूर तक पेड़ नही दिखाई देते है। चौड़ी सड़कों के कारण शहर के भीतर जो सैकड़ा व हजारों पेड़ थे, वे काट दिए गए। इससे चौड़ी सड़क पर दूर तक छांव नहीं मिलती है। सड़क किनारे पेड़ पौधे न होने से सड़क भी धूप में गर्म होती है और उससे शहर की हवा भी गर्म होती है। यानी लोग अपने घर से बाहर निकलते है तो तेज धूप, गर्म हवा का सामना करना पड़ता है। जो लोग एसी वाली कार मे सड़कों पर निकलते हैं, उनको भले ही गर्मी का एहसास न हो लेकिन दोपहिया पर चलने वाले को होता है, चाहे कार वाला हो या बाइक वाला वह जब सड़क पर चलता है तो शायद ही यह सोचता है कि इस गर्म शहर में गर्म हवा के लिए वह खुद भी दोषी है। किसी भी शहर में हजारों पक्के मकान हों, हजारों किमी पक्की चौड़ी सड़कें हो, लाखों वाहन हो तो वह शहर गर्म तो रहेगा ही क्योंकि चाहे पक्का मकान हो,पक्की सड़क हो या कोई भी वाहन हो वह तो शहर की हवा को गर्म करता ही है। एक तो हमारी गर्मी सहने की क्षमता कम हो गई और उस पर शहर की हवा गर्म होती जा रही है। परेशानी तो होगी है, गलती का खामियाजा तो सबको भुगतना पड़ेगा ही। जैस हमारे शरीर का तापमान संतुलित करने का एक कुलिंग सिस्टम होता है। इससे गर्मी में शरीह पसीना निकलने के कारण ठंड़ा रहता है। यह कुलिंग सिस्टम बिगड़ जाता है तो आदमी को लू लग जाती है। हम सोच नहीं पाते हैं कि शहर में अब ज्यादा गर्मी लग रही है तो इसका एक कारण यह भी तो हो ससता है कि हमने शहर के कुलिंग सिंस्टम तो बनाए रखने कोई सामूहिक प्रयास नहीं किया। हमारा शहर है तो इस शहर को कुलिंग सिस्टम को बचाए व बनाए रखाना हमारी जिम्मेदारी है। हमने यह जिम्मेदारी नहीं निभाई। हमें पक्के मकान, पक्की सड़कें, महंगे वाहन तो मिल गए हैं लेकिन इससे हमारे शहर का कुलिंग सिस्टम ही बिगड़ गया है। कौन नहीं जानता है कि शहर के तापमान को कम करने का काम पेड़ पौधे करते हैं। पेड़े पौधे ही किसी शहर का कुलिंग सिस्टम होते हैं। जहां यह बड़ी संख्या में होते है, ताममान को कम करने का काम करते हैं जहां यह नहीं होते हैं, वहां तापमान ज्यादा रहता है। कांक्रीट के जंगल में भयंकर गर्मी कहीं न कहीं हमारी गलती के कारण है इसलिए हमको हमारी गलती का खामियाजा तो भयंकर गर्मी के बीच रहकर भुगतना ही पड़ेगा।

गंभीर मुद्दा

सुनील कुमार महला

आइए ! जल को सहेजें

प्राकृतिक संसाधनों का निरंतर ह्रास, बढ़ती आबादी, बढ़ते पर्यावरणीय प्रदूषण, औद्योगिक विकास, बढ़ते कंक्रीट के जंगलों, वनों के लगातार ह्रास और पर्यावरण के प्रति जन-जागरूकता की कमी के कारण धरती पर गर्मी लगातार बढ़ रही है। जानकारी देना चाहूंगा कि राजस्थान के फलौदी का तापमान हाल ही में पचास डिग्री सेल्सियस हो गया। नौतपा के पहले दिन ही इतना तापमान रिकार्ड किया गया। हालांकि नौतपा भी इस धरती के प्राणियों के लिए बहुत जरूरी है। क्यों कि नौतपा के बारे में लोकसंस्कृतिविद दीपसिंह भाटी बताते हैं कि 'लू' तो बेहद जरूरी है। मैं प्रश्न करता हूँ, 'क्यों' तो वे जवाब देते हैं- 'दो मूसा, दो कातरा, दो तीड़ी, दो ताय। दो की बादी जळ हरै, दो विश्वर दो वाव।' इसका मतलब यह है कि नौतपा के पहले दो दिन लू न चली तो चूहे बहुत हो जाएंगे। अगले दो दिन न चली तो कातरा (फसल को नुकसान पहुंचाने वाला कीट)। तीसरे दिन से दो दिन सून चली तो टिड्डियों के अंडे नष्ट नहीं होंगे। चौथे दिन से दो दिन नहीं तपा तो बुखार लाने वाले जीवाणु नहीं मरेंगे। इसके बाद दो दिन लू न चली तो विश्वर यानी सांप-बिच्छू नियंत्रण से बाहर हो जाएंगे। आखिरी दो दिन भी नहीं चली तो आंधियां अधिक चलेंगी। फसलें चौपट कर देंगी।' लेकिन नौतपा भी एक हद तक ठीक है। आज जिस तरह से धरती का तापमान लगातार बढ़ रहा है, वह धरती के सभी प्राणियों के लिए बहुत ही चिंताजनक है। चिंताजनक इसलिए कि आज हम विभिन्न पर्यावरणीय संसाधनों का लगातार दोहन करते चले जा रहे हैं और धरती पर लगातार पानी की कमी भी महसूस की जा रही है। राजस्थान के अनेक इलाकों में आज पानी जमीन में बहुत नीचे चला गया है। जगह-जगह ट्यूब वैल खोदे जा रहे हैं, उतनी संख्या में पेड़ों को लगाया नहीं जा रहा, जितनी संख्या में उनको विकास का बहाना बनाकर काट डाला जाता है। आज हम न तो धरती के पर्यावरण को बचाने की ओर ही पर्याप्त ध्यान दें रहे हैं और न ही धरती के विभिन्न संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग ही कर रहे हैं। लेकिन इसी बीच कभी कभी ऐसी अच्छी व मन को सुकून देने वाली खबरें आतीं हैं जो यकायक ही हमारा ध्यान पर्यावरण संरक्षण की ओर आकर्षित करती हैं। हाल ही में, ऐसी ही सुकून देने वाली एक खबर राजस्थान के सीकर जिले से एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से आई है। खबर में बताया गया है कि 'राजस्थान के सीकर जिले के हर्ष गांव में बारिश के पानी को सहेजने के चलते आमजन को पेयजल के लिए परेशान नहीं होना पड़ रहा है। इसका परिणाम यह आया कि अब गांव के सूखे हैंडपंपों और कुंए में भी पानी आने लगा है।' दरअसल सीकर जिले के एक गांव हर्ष में पानी जमीन में काफी नीचे चला गया था लेकिन यहां के युवाओं की पहल से गांव में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तैयार किए और उनका परिणाम यह हुआ कि गांव का भूमिगत जल स्तर 200 फीट पर आ गया। खबर में बताया गया है कि अन्य गांवों व सीकर शहर में भूमिगत जल का स्तर 500 से 600 फीट से भी अधिक है। यह भी जानकारी मिलती है कि पिछले सात साल में गांव का भूमिगत जलस्तर 10 फीट से अधिक ऊपर आ गया है। आज गांव में

घरों के छत के पानी को सहेजने के लिए वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाए गए हैं। इसके जरिए टांकों में पेजयल की व्यवस्था की गई है। यहां तक कि गांव के सरकारी स्कूल, सार्वजनिक स्थानों पर वॉटर रिचार्ज प्वाइंट बनाए गए हैं। खबर में लिखा गया है कि 'हर्ष गांव के लोग हर्ष पहाड़ से बहकर आने वाले बारिश के पानी को भी खेतों में मेड़बंदी कर रोकते हैं।' युवाओं ने अपनी पहल से सूखे हैडपंप व ट्यूबवैल को रिचार्ज प्वाइंट में तब्दील किया है और इसका सुखद व सकारात्मक परिणाम सामने आया है। पिछले कुछ वर्षों से बढती जनसंख्या, औद्योगिकीकरण में लगातार वृद्धि तथा कृषि में विस्तार होने से, विकास आदि के कारण आज के समय में जल की मांग बढती चली जा रही है । अतएव, जल संरक्षण आज की आवश्यकता बन गई है। हमें जल संरक्षण तकनीकों पर आज पर्याप्त ध्यान देने की जरूरत है, क्यों कि पानी एक अपरिहार्य संसाधन है। जल संरक्षण के तरीकों में हम ग्रेवाटर रिसाइक्लिंग सिस्टम, वर्षा जल संचयन, कुशल सिंचाई प्रौद्योगिकी, पानी की मात्रा को रिकार्ड करने हेतु जल मीटर, कुशल शौचालयों का उपयोग आदि को शामिल कर सकते हैं। हम पारंपरिक जल संरक्षण तकनीकों का सहारा भी ले सकते हैं और बहुत सा जल बचा सकते हैं। पारंपरिक जल तकनीकों में हम क्रमशः टांका, बावड़ी, कुंड, जोहड़, चंदेल टैंक, बुंदेला टैंक, पाटा,झालरा इत्यादि तरीके अपना सकते हैं।

प्रौद्योगिकी की शक्ति का अधिकतम उपयोग करके, हमारे देश के छोटे व बड़े शहर जल संरक्षण की दिशा में बड़े कदम उठा सकते हैं, जिससे भविष्य की पीढ़ियों के लिए इस बहुमूल्य संसाधन की स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद मिल सकती है। हमें यह बात कदापि नहीं भूलनी चाहिए कि पृथ्वी का 97.5% पानी खारा है; शेष 2.5% मीठे पानी में से, केवल 0.5% ही मानव उपयोग के लिए आसानी से उपलब्ध है। पानी धरती पर उपलब्ध एक बहुत ही अनमोल संसाधन है और आज विश्व में लगातार जलवायु परिवर्तन की स्थितियों के मद्देनजर जल का संरक्षण बहुत ही जरूरी हो गया है अन्यथा आनी वाली पीढ़ियों के लिए एक बहुत बड़ी मुसीबत खड़ी हो सकती है।विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार , दुनिया भर में 2.3 बिलियन लोगों को सुरक्षित पेयजल उपलब्ध नहीं है। पानी की कमी के गंभीर प्रभाव मेट्रो और दिल्ली जैसे बड़े शहरों में देखे जा सकते हैं, जहाँ लगभग कोई ताजा भूजल उपलब्ध नहीं है। कहना ग़लत नहीं होगा कि जल संरक्षण एक धरती के सभी जीवों व पेड़ पौधों के भविष्य के लिए बहुत ही अनिवार्य तत्व है। जल जहां एक ओर हमारे पर्यावरण की रक्षा करता है, आर्थिक स्थिरता सुनिश्चित करता है, वहीं दूसरी ओर यह सार्वजनिक स्वास्थ्य को भी बढ़ावा देता है। इतना ही नहीं यह जलवायु परिवर्तन समाधान में भी अपना अभूतपूर्व योगदान देता है। हमें तालाबों, बावड़ियों, जोहड़ो, मिट्टी के बांधों, विभिन्न जल स्त्रोतों के रख-रखाव और उनकी गाद निकालने तथा उनकी दीर्घायु सुनिश्चित करने में सक्रिय रूप से भाग लेना चाहिए। बांधों के माध्यम से भी जल संचयन किया जा सकता है। ड्रिप सिंचाई जल संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां यह कहना अतिशयोक्तिपूर्ण नहीं होगा कि भारत एक गंभीर जल संकट के कगार पर है। मौजूदा जल संसाधन संकट में हैं, और हमारे देश की नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, जल संचयन तंत्र बिगड़ रहे हैं और भूजल स्तर लगातार घट रहा है। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है कि वर्ष 2030 तक भारत में जल की मांग, उसकी पूर्ति से लगभग दोगुनी हो जाएगी?। जानकारी देना चाहूंगा कि देश में वर्ष 1994 में पानी की उपलब्धता प्रति व्यक्ति 6000 घनमीटर थी, जो वर्ष 2000 में 2300 घनमीटर रह गई तथा वर्ष 2025 तक इसके और घटकर 1600 घनमीटर रह जाने का अनुमान है। यूनेस्को की एक रिपोर्ट में सामने आया था कि भारत दुनिया में भूमिगत जल का सर्वाधिक प्रयोग करने वाला देश है। अंत में यही कहूंगा कि जल प्रबंधन प्रकृति और मौजूदा जैव विविधता के चक्र को बनाए रखने में मदद करता है। यह स्वच्छता में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें अपशिष्ट जल का उपचार करना चाहिए। जल को अनावश्यक बहने से रोकना चाहिए। प्राकृतिक जल निकायों की देखभाल करनी चाहिए। हमें न केवल अपने लिये इसकी(जल) रक्षा करनी है बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के लिये भी इसे बचा कर रखना है। वर्तमान समय में जब भारत के साथ-साथ संपूर्ण विश्व जल संकट का सामना कर रहा है तो यह बहुत ही आवश्यक व जरूरी हो जाता है कि इस ओर हम बहुत ही गंभीरता से ध्यान दें। जानकारी देना चाहूंगा कि आज भारत में जल प्रबंधन अथवा संरक्षण संबंधी अनेक नीतियाँ मौजूद हैं, परंतु समस्या उन नीतियों के कार्यान्वयन के स्तर पर है। हमें इन सब पर अवश्य ही ध्यान देना होगा।

आज का राशिफल

मेष राशि : आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी गुम हुई पुरानी वस्तु आज वापस मिल जाएगी। इस राशि वाले लोगों को अपने जीवनसाथी से आज गिफ्ट मिल सकता है। जिससे आप दोनों के रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज दूसरों की बात भी अच्छे से समझने की कोशिश करें। इससे आपको लाभ मिलेगा। आप किसी जरूरतमंद की मदद भी कर सकते हैं। सामने आयी समस्याओं को सुलझाने में आप सफल साबित होंगे। आज कानूनी मामलों में आपको जीत मिलेगी। लवमेट के लिए आज का दिन उत्तम नजर आ रहा है।

वृष राशि : आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज किसी बड़े मामलों पर समझौता करने और सहयोग करने के लिए आप तैयार रहें। रुके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे। इस राशि के लोग आज अपने जीवनसाथी को लेकर कहीं धार्मिक स्थल पर जा सकते हैं। नवविवाहित लोगो के लिए आज का दिन बहुत ही अच्छा है। आज कई महत्वपूर्ण कामों में बदलाव भी होंगे। इस स्थिति में किस्मत आपका साथ देगी। निवेश करने से पहले अपने बड़ों की राय जरूर लें।

मिथुन राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज प्रोजेक्ट में आपको जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा, जो आगे सफलता के लिए मददगार साबित भी होगा। ऑफिस के कामों में दूसरों की राय लेने से बचें, बेहतर यही होगा की खुद पर विश्वास रखें। आपकी मेहनत आज आपके जीवन में सफलता के रंग भर देंगे। आज पारिवारिक रिश्ते में मधुरता बढ़ेगी। आज के दिन आपको अलग-अलग रास्तों से फायदा मिलने की उम्मीद है।

कर्क राशि : आज के दिन आपको धन लाभ होगा। आज पैसों के लेन-देन के मामले में किसी भी तरह का निर्णय लेने से पहले बड़ों की सलाह जरुर लें। अपने ध्यान को केन्द्रित कर काम को पूरा करने की कोशिश करें। इस राशि के स्टूडेंट्स किसी तरह का परीक्षा फॉर्म भी भर सकते हैं या इन्टरव्यू में जा सकते हैं। आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी। आज वाहन चलाते समय सावधानी बरतें। व्यापार में आज रोज की अपेक्षा ज्यादा मुनाफा होगा।

सिंह राशि : आज आपका दिन आपके अनुकूल रहेगा। आपका रुझान रचनात्मक कार्यों की तरफ ज्यादा रहेगा। नया वाहन खरीदनें के लिए आज का दिन शुभ है। साथ ही घर की साज-सजावट के लिए घरेलू उपकरणों से जुड़ी खरीदारी करने के लिए भी आज का दिन शुभ है। लवमेट के लिए आज का दिन शानदार है साथ में कही घूमने का प्लान बना सकते है। आज सोच-समझकर ही दूसरों की मदद करें। आज आपका स्वास्थ्य पहले से काफी अच्छा रहेगा।

कन्या राशि : आज का दिन लकी है। आज के दिन की शुरुआत खुशहाल रहने वाली है। जो लोग मिट्टी के व्यवसाय से जुड़े है उनके लिए आज का दिन फायदेमंद रहेगा। आज मेहनत और व्यवहार के कारण आपको धनलाभ होगा। शत्रु पक्ष आज आपके प्रभाव से पस्त रहेंगे। इस राशि के लोगों को आज पारिवारिक सुख और शांति का लाभ होगा। साथ ही आपके रिश्ते में मधुरता आएगी। आपका ज्यादा समय आज घरवालों के साथ बीतेगा। धन लाभ के अवसर बनेंगे।

तुला राशि : आज आपका दिन खुशियों से भरा रहेगा। आज आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत बनी रहेगी। आज अपने कार्यक्षेत्र में कामयाबी का परचम लहराएंगे। आज खुद को मेंटली और फिजिकली फिट महसूस करेंगे। अगर आप नया वाहन खरीदने की सोच रहें है तो खरीद लें। व्यापार में आपको लाभ मिलने के आसार नजर आ रहें हैं। आज आप मित्रों के साथ मिल कर कई मनोरंजक गतिविधियों में भाग लेंगे इससे आपको बहुत खुशी मिलेगी। आज आपका दांपत्य जीवन बहुत ही रोचक और सुखमय रहने वाला है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज किसी कार्य को पूरा करने का प्रयास सफल रहेगा। आज परिजनों से शुभ समाचार मिलेंगे और आपके आत्म-सम्मान में वृद्धि होगी। आज किसी व्यक्ति विशेष से आपको मदद मिल सकती है। रात को बाहर दोस्तों के साथ डिनर करने जाएंगे। आज ऑफिस में सरलता से कार्य को पूरा करने की कोशिश करें, मेहनत के मुताबिक सफलता आपको हासिल होगी। आर्थिक पक्ष पहले की अपेक्षा मजबूत होगा। दांपत्य जीवन बेहतरीन रहने वाला है। छात्रों को शिक्षकों से सहयोग मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन लाभदायक रहेगा। आज व्यापार में अच्छा धन लाभ होगा। अगर किसी नए व्यापार की शुरूआत करना चाह रहें है तो आज शुरुआत कर सकते है। इस राशि के लोगों को अपने जीवनसाथी से आज बहुत सारा प्यार मिलेगा। जीवनसाथी के साथ आप कहीं धार्मिक जगह पर जाने का मन बना सकते हैं। आय के नए स्रोत मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी। नवविवाहित दंपत्ति के जीवन में मिठास बनी रहेगी। कार्यों में परिवार वालों का सहयोग मिलेगा।

मकर राशि : आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज मनोबल का स्तर अच्छा रहने के कारण आपके कार्य अच्छी गति से आगे बढ़ेंगे। आज बिजनेस में परिवर्तन के आसार दिख रहें हैं। ऑफिस में आपकी क्रिएटिविटी पहले से अच्छी बनेगी। इस राशि के लवमेट के लिए बढ़िया दिन है। आज भाग्य पूरी तरह से आपका साथ देगा। भाई के साथ किसी बात को लेकर विचार विमर्श करेंगे, साथ ही किसी से बात करते वक्त अपने आप को संयमित रखें। आज अपनी कीमती वस्तु को संभालकर कर रखें।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। आपको अपने कार्यक्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल होने वाली है। साथ ही किसी विदेशी कंपनी से जॉब का ऑफर आ सकता है। जिसे ज्वाइन करना आपके लिए फायदेमंद रहेगा। आज वाहन की पार्किंग सेफ जगह पर ही करें, वरना फाइन भरना पड़ सकता है। आज विरोधी आपको नुकसान पहुचाने का प्रयास कर सकते हैं, इसलिए जितना हो सके आप उनसे दूरियां बनाकर रहें। आज सामाजिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी। आज अपना काम ध्यान पूर्वक करें।

मीन राशि : आज आपका दिन आपके जीवन में नयी खुशियाँ लेकर आएगा। आपका रूझान आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। माता-पिता के साथ कहीं मंदिर दर्शन के लिए जाएंगे। मनोरंजन के लिए बनाया हुआ प्लान आज टल सकता है। घर में आज समय ज्यादा व्यतीत करेंगे। पैसों से जुड़ी समस्या आज खत्म हो जाएगी। व्यवसाय से धन का लाभ होगा। इस राशि के स्टूडेंट के लिए आज का दिन शुभ रहने वाला है।

---

294 सीटों के साथ होगी बीजेपी की वापसी, मोदी 3.0 में मिलेगा कई युवा चेहरों को मौका

अतुल मलिकराम (राजनीतिक रणनीतिकार)

भारतीय लोकतंत्र के महापर्व के तहत 18वीं लोकसभा चुनावों के परिणामों में अब कुछ ही दिन शेष हैं। 4 जून को ईवीएम में बंद पार्टियों की किस्मत का फैसला हो जाएगा। जहां एक तरफ बीजेपी से खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 370 सीटों पर जीत का दावा कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी इंडिया गठबंधन की सरकार बनने का आश्वासन दे रहे हैं। हालांकि, जमीनी परिस्थितियों को देखते हुए ऐसा प्रतीत होता है कि बीजेपी एक बार फिर सत्ता संभालने के लिए तैयार है। मेरा अनुमान है कि बीजेपी इस बार 2014 की 282 और 2019 की 303 सीटों के बीच 294 सीटें जीतकर सरकार बनाने में सफल हो सकती है। सीटों का यह आंकड़ा कुछ राजनीतिक जानकारों को चौंका सकता है। इसके अलावा मोदी 3.0 में कुछ बड़े बदलाव देखने को मिल सकते हैं। मेरा मानना है कि पीएम मोदी की अगुवाई में बीजेपी शासन में इस बार पढ़े-लिखे, तेज-तर्रार और युवाओं में लोकप्रिय नेताओं को बड़ी जिम्मेदारी दिए जाने की पूरी संभावना है। इन नेताओं में तमिलनाडु बीजेपी प्रमुख अन्नामलाई, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, अपना दल (एस) की अनुप्रिया पटेल, स्वर्गीय सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज, महाराष्ट्र की अमरावती सीट से लोकप्रिय व चर्चित नेत्री नवनीत कौर राणा और ओवैसी के खिलाफ अपनी दावेदारी पेश कर रहीं माधवी लता के नाम प्रमुख हैं। हालांकि लगभग सभी परिस्थितियां बीजेपी के पक्ष में होने के बावजूद पीएम मोदी का तीसरा कायर्काल चुनौतीपूर्ण होगा। सबसे बड़ी और अहम चुनौती खुद उनकी 75 वर्ष की आयु होगी, जिसका अलिखित फरमान खुद उनकी ही पार्टी द्वारा घोषित किया गया है। भले पार्टी के दृष्टिकोण से देश को मोदी की अगुवाई की जरुरत हो लेकिन खुद पीएम मोदी के लिए अपने ही बनाए नियम को ताक पर रखकर, पद पर बने रहने का बोझ होगा। दूसरा, लगातार नए चेहरों को आगे बढ़ाने और विरोधी दलों के बागियों को जरुरी कमान सौंपे जाने का विषय, पार्टी में बगावत के सुर तेज करेगा। यह दो ऐसी प्रमुख चुनौतियाँ होंगी, जिससे पार पाना बीजेपी और पीएम मोदी, दोनों के लिए सबसे कठिन साबित होगा।

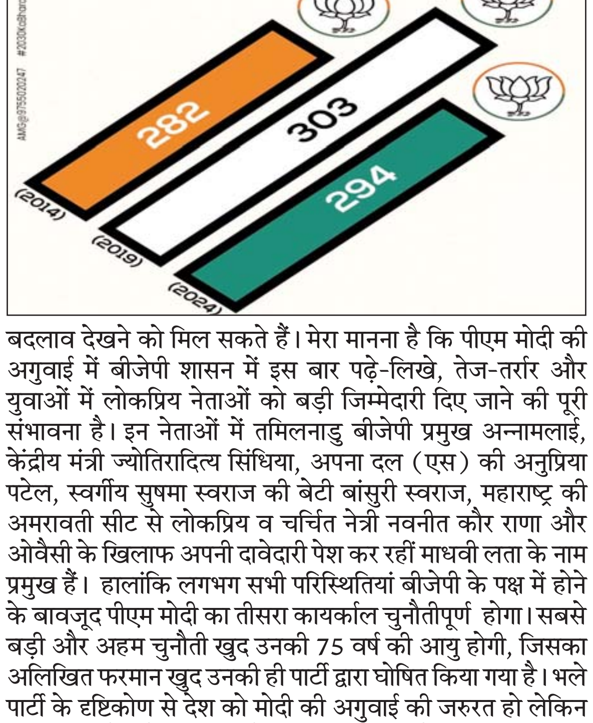

विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस

ललित गर्ग

नशे में तबाह होती जिन्दगियों को बचाना होगा

बेशक 31 मई 2022 को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाया जा रहा है मगर ऐसे दिवस को मनाने की उपयोगिता तभी है जब नशे की अंधी गलियों में भटक चुके युवाओं को बाहर निकालना विश्व की हर सरकार का नैतिक एवं प्राथमिक कर्तव्य हो, क्योंकि युवा पीढ़ी नशे की गुलाम हो चुकी है। विश्व की गम्भीर समस्याओं में प्रमुख है तम्बाकू और उससे जुड़े नशीले पदार्थों का उत्पादन, तस्करी और सेवन में निरन्तर वृद्धि होना। नई पीढ़ी इस जाल में बुरी तरह कैद हो चुकी है। आज हर तीसरा व्यक्ति विशेषतः महिलाएं किसी-न-किसी रूप में तम्बाकू की आदी हो चुकी है। बीड़ी-सिगरेट के अलावा तम्बाकू के छोटे-छोटे पाउचों से लेकर तेज मादक पदार्थों, औषधियों तक की सहज उपलब्धता इस आदत को बढ़ाने का प्रमुख कारण है। इस दीवानगी को ओढ़ने के लिए प्रचार माध्यमों ने भी भटकाया है।

सरकार की नीतियां भी दोगली है। लेकिन तेलंगाना सरकार ने एक सराहनीय कदम उठाते हुए तंबाकू और निकोटीन युक्त गुटखा व पान मसाला पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है, वह सुखद है। ऐसे गुटखों या पान मसालों के निर्माण, भंडारण, वितरण, परिवहन और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लग गया है। हालांकि, अभी यह पाबंदी एक वर्ष के लिए है, शायद आगे इसकी समीक्षा होगी और उसके बाद राज्य सरकार स्थायी प्रतिबंध का फैसला करेगी। ऐसे निर्णय केन्द्र सरकार एवं विभिन्न प्रांतों की सरकारों को भी लेने चाहिए। क्योंकि एक नशेड़ी पीढ़ी का देश कैसे आदर्श हो सकता है? कैसे स्वस्थ हो सकता है? कैसे प्रगतिशील हो सकता है? इस दुर्व्यसन के आदी लोग सुधरने को तैयार नहीं हैं। ऐसे में, तेलंगाना में लगा प्रतिबंध कितना कारगर होगा, यह देखने वाली बात है। तेलंगाना अगर अपनी सीमा में प्रतिबंध को कड़ाई से लागू करे, तो उसके पड़ोसी राज्यों तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र को भी सहयोग के लिए खड़ा होना पड़ेगा। नशे की गंभीरता एवं विकरालता को देखते हुए साल 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के सदस्य देशों ने एक प्रस्ताव पारित किया और हर 31 मई को विश्व तम्बाकू विरोधी दिवस मनाने का फैसला किया गया।

आज छोटे-छोटे बच्चे एवं महिलाएं नशे के आदी हो चुकी हैं। वे ऐसे नशे करती है कि रुह कांपती है। हर साल लाखों लोग नशे के कारण अपना जीवन दांव पर लगा रहे हैं। नशा आज एक फैशन बन चुका है। पूरे विश्व के लोगों को तंबाकू मुक्त और स्वस्थ बनाने के लिये तथा सभी स्वास्थ्य खतरों से बचाने के लिये तंबाकू चबाने या धूम्रपान के द्वारा होने वाले सभी परेशानियों और स्वास्थ्य जटिलताओं से लोगों को आसानी से जागरूक बनाने के लिये इस दिवस की महत्वपूर्ण भूमिका है। लेकिन यह विडम्बनापूर्ण है

कि सरकारों के लिये यह दिवस कोरा आयोजनात्मक है, प्रयोजनात्मक नहीं। क्योंकि सरकार विवेक से नहीं, स्वार्थ से काम ले रही है। शराबबन्दी का नारा देती है, नशे की बुराइयों से लोगों को आगाह भी करती है और शराब, तम्बाकू का उत्पादन भी बढ़ा रही है। राजस्व प्राप्ति के लिए जनता की जिन्दगी से खेलना क्या किसी लोककल्याणकारी सरकार का काम होना चाहिए? भारत में गुटखा सहित धुआं रहित तंबाकू का उपयोग एक खतरनाक कुचलन है, जिससे गंभीर किस्म की बीमारियां होती हैं। विशेष रूप से गुटखा से कैंसर का खतरा होता है और इसी वजह से साल 2002 से ही गुटखा पर नियंत्रण के प्रयास चलते रहे हैं। साल 2012 से भारतीय राज्यों द्वारा प्रतिबंधित होने के बावजूद गुटखा व्यापक रूप से उपयोग में है। गुटखा लॉबी देश भर में बहुत मजबूत है और इससे सरकारों व उनमें शामिल लोगों को गलत ढंग से भारी कमाई होती है। सबसे पहला राज्य मध्य प्रदेश है, जिसने गुटखा पर प्रतिबंध लगाया था, पर क्या वहां सफलता मिली? बिहार, गुजरात जैसे राज्य, जहां कहने को तो शराब प्रतिबंधित है, पर क्या वहां शराब का मिलना बंद हो गया है? ठीक इसी तरह से गुटखा के साथ हुआ है। लगातार चेतावनियों व विज्ञापनों के बावजूद गुटखा या तंबाकू का सेवन घट नहीं रहा है।

नशे की संस्कृति युवा पीढ़ी को गुमराह कर रही है। अगर यही प्रवृत्ति रही तो सरकार, सेना और समाज के ऊंचे पदों के लिए शरीर और दिमाग से स्वस्थ व्यक्ति नहीं मिलेंगे। नशे की बढ़ती प्रवृत्ति के कारण हम एक स्वस्थ नहीं, बल्कि बीमार राष्ट्र एवं समाज का ही निर्माण कर रहे हैं। प्रसिद्ध फुटबाल खिलाड़ी मैराडोना, पॉप संगीत गायक एल्विस प्रिंसले, तेज धावक बेन जॉनसन, युवकों का चहेता गायक माईकल जैक्सन, ऐसे कितने ही खिलाड़ी, गायक, सिनेमा कलाकार नशे की आदत से या तो अपनी जीवन लीला समाप्त कर चुके हैं या बरबाद हो चुके हैं। नशे की यह जमीन कितने-कितने आसमान खा गई। विश्वस्तर की ये प्रतिभाएं कीतिर्मान तो स्थापित कर सकती हैं, पर नई पीढ़ी के लिए स्वस्थ विरासत नहीं छोड़ पा रही हैं। नशे की ओर बढ़ रही युवापीढ़ी बौद्धिक रूप से दरिद्र बन जाएगी।

गुटखों और पान मसालों से जुड़ी समस्याओं को अभी भी हम गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। भारत में जनसंख्या-आधारित कैंसर रजिस्ट्री में पाया गया कि 55 प्रतिशत कैंसर तंबाकू के उपयोग से संबंधित थे। भारत तंबाकू उत्पादों का दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है। भारत में तंबाकू छोड़ने की दर सबसे कम है, यहां सिर्फ 20 प्रतिशत पुरुष तंबाकू के दुर्व्यसन को छोड़ पाते हैं। जीवन का माप सफलता नहीं, सार्थकता होती है। सफलता तो गलत तरीकों से भी प्राप्त की जा सकती है। जिनको शरीर की ताकत खैरात में मिली हो वे जीवन की लड़ाई कैसे लड़ सकते हैं? तंबाकू सेवन कई सारी बीमारियों का कारण बनता है जैसे दीघर्कालिक अवरोधक फेफड़ों संबंधी बीमारी (सीओपीडी), फेफड़े का कैंसर, हृदयघात, स्ट्रोक, स्थायी दिल की बीमारी, वातस्फीति, विभिन्न प्रकार के कैंसर आदि।

तंबाकू का सेवन कई रूपों में किया जा सकता है जैसे सिगरेट, सिगार, बीड़ी, मलाईदार तंबाकू के रंग की वस्तु (टूथ पेस्ट), क्रिटेक्स, पाईप्स, गुटका, तंबाकू चबाना, सुर्ती-खैनी (हाथ से मल के खाने वाला तंबाकू), तंबाकू के रंग की वस्तु, जल पाईप्स, स्नस आदि। कितने ही परिवारों की सुख-शांति ये तम्बाकू उत्पाद नष्ट कर रहे हैं। बूढ़े मां-बाप की दवा नहीं, बच्चों के लिए कपड़े-किताब नहीं, पत्नी के गले में मंगलसूत्र नहीं, चूल्हे पर दाल-रोटी नहीं, पर नशा चाहिए। करोड़ों लोग अपनी अमूल्य देह में बीमार फेफड़े और जिगर लिए एक जिन्दा लाश बने जी रहे हैं पौरुषहीन भीड़ का अंग बन कर। डब्ल्यूएचओ के अनुसार धूम्रपान की लत से हर साल लगभग 60 लाख लोग मारे जा रहे हैं और इनमें से अधिकतर मौतें कम तथा मध्यम आय वाले देशों में हो रही हैं। दुर्भाग्यवश इस गलत आदत को स्टेटस सिंबल मानकर अक्सर नवयुवक एवं महिलाएं अपनाते हैं और दूसरों के सामने दिखाते हैं। इससे प्रजनन शक्ति कम हो जाती है। यदि कोई गर्भवती महिला धूम्रपान करती है तो या तो शिशु की मृत्यु हो जाती है या फिर कोई विकृति उत्पन्न हो जाती है। लंदन के मेडिकल जर्नल द्वारा किये गये नए अध्ययन में पाया गया कि धूम्रपान करने वाले लोगों के आसपास रहने से भी गर्भ में पल रहे बच्चे में विकृतियाँ उत्पन्न हो जाती हैं। हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के डॉ. जोनाथन विनिकॉफ के अनुसार, गर्भावस्था के दौरान माता-पिता दोनों को स्मोकिंग से दूर रहना चाहिए। स्कूलों के बाहर नशीले पदार्थों की धडल्ले से बिक्री होती है, किशोर पीढ़ी धुए में अपनी जिन्दगी तबाह कर रही है। हजारों-लाखों लोग अपने लाभ के लिए नशे के व्यापार में लगे हुए हैं और राष्ट्र के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। चमड़े के फीते के लिए भैंस मारने जैसा अपराध कर रहे हैं। बढ़ती तम्बाकू प्रचलन की समस्या विश्व की दूसरी समस्याओं में सबसे देरी से जुड़कर सबसे भयंकर रूप से मुखर हुई है। लगता है विश्व जनसंख्या का अच्छा खासा भाग नशीले पदार्थों के सेवन का आदी हो चुका है। अगर आंकड़ों को सम्मुख रखकर विश्व मानचित्र (ग्लोब) को देखें, तो हमें सारा ग्लोब नशे में झूमता दिखाई देगा।

एक नजर

समर्थन मूल्य में उपार्जित धान का उठाव जल्द करें:कलेक्टर

जगदलपुर, 30 मई । कलेक्टर श्री विजय दयाराम के.ने कहा कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के तहत खरीदे गए सम्पूर्ण धान का उठाव जल्द करें। डीओ कटने के बाद निर्धारित समय-सीमा में धान उठाव का निराकरण कर अनिवार्य रूप से शून्य शार्टेज की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाए। वहीं कस्टम मिलिंग के अंतर्गत राईस मिलर्स द्वारा निर्धारित चावल को जमा करने में तत्परता दिखाई जाए। कलेक्टर श्री विजय ने बुधवार को कलेक्टोरेट के प्रेरणा सभाकक्ष में धान खरीदी केन्द्र प्रभारियों तथा राईस मिलर्स की बैठक में उक्त निर्देश दिए। कलेक्टर ने समर्थन मूल्य पर उपार्जित धान के उठाव स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन सहकारी समितियों के धान खरीदी केन्द्रों में धान उठाव हेतु शेष है, उक्त धान का अतिशीघ्र उठाव कर लिया जाए। उन्होंने इस दिशा में सम्बन्धित समिति प्रबन्धकों तथा राईस मिलर्स को समन्वय कर उठाव कार्य पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कस्टम मिलिंग हेतु अनुबंधित राईस मिलर्स को जिले में चावल जमा करने के साथ ही सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में भी चावल जमा किये जाने कहा। वहीं विगत वर्ष के कस्टम मिलिंग के अंतर्गत बैंक गारंटी की राशि का समायोजन जिला विपणन अधिकारी के अधिकृत खाते में आगामी 06 जून से पहले अनिवार्य रूप से करने के निर्देश सम्बन्धित राईस मिलर्स छत्तीसगढ़ एग्रो जगदलपुर एवं गोमती राईस मिल जगदलपुर को दिए। बैठक में अवगत कराया गया कि खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 में समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन के तहत 749 मीट्रिक टन धान का उठाव शेष है। बैठक में खाद्य अधिकारी श्री घनश्याम राठौर, डीएमओ श्री राजेन्द्र ध्रुव, जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के अतिरिक्त प्रबन्धक श्री एस.रजा तथा आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के प्रबंधक, धान खरीदी केन्द्रों के प्रभारी और राईस मिलर्स मौजूद थे।

10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में महिलाओं ने सीखा घरेलू उपयोगी उत्पाद बनाना

जगदलपुर, 30 मई । ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान जगदलपुर द्वारा 10 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन हाटपदमूर में किया गया, जिसका मूल्यांकन 29 मई को किया गया। इस शिविर में 32 ग्रामीण महिलाओं ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया और मोमबत्ती बनाना, फिनायल, वाशिंग पाउडर, हार्पिक आदि घरेलू एवं रोजगारमूलक उत्पादों को बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन आरसेटी के मार्गदर्शन में किया गया, जिसमें प्रमुख रूप से आरसेटी के स्टेट कन्ट्रोलर अरुण सोनी और निदेशक हेमंत सलाम का विशेष योगदान रहा। प्रशिक्षण के मूल्यांकन के लिए रायपुर एवं दुर्ग से आए मूल्यांकनकर्ता पीके राघव और आलोक श्रीवास्तव ने कौशल और सीखने की प्रक्रिया का मूल्यांकन किया। शिविर में श्रीमती सरोज साहू ने महिलाओं को बड़ी मेहनत से प्रशिक्षण दिया। आरएसईटीआई जगदलपुर के फैकल्टी मेंबर एन. मधुसूदन, श्रीमती रमा राय और कार्यालय स्टाफ दयाराम मौर्य एवं राहुल बघेल ने भी इस कार्यक्रम में हिस्सा लिया। ग्रामीण स्वरोजगार संस्थान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। ये संस्थान विभिन्न प्रकार के कौशल विकास कार्यक्रमों का आयोजन करता है जिससे प्रतिभागियों को नए-नए रोजगार के अवसर प्राप्त हो सके। आरएसईटीआई का प्रयास है कि ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को तकनीकी और व्यावसायिक प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वावलंबी बनाया जाए।

मतगणना दिवस को सुबह 7 बजे खोला जाएगा स्ट्रांग रूम

कांकेर, 30 मई । लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत कांकेर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र 79-अंतागढ़ (अजजा), 80-भानुप्रतापपुर (अजजा) एवं 81-कांकेर (अजजा) में हुए मतदान की विधानसभावार मतगणना 04 जून को प्रातः 08:00 बजे से शासकीय पॉलीटेक्निक नाथियानवागांव में की जाएगी। मतगणना के लिए 04 जून की सुबह 07 बजे स्ट्रांग रूम को खोला जाएगा एवं मतगणना समाप्ति उपरांत ईव्हीएम की सीलिंग भी की जाएगी। इस दौरान प्रातः 06:30 बजे तथा मतगणना समापन के पश्चात स्वयं, अपने निर्वाचन अभिकर्ता अथवा प्राधिकृत प्रतिनिधि की उपस्थिति सुनिश्चित करने हेतु कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर श्री अभिजीत सिंह द्वारा सभी अभ्यर्थियों एवं निर्वाचन अभिकर्ताओं से कहा गया है।

प्राधिकृत प्रतिनिधि होने की स्थिति में उसके पास अभ्यर्थी द्वारा जारी लिखित प्राधिकार पत्र होना अनिवार्य है।

सियान जतन कार्यक्रम में टीबी रोग के संबंध में किया गया जागरूक

कांकेर, 30 मई । शहरी आयुष्मान अरोग्य मंदिर श्रीरामनगर कांकेर में 'सियान जतन कार्यक्रम' के अवसर पर क्षय रोग के संबंध में जागरूकता संबंधी व्याख्यान दिया गया। उक्त कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे के द्वारा कांकेर जिले को 2025 तक टी.बी. मुक्त किये जाने के संबंध में सभी नागरिको से अपील कि जैसे ही टीबी रोग के लक्षण दिखे, तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर अपने बलगम की जांच कराएं।

साथ ही टीबी मरीजों को 06 माह तक गोद लेने के लिए सभी समाजसेवी संस्था, जनप्रतिनिधि, एवं विकासखण्ड स्तर के अधिकारी एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं को अपील की गई। इस अवसर पर विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

नहर नाली निर्माण कार्य में बड़ा झोल

तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

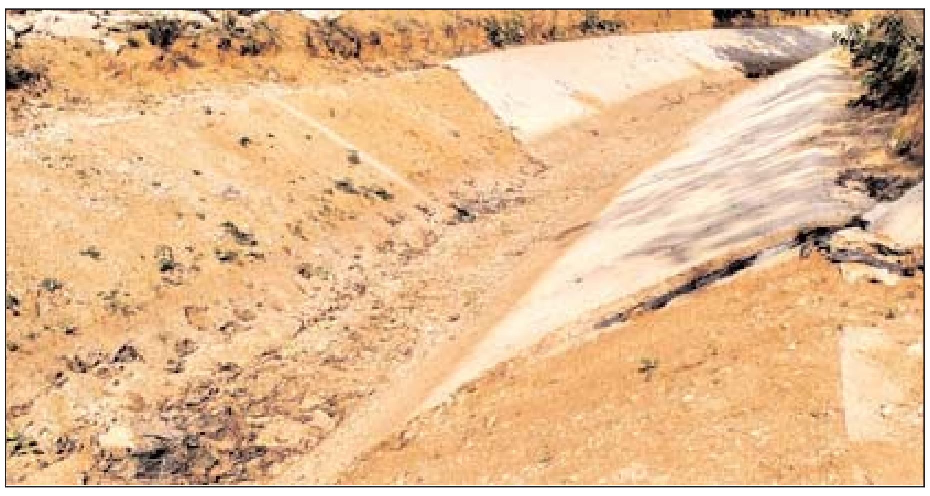

राजिम,30 मई। पांडुका एसडीओ जल संसाधन छुरा और नहर लाइनिंग ठेकेदार की जुगलबंदी से एक बार फिर जिले के छुरा ब्लॉक में नहर लाइनिंग के काम में बड़ा झोल झाल देखने को मिल रहा है यह नहर लाइनिंग का काम लगभग 3 करोड रुपए के आसपास का है जो। खरखरा जलाशय से लेकर लोहझर के छोटे कैनाल में चल रहा है बता दे की इस निर्माण कार्य में जिस ठेकेदार को यह टेंडर मिला है उसकी तो मौज है यही कारण है कि ठेकेदार द्वारा गुणवत्ता को दरकिनार कर जमकर धांधली की जा रही है मुरूम की जगह मिट्टी का उपयोग किया जा रहा है और बिना डंपिंग किया केवल ऊपर में झिल्ली बिछा कर ढलाई कर देने की वजह से नहर लाइनिंग के कंक्रीट जगह-जगह टूट रहा है।जिसे खुद जल संसाधन के जिम्मेदारों द्वारा दर्जनों जगह मार्किंग किया गया है।तथा फिर एक बार अमानत में खयानत वाली बात साबित हो रही है जो विभाग को जिम्मेदारी है कि वह अच्छे से निर्माण कार्य कराए और सरकारी पैसे का सही सदुपयोग करें पर पूरे जल संसाधन विभाग में जिस तरह निर्माण कार्य में लूटमार मचा हुआ है और इस लूटमार में कुछ दलाल जो है लाखों रुपए बटोर रहे हैं ।वा।दलाल साथ ठेकेदार भी मालामाल हो रहा है यह घटिया निर्माण का ही नतीजा है कि कोई यहां देखने वाले नहीं है नाम का इंजीनियर और नाम का एस डी ओ और जिला में अभियंता है।जो एसी रूम में रह कर बैठे हुए कार्य का निरीक्षण कर रहे है। जो कभी साइड में झांकने तक नहीं जाते तो कार्य सही होता यू 3 माह में यह नतीजा नहीं निकलता,,यही वजह है कि पूरा कार्य ठेकेदार के भरोसे छोड़ रखे हैं और विभागीय कसावट नही हो ने के कारण ठेकेदार की पांचों उंगली घी में है।और जब पक्ष जानने ठेकेदार को फोन किया गया तो उन्होंने फोन रिसीव नहीं किया।ये नजारा आपको साइड जाने पर आसानी से नजर आ जायेगी तिलाई दादर और खरखरा के बीच चैन क्रमांक 50 के नीचे ये सब देखा जा सकता है जहां भारी मात्रा में नहर लाइनिंग टूटा हुआ है जो खुद अपनी घटिया निर्माण की गवाही दे रहा है अब भला इस पर क्या कार्रवाई होगी वही इस बारे में जब एसडीओ छुरा पुनीत सिरमौर से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि हमें जानकारी है उसे तोड़कर हम दोबारा बनवाएंगे।ठेकेदार को बोल दिया गया है।वही जब कुछ ग्रामीणों से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि कंक्रीटकारण होने के बाद इसमें पानी तराई नहीं किया गया इसमें सही मुरूम नही डाला गया है बिना मिट्टी को दबाए ऐसे ही ऊपर में ढालाई कर दिया गया जिसके कारण ये दर्जनों जगह टूट गया है।इस तरह सरकारी राशियों की बंदर बांट से निर्माण कार्यों को गुणवत्ता हीन कार्य को अंजाम दिया जा रहा है लगभग 3 करोड रुपए के होने वाले इस निर्माण कार्य में कहीं भी सूचना बोर्ड भी नहीं लगाएं है जबकि सूचना बोर्ड कार्य होने से पहले लगाया जाता है। पर जब सूचना बोर्ड के बारे में एस डी ओ को पूछा गया तो उनका कहना था सूचना बोर्ड लगाए थे। चोरी हो गया है पर पूर्व की भांति इस बार भी अपने करतूत को छुपाने के लिए जल संसाधन विभाग छूरा में पदस्थ जिमेदार अधिकारी कर्मचारियों ने मिलीभगत कर ठेकेदार को लाभ पहुंचाने के लिए शासन को चूना लगा रहे हैं।

देखना होगा कि इस तरह सैकड़ो जगह आई दरारों को किस लिपा पोती से ठीक किया जाएगा क्या सभी दरारों को पुनः तोड़कर बनाया जाएगा या फिर उसके ऊपर लिपा पोती कर खाना पूर्ति की जाएगी।

मुठभेड़ में 8 लाख एवं 1 लाख के ईनामी माओवादी ढेर

बीजापुर, 30 मई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। मौके से 01 महिला, 01 पुरुष माओवादी का शव, हथियार, विस्फोटक, वायरलेस सेट, नगद 30.00 हजार, पिटठू, माओवादी वर्दी, दवाईया, प्रतिबंधित माओवादी संगठन के प्रचार प्रसार की सामग्री, साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद ।थाना मद्देड़ क्षेत्रान्तर्गत कोरंजेड़ के जंगलों में मद्देड़ एरिया कमेटी एसीएम बुचन्ना, विश्वनाथ, बामन एवं अन्य 15-20 सशस्त्र माओवादियों की उपस्थिति की आसूचना पर डीआरजी बीजापुर की कार्यवाही ।जिले में चलाये जा रहे माओवादी विरोधी अभियान के तहत् दिनांक 27/05/2024 को थाना मद्देड़ क्षेत्रान्तर्गत कोरंजेड़ एवं बंदेपारा के जंगलों में प्रतिबंधित भाकपा माओवादी संगठन के मद्देड़ एरिया कमेटी के एसीएम बुचन्ना, विश्वनाथ, बामन एवं अन्य 15-20 सशस्त्र माओवादियों की उपस्थिति की आसूचना पर डीआरजी बीजापुर टीम अभियान पर निकली थी । सर्च अभियान के दौरान दिनांक 2/05/2024 के सुबह 07 - 08 बजे के बीच कोरंजेड़-बंदेपारा के बीच जंगल में मुठभेड़ हुई । मुठभेड़ के बाद कार्डन एवं सर्च कार्यवाही के दौरान घटनास्थल से 01 महिला एवं 01 पुरुष माओवादी के शव के साथ 7.66 एमएम पिस्टल-01 नग , 12 बोर सिंगल शॉट बंदूक -01 नग , टिफिन बम-02 नग,12 नग जिलेटीन स्टीक, 8 मीटर कार्डेक्स वायर, सेफ्टी फ्यूज5 मीटर 500-500 के 60 नोट कुल 30.00 हजारू रूपये नगद, वायरलेस सेट-01 नग, माओवादी वर्दी, पिटठू, दवाईया, प्रतिबंधित माओवादी संगठन का प्रचार प्रसार की सामग्री एवं माओवादी साहित्य एवं अन्य दैनिक उपयोग की सामग्री बरामद किया गया ।घटना में मारे गये माओवादियों की पहचान 1.मनीला पुनेम ऊर्फ मनीला पदम पति नागेश पदम ऊर्फ प्रकाश उम्र 36 वर्ष निवासी बुरजी थाना गंगालूर , पदनाम- मद्देड़ एरिया कमेटी सदस्य (डीव्हीसीएम), ईनाम 08.00 लाख, वर्ष 2006 से माओवादी संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत थी । हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, आगजनी, अपहरण, बल्वा, आर्म्स एक्ट एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं में एक दर्जन से उपर अपराध पंजीबद्ध है 2. मंगलू कुड़ियम पिता देवा उम्र 40 वर्ष जाति मुरिया निवासी मांझीपारा स्कूलपारा कुज्जाकोंटा थाना फरसेगढ़, पदनाम- मद्देड़ एरिया कमेटी मिलिशिया प्लाटून कमाण्डर/पार्टी सदस्य, ईनाम - 01.00 लाख, वर्ष 1999 से माओवादी संगठन में सक्रिय रूप से कार्यरत था । वर्ष 2007 में दंतेवाड़ा जेलब्रेक की घटना में शामिल था । इसके उपर हत्या, हत्या का प्रयास, लूट, आगजनी, अपहरण, बल्वा, आर्म्स एक्ट एवं विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराओं में कई अपराध पंजीबद्ध है । घटना में मारे गये माओवादियों की पंचनामा, पीएम एवं अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

लेटरल एंट्री के माध्यम से एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 11 जून को

धमतरी 30 मई । जिले में संचालित नगरी के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह में शिक्षा सत्र 2024-25 के लिए कक्षा नवमीं, ग्यारहवीं और बारहवीं की कक्षाओं में सीबीएसई पाठ्यक्रमों में रिक्त सीटों की पूर्ति लेटरल एंट्री के माध्यम से की जाएगी। इसके लिए चयन परीक्षा आगामी 11 जून को सुबह 11 से दोपहर 1 बजे तक एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह में आयोजित की जाएगी। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग ने बताया कि चयन परीक्षा में शामिल होने वाले इच्छुक विद्यार्थी निर्धारित प्रारूप में आवेदन के साथ पूर्व कक्षाओं की अंकसूची, जाति, निवास प्रमाण पत्र, दो पासपोर्ट साईज फोटो, आधार कार्ड का छायाप्रति का दस्तावेज आगामी 5 जून तक कलेक्टोरेट के कक्ष क्रमांक 90 स्थित आदिवासी विकास विभाग के एकलव्य शाखा अथवा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय पथर्रीडीह में स्वयं उपस्थित होकर जमा कर सकते हैं। बताया गया है कि निर्धारित तिथि के बाद तथा डाक से प्राप्त आवेदन पत्रों पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आवेदन पत्र जिले की वेबसाईट 222.स्त्रद्धड्डद्वह्लड्डह्व.द्दश1.द्बठ्ठ पर जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। साथ ही प्रवेश पत्र परीक्षा केन्द्र से परीक्षा शुरू होने के दो घंटे पूर्व प्राप्त किये जा सकेंगे।सहायक आयुक्त ने यह भी बताया कि कक्षा नवमीं में प्रवेश के लिए आवेदक की आयु न्यूनतम 13 वर्ष और अधिकतम 16 वर्ष, 11 वीं में प्रवेश के लिए अधिकतम 18 वर्ष तथा 12 वीं में प्रवेश के लिए अधिकतम आयु सीमा नहीं है, किन्तु कक्षा 11 वीं के बाद अध्ययन की निरंतरता में अवरोध ना हो, वे आवेदन कर सकेंगे। इसके साथ ही आवेदक छत्तीसगढ़ का मूल निवासी, छत्तीसगढ़ राज्य द्वारा घोषित जनजातीय वर्ग/समुदाय का सदस्य हो, विद्यार्थी को किसी अन्य विद्यालय से निष्कासित नहीं किया गया हो, कक्षा 11 वीं में प्रवेश के लिए कक्षा दसवीं सत्र 2023-24 में सीबीएस/सीजीबीएसई से उत्तीर्ण और कक्षा 12 वीं (विज्ञान/कॉमर्स) प्रवेश के लिए विद्यार्थी कक्षा 11 वीं सत्र 2023-24 में सीबीएसई विद्यालय से उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। उपरोक्त कक्षाओं में प्रवेश के लिए सीबीएसई विद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों को प्राथमिकता दी जायेगी और विशेष रूप से कमजोर जनजातीय विद्यार्थियों को पहली प्राथमिकता दी जायेगी।

जिला जेल धमतरी में बंदियों का किया गया स्वास्थ्य परीक्षण

धमतरी 30 मई । जिला जेल धमतरी में आज एक दिवसीय आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर लगाकर बंदियों का स्वास्थ्य जांच किया गया। सहायक जेल अधीक्षक ने बताया कि इस दौरान आयुर्वेद चिकित्सक डॉ.अवध पचौरी सहित आयुर्वेद अमले ने 22 बंदियों की जांच कर औषधी वितरित की। इसके अलावा जिला जेल में एक दिवसीय मानसिक तनाव दूर करने, आत्महत्या से बचाव व अवसाद से मुक्ति पाने के संबंध में भी शिविर लगाया गया। इस दौरान जिला चिकित्सालय धमतरी की क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट श्रीमती प्रीति चाण्डक द्वारा जेल परि? 237 बंदियों को मानसिक तनाव दूर करने के संबंध में बारिकी से जानकारी दी गई।

फसल अवशेष जलाने पर जुर्माना एवं सजा का प्रावधान

धमतरी 30 मई । ग्रीष्मकालीन फसलों की कटाई पूर्णतः की ओर है। धान फसल कटाई के बाद खेत में बचे फसल अवशेष को जलाने की घटनाए होती रहतीं हैं, जिससे वातावरण में जहरीली गैस जैसे-मीथेन, कार्बनमोनोऑक्साईड, नाइट्राक्साईड के फेलने से प्रदूषण फेलता है, जो मानव के साथ-साथ पशुओं के लिए भी हानिकारक है। फसल अवशेष जलाने से मिट्टी में उपलब्ध सूक्ष्म जीव के नष्ट होने पर उसकी उर्वरता क्षमता कम हो जाती है, साथ ही मित्र जीव जैसे-केंचुएं, मकड़ी इत्यादि नष्ट हो जाते हैं। इसके मद्देनजर उप संचालक कृषि श्री मोनेश साहू ने किसानों से अपील किया है कि वे पराली नहीं जलाएं एवं पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदाय करें।

उप संचालक ने बताया कि फसल अवशेष जलाने का प्रकरण शासन के संज्ञान में आता है तो अर्थदण्ड का प्रावधान किया गया है।

शासकीय उद्यान रोपणी बैदरगुड़ा एवं पामलवाया का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

बीजापुर, 30 मई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर श्री अनुराग पाण्डेय ने बीजापुर ब्लॉक के शासकीय उद्यान रोपणी बैदरगुड़ा एवं पामलवाया का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान नर्सरी में कार्यरत कर्मचारियों की नियमित उपस्थित नर्सरी में समुचित साफ-सफाई कबाड़ सामग्रियों का नीलामी, पेड़ों पर मार्किंग सहित पेड़ों के नाम का बोर्ड, नोटिस बोर्ड लगाने के निर्देश दिए। वहीं भ्रमण के दौरान सिंचाई के स्त्रोत नर्सरी में उत्पादित पौधों सहित नर्सरी में चल कार्यों की विस्तृत जानकारी ली। नर्सरी भ्रमण करने वालों की सूची एवं बिना अनुमति के अनाधिकृत प्रवेश पर भी रोक लगाने के निर्देश मौके पर उपस्थित सहायक संचालक उद्यान विभाग श्री रामचंद्र राव को दिए।

वनाधिकार पत्रों की ऑनलाइन प्रविष्टी के बचे शेष कार्य में लाएं तेजी:कलेक्टर

जगदलपुर, 30 मई । कलेक्टर श्री विजय दयाराम के. ने कहा कि व्यक्तिगत वनाधिकार पत्रों की ऑनलाईन प्रविष्टी के लिए अपलोड करने बचे शेष वन अधिकार मान्यता पत्र के कार्य में तेजी लाएं। साथ ही राजस्व, जनपद और आदिवासी विकास विभाग के संयुक्त दल द्वारा वनाधिकार पट्टा धारकों के लंबित और निरस्त प्रकरणों की जांचकर जानकारी जिला प्रशासन को दें। कलेक्टर ने बुधवार को जिला कार्यालय के प्रेरणा सभा कक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक में समय-सीमा के प्रकरण, विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन,जन चैपाल, जन शिकायत,पीजी पोर्टल के प्रकरणों पर संबंधित अधिकारियों से चर्चा कार्यवाही करने के लिए निर्देश दिए। इसके अलावा कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए आयोजित दो दिवसीय शिविर को नगर के उन वार्डो में जहां लक्षित संख्या ज्यादा है वहां पर आयोजित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग के डिस्मेंटल योग्य शाला भवनों का चिन्हांकन कर बारिस से पहले जमींदोज करने की कार्यवाही करने कहा। साथ ही शाला प्रवेशोत्सव में परीक्षा में कमजोर प्रदर्शन स्कूलों में करने तथा शाला त्यागी बच्चों को विशेष पहल कर शाला से जोड़ने के लिए सीएसी से सर्वे करवाने के निर्देश दिए। शाला त्यागी बच्चों को जोड़ने और परिणामों में कमजोर स्कूलों के लिए जिला स्तर के अधिकारियों को दायित्व दिया जाने पर भी चर्चा किया गया। कलेक्टर ने किसान क्रेडिट कार्ड के लक्ष्य के आधार पर काम करने के निर्देश दिए। मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए सिंचाई परियोजना में किसानों को मत्स्य पालन के लिए पट्टा देने पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने किसानों का तहसीलदार द्वारा बैंक खाता सत्यापन कार्य को आगामी समय सीमा की बैठक से पहले पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। बैठक में खरीफ 2024 के लिए बीज- रसायनिक खाद की उपलब्धता व भण्डारण एवं वितरण की स्थिति का भी विकासखंडवार समीक्षा किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना के निर्माण कार्य की प्रगति की जनपद समीक्षा करते हुए लंबित निर्माण कार्य तेजी से पूर्ण करवाने के निर्देश दिए। पीएम आवास एसडीएम कार्यालय को आरआरसी के माध्यम राशि वापस करवाने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजनांतर्गत का निर्माण कार्यों की पूर्णता प्रमाण पत्र जारी करने के निर्देश दिए ।

कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग से सम्बंधित प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, आंगनबाड़ी में प्रवेश लेने वाले बच्चों के जाति प्रमाण पत्र का ऑन लाइन अपलोड करने और राजस्व अधिकारियों के स्तर पर लंबित फार्म की जल्द निराकरण करने और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं मिनी कार्यकर्ताओं की नियुक्ति के लिए जनपद स्तर पर समान्य प्रशासन की अनुमोदन करवाकर जल्द अंतिम सूची जारी करने के निर्देश दिए।बैठक में कलेक्टर ने मनरेगा ज्यादा से लेबर की संख्या बढ़ाने पर जोर दिया गया। मनरेगा के तहत काम नहीं होने पर सीईओ जनपद की जिम्मेदारी तय की जाएगी। मनरेगा तहत आंगनबाड़ी भवन निर्माण की भौतिक प्रगति समीक्षा कर 31 मई तक यूसी-सीसी देने के कहा गया, काम नहीं होने की स्थिति पर राशि वापस करने के निर्देश दिए। उन्होंने एफआरए हितग्राहियों की मनरेगा में पंजीकरण कर विभिन्न रोजगार मूलक कार्य भी स्वीकृत करने कहा। बैठक मेंबस्तर विकास प्राधिकरण मद अन्तर्गत स्वीकृत कार्यो, विशेष केंद्रीय सहायता अंतर्गत स्वीकृत कार्य, सीएसआर योजनांतर्गत विकास कार्य,सांसद निधि, विधायक निधि, प्रभारी मंत्री द्वारा स्वीकृत कार्य को वित्तीय वर्ष 2020-21 तक के कार्य 31 मई और 2021-22 तक के कार्य को 15 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत 4 जून को होने वाली मतगणना कार्य के विभिन्न विभागों में अलग अलग दायित्व दिया गया। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्री प्रकाश सर्वे, अपर कलेक्टर श्री सीपी बघेल सहित सभी जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

दण्डाधिकारी जांच के लिए उपस्थित होने की सूचना

बीजापुर 30 मई । 27 फरवरी 2024 को थाना जांगला क्षेत्रान्तर्गत ग्राम छोटे तुंगाली -बड़े तुंगाली के मध्य जंगल में पुलिस-नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ जिसमें 03 नग अज्ञात पुरूष नक्सलियों के शव सहित नक्सल साहित्य, हत्यार बरामद किया गया। उक्त संबंध में कोई भी किसी प्रकार की जानकारी रखते हो तो न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी भैरमगढ़ में 15 जून 2024 को उपस्थित होकर लिखित या मौखिक जानकारी साक्ष्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं।

सोनोग्रॉफी कराने सौ किलोमीटर का सफर तय कर रहे मरीज

पत्थलगांव, 30 मई। सिविल हॉस्पिटल पहुंचकर मरीज सोनोग्रॉफी ना होने से बेहद निराश हो रहे है,यहा पहुंचने वाले मरीजो को डॉक्टर बाहर जाकर सोनोग्रॉफी कराने की सलाह देते है,जिससे मरीज सौ किलोमीटर का सफर तय कर सोनोग्रॉफी कराने की परेशानी से जुझ रहे है। इस काम मे मरीजो का जहा शारीरिक परेशानी उठानी पड रही है वही वे आर्थिक नुकसान भी उठाते है। शहर के सिविल हॉस्पिटल मे सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध है,परंतु उसे चलाने के लिए ऑपरेटर ना होने के कारण सोनोग्राफी मशीन का लाभ सिर्फ गर्भवती महिलाओ को ही मिल रहा है,ऐसे मे पेट से संबंधित बिमारी के मरीज सोनोग्राफी कराने के लिए जशपुर,अंबिकापुर या रायगढ का सफर तय करते है। शहर का सिविल हॉस्पिटल मे संसाधनो की हमेंशा से कमी रही है। कहने को तो यह क्षेत्र का सौ बिस्तरो वाला सबसे बडा हॉस्पिटल है,परंतु यहा हमेंशा संसाधनो की कमी मरीजो के लिए लंबे समय से समस्या बनी हुयी है। एक दशक से यहा सोनोग्राफी मशीन की मांग की जा रही थी,पिछले शासनकाल मे पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का शहर आगमन पर गांव के लोगो ने उनसे सिविल हॉस्पिटल मे सोनोग्राफी मशीन की सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की थी,जिसके बाद उन्होने तत्काल सिविल हॉस्पिटल को सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध करा दी,परंतु मशीन मिलने के बाद भी सिविल हॉस्पिटल मे आने वाले मरीजो को मशीन का लाभ नही मिल पाया। कारण यह था कि इसे ऑपरेट करने वाला ऑपरेटर की नियुक्ति के लिए हॉस्पिटल का दायरा छोटा है। ब्लाक चिकित्सा अधिकारी डॉ जेम्स मिंज ने सोनोग्रॉफी मशीन ऑपरेट करने के लिए ऑपरेटर की अनेक बार कागजो मे मांग की है,परंतु यह मांग कागजो तक ही अब भी सिमटी हुयी है।।

20 सालों से मरीजों को नही मिला लाभ-ःछ.ग. निर्माण के साथ ही सिविल हॉस्पिटल के नवनिर्मित भवन का शिलान्यास जोगी शासन काल मे रख दिया गया था,उस दौरान सिविल हॉस्पिटल को ग्रामीण क्षेत्र के मरीजो की असुविधा को देखकर सर्वसंपन्न संसाधनो से परिपूर्ण करने की रूपरेखा बनायी गयी थी,जिसके तहत तत्कालिक शासनकाल मे यहा 20 साल पूर्व सोनोग्राफी मशीन उपलब्ध करा दी थी,परंतु रेडियोलॉजिस्ट की पदस्थापना उस दौरान भी नही हो पायी,जिसके कारण दो दशक का समय बीतने के बाद भी सिविल हॉस्पिटल की मशीन अपने संचालक की बाट जोह रही है।

प्रबंधक का कर्मचारियों पर नियंत्रण नही-ःशहर का सिविल हॉस्पिटल मरीजो के लिए हमेंशा असुविधा का केन्द्र बना हुआ है,मरीज ईलाज कराने यहा पहुंचते तो जरूर है,परंतु उन्हे यहा पदस्थ डॉक्टर दूसरे शहर का रास्ता दिखा देते है। इसके पीछे बडी वजह यहा के प्रबंधक का अपने अधिनस्थ कर्मचारीयों पर नियंत्रण ना होना पहली वजह है। बताया जाता है कि हॉस्पिटल की बुनियादी सुविधाओ पर प्रबंधक द्वारा ध्यानाकर्षण कराने के बाद भी अधिनस्थ कर्मचारी योजना को पूरी करने मे अपनी दिलचस्पी नही दिखाते।।

--सी.एच.सी होने के कारण रेडियोलॉजिस्ट का पद यहा स्वीकृत नही है। यहा पदस्थ महिला डॉक्टर को मशीन ऑपरेट करने की टेऊनिंग दी गयी है,आने वाले समय मे उनका रजिस्टेऊशन होकर गर्भवती महिलाओ के साथ अन्य मरीजो को भी सोनोग्राफी की सुविधा मिलने लगेगी।

डॉ.जेम्स मिंज-ब्लाक चिकित्सा अधिकारी-पत्थलगांव

गणना पर्यवेक्षकों व सहायकों को द्वितीय चरण का प्रशिक्षण दिया

कांकेर, 30 मई । लोकसभा आम निर्वाचन-2024 के अंतर्गत कांकेर लोकसभा क्षेत्र में मतगणना कार्य के लिए आज अंतर्गत ई.व्ही.एम. तथा पोस्टल बैलेट के माइक्रो ऑब्जर्वर, गणना पर्यवेक्षकों, अतिरिक्त सहायक रिटर्निंग ऑफिसर एवं गणना सहायकों के द्वितीय चरण का प्रशिक्षण आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में दो पालियों में संपन्न हुआ। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अभिजीत सिंह ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मतगणना कार्य से संबंधित आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने मतगणना कार्य में संलग्न अधिकारियों से कहा कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष ढंग से मतगणना कार्य संपन्न हो इसके लिए यह आवश्यक है कि अपने-अपने कर्तव्यों का निर्वहन पूरी जिम्मेदारी एवं सतर्कता के साथ करें। जिला पंचायत के सभाकक्ष में सुबह 11 बजे से ई.व्ही.एम. से मतगणना की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान ईव्हीएम मशीनों के सभी टैग में अंकित आंकड़ों का मतपत्र लेखा के साथ मिलान करने एवं ईव्हीएम मशीनों से मतों की जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया के बारे में बताया गया। साथ ही व्हीव्हीपैट से मतगणना कार्य के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी गई। जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स ने मतगणना के पश्चात सभी निर्धारित प्रारूप में जानकारी प्रविष्टि की विधि एवं इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में भी उदाहरण सहित जानकारी दी।इसके पश्चात प्रशिक्षण कार्यक्रम के द्वितीय पाली में दोपहर 03 बजे डाक मतपत्र और ईटीपीबी के गणना पर्यवेक्षकों, गणना सहायकों को द्वितीय चरण का प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें गणना की प्रक्रिया और इस दौरान बरती जाने वाली सावधानियां व आवश्यक निर्देशों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

एक नजर

समर कैंप में बच्चों ने थियेटर में देखी श्रीकांत बोला की बायोपिक

रायगढ़, 30 मई। समर कैंप में बच्चों के बहुमुखी व्यक्तित्व विकास को ध्यान में रख विभिन्न रचनात्मक गतिविधियां करवाई जा रही हैं। इसी कड़ी में रायगढ़ जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग ने खास पहल करते हुए स्कूली बच्चों को ग्रैंड माल स्थित सिनेमाघर में श्रीकांत बोला पर बनी बायोपिक फिल्म दिखाई गई। जिले के अलग-अलग हिस्सों से पहुंचे स्कूली बच्चे भी श्रीकांत मूवी देख कर काफी उत्साहित नजर आए। फिल्म देखने के बाद कक्षा दसवीं की छात्रा स्मृति यादव ने कहा कि श्रीकांत बोला का जीवन अत्यंत प्रेरणादायक है। यह फिल्म दिखाती है कि हमें चुनौतियों से भागना नहीं चाहिए बल्कि डटकर उसका सामना करना चाहिए। सच्ची लगन से हम कोई भी मुकाम हासिल कर सकते हैं। किरोड़ीमल नगर के कक्षा दसवीं के छात्र सिमरन आदित्य ने बताया कि उन्हें यह पहल काफी अच्छी लगी। उन्होंने कहा कि श्रीकांत ने अपने अंधेपन को अपनी कमी न मानते हुए अपना सपना पूरा करने के लिए पूरी लगन से मेहनत की। उनका पूरा जीवन प्रेरणादायक है। सभी को यह फिल्म जरूर देखनी चाहिए। पुसौर के मोहनीश वर्मा ने कहा कि श्रीकांत बोला का जीवन यह सिखाता है कि परिस्थितियां जब आपके अनुकूल नहीं हो तो उनसे कैसे लड़ा जाता है। नटवर स्कूल की कक्षा दसवीं की छात्रा निशी मिश्रा ने कहा कि अपने सपनों को पूरा करने में किसी भी तरह की परेशानी और तकलीफ आए तो उसे सुलझा कर उसे आगे बढ़ना यह इस फिल्म में बहुत बेहतरीन तरीके से दिखाया गया है। सभी स्कूली छात्रों ने कलेक्टर श्री कार्तिकेया गोयल, सीईओ जिला पंचायत श्री जितेन्द्र यादव के प्रति प्रेरक व्यक्तियों पर आधारित फिल्म दिखाने की इस पहल के लिए आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि ग्रीष्मकालीन अवकाश में बच्चों के बहुमुखी विकास के लिए समर कैंप के माध्यम से उन्हें विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा इसके लिए उत्कर्ष भविष्य की उड़ान थीम के साथ कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। स्कूली छात्रों को प्रेरक फिल्म के माध्यम से हमारे आसपास के सफल व्यक्तित्व के जीवन के बारे में जानकारी दी जा रही है। जिससे बच्चे प्रेरित हों। इसी क्रम में रायगढ़, पुसौर, खरसिया, तमनार और घरघोड़ा के स्कूलों के करीब 220 बच्चों को श्रीकांत बोला फिल्म दिखाई गई।

दृष्टिहीन श्रीकांत चलाते हैं 150 करोड़ की कंपनी-बता दें कि श्रीकांत बोला एक दृष्टिहीन भारतीय उद्योगपति हैं। उन्होंने पूरे विश्व में प्रतिष्ठित अमेरिका की एमआईटी यूनिवर्सिटी में पहले दृष्टिहीन छात्र के रूप अपनी शिक्षा पूरी की। भारत लौट कर अपनी कंपनी बोलेंट इंडस्ट्रीज की शुरुआत की। जिसका टर्नओवर आज डेढ़ सौ करोड़ से ज्यादा का है। अपनी कंपनी वे सैकड़ों दिव्यांगों को रोजगार मुहैय्या करा रहे हैं।

दण्डाधिकारी जांच के लिए उपस्थित होने की सूचना

बीजापुर 30 मई । घटना दिनांक 12 मई 2024 को श्री लक्ष्मण ओयाम निवासी ग्राम बोड़गा उरगुण्डापारा अपने साथी श्री बोटी ओयाम पटेलपारा निवासी ग्राम बोड़गा के साथ तेंदूपत्ता फड़ में पत्ता पलटने गये थे उसी दौरान तेंन्दूपत्ता फड़ के पास गांव के श्री बुधराम ओयाम के खेत के किचड़ में प्रतिबंधित माओवादी नक्सली संगठन के सदस्यों द्वारा लगाये गये बम के अचानक विस्फोट होने से दोनों बच्चे को गंभीर चोट आई तथा अत्यधिक खून बहने के कारण दोनो बच्चे का मौके पर ही मौत हो गई। उक्त संबंध में कोई भी किसी तरह की जानकारी रखते हो तो न्यायालय अनुविभागीय दण्डाधिकारी भैरमगढ़ में 18 जून 2024 को उपस्थित होकर लिखित या मौखिक जानकारी साक्ष्य दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं।

विधानसभावार गणन अभिकर्ता नियुक्ति के लिए अंतिम तिथि 31 मई

रायगढ़, 30 मई। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल द्वारा लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत गणन अभिकर्ता की नियुक्ति के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश पूर्व में जारी किए गए है। जारी निर्देश के अनुसार लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 47 एवं निर्वाचनों का संचालन नियम, 1961 के नियम 52 के अनुसार गणन अभिकर्ता की नियुक्ति के संबंध में निम्नानुसार प्रावधान है।

मुरमुरा के रोजगार सहायक के खिलाफ परिवार वालों को लाभ पहुंचाने पर जिलाधीश से शिकायत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

राजिम,30 मई। पांडुका विकासखंड छूरा के अंतिम छोर में से ग्राम पंचायत मुरमुरा एक बार फिर सुर्खियों में है। इस बार रोजगार गारंटी के भुगतान को लेकर बड़ा गड़बड़ झाला सामने आया है जिसकी शिकायत मंगलवार को ग्राम पंचायत के चंद्रहास साहू ने कलेक्टर से की है और ग्राम पंचायत और रोजगार सहायक के खिलाफ 3 आवेदन दिय है।उन्होंने अपने शिकायत में बताया कि रोजगार सहायक गिरीश कुमार साहू में अपने परिवार वाले को लाभ पहुंचाने के लिए रोजगार गारंटी के भुगतान में कुछ अन्य ग्रामीणों को छोड़ अपने जान पहचान और परिवार के लोगो अधिक लाभ दिलाया है। जब की गांव के अधिकतर लोगों को भुगतान कम कर दिया यह रोजगार गारंटी का कार्य लगभग 2 साल पहले झरझरा नया तालाब में चला था ।साथ ही नाथूराम के खेत से चमार बहरा तक चले काम में अपने पिता का रोजगार गारंटी के तहत हाजिरी पूरा भर गया । जब कि गांव के अन्य मजदूरों का राशि दर कम किया गया साथ में पंचायत प्रतिनिधियों का राशि का पूरा पूरा भुगतान किया गया और यहां भी अन्य मजदूरों का काम का भुगतान कम कर दिया गया इस प्रकार अपने परिवार वालों और पंचायत प्रतिनिधियों को लाभ पहुंचाने के लिए रोजगार सहायक ने नियम को दरकिनार किया साथ ही ग्राम पंचायत द्वारा ग्राम के पुराना तालाब में रोजगार गारंटी के तहत पचरी निर्माण में मजदूरी कार्य प्रारंभ हुए बिना पचरी निर्माण का कार्य किया गया है। जो रोजगार गारंटी के नियम की विपरीत है। तथा ग्राम के रोजगार सहायक ने पशु शेड निर्माण अंतर्गत जिओ ट्रैकिंग नहीं होना बात कर ग्रामीणों से इसके लिए उच्च अधिकारियों को पैसा देना है। इसलिए हितग्राहियो से तीन तीन हजार की वसूली की है उसकी भी जांच कर कार्यवाही करने के लिए कलेक्टर का आवेदन दिया गया।

रोजगार सहायक गिरीश कुमार साहू ग्राम पंचायत,ग्राम मुरमुरा

ग्राम के लगभग 75 लोगों का ऐसे ही राशि बना है।केवल मेरे परिवार के लोगों का इसमें अधिक राशि बना है।ऐसा नहीं है ।ग्राम विकास समिति और ग्राम पंचायत सहमत है। लक्ष्मीकांत साहू कर आकर मूल्यांकन किए थे।पशु शेड निर्माण में कोई राशि वसूली नही किया गया है।निजी दुश्मनी की वजह से उन्होंने मेरे खिलाफ शिकायत की है।

मतगणना पर्यवेक्षक तथा मतगणना सहायकों को ईवीएम से मतगणना का दिया गया प्रशिक्षण

महासमुंद 30 मई । लोकसभा निर्वाचन 2024 की मतगणना कार्य में ईवीएम से मतगणना करने के लिए कलेक्टर एवं रिटर्निंग ऑफिसर श्री प्रभात मलिक द्वारा मतगणना पर्यवेक्षक तथा मतगणना सहायकों की नियुक्ति की गई है। जिन्हें जिला मुख्यालय में दो दिनों तक कुल तीन पालियों में प्रशिक्षण दिया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि मतगणना का कार्य बहुत ही जिम्मेदारी और सावधानीपूर्वक किया जाने वाला कार्य है। मतगणना कार्य में थोड़ी सी भी चूक नहीं होनी चाहिए इसके लिए यह जरूरी है कि आप सहज और सजग होकर अपना कार्य करें।जिला मास्टर ट्रेनर श्री तोषण गिरि गोस्वामी ने पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन तथा प्रायोगिक रूप से प्रशिक्षण देते हुए बताया कि जिले के चारों विधानसभा क्षेत्रों में 18 से लेकर 21 राउंड में मतगणना होगी। प्रत्येक राउंड में मतगणना टेबल पर संबंधित मतदान केंद्र का केवल कंट्रोल यूनिट लाया जाएगा। जिसके साथ मतपत्र लेखा 17 सी की मूल प्रति भी रहेगी।मतगणना प्रारंभ करने से पहले एड्रेस टैग, हरीपत्र मुद्रा आदि की जांच करने के बाद कंट्रोल यूनिट का स्विच ऑन किया जाएगा तथा टोटल बटन दबाकर डाले गए मतों की संख्या देखी जाएगी। इसके पश्चात पेपर सील तथा रिजल्ट सेक्शन के एड्रेस टैग को काटकर रिजल्ट बटन को दबाया जाएगा। इससे मशीन के डिस्प्ले सेक्शन में प्रत्येक अभ्यर्थी को प्राप्त मतों की संख्या क्रम से प्रदर्शित होने लगेगी। उन्होंने कहा कि मतगणना का कार्य पूर्ण रूप से पारदर्शिता पूर्वक किया जाने वाला कार्य है अतः डिस्प्ले सेक्शन में दिखाई दे रहे परिणाम को टेबल में तैनात मतगणना अभिकर्ताओं को भी दिखाया जाएगा। इस परिणाम को मतगणना पर्यवेक्षक द्वारा मतपत्र लेखा 17 सी के भाग दो में सावधानी पूर्वक लिखा जाएगा जिसमें अभिकर्ताओं का हस्ताक्षर भी कराना होगा।इसकी एक प्रति सहायक रिटर्निंग ऑफिसर के टेबल में प्रविष्टि के लिए भेज दी जाएगी तथा दूसरी प्रति की फोटो कॉपी कराने के बाद प्रत्येक अभिकर्ताओं को एक-एक प्रति प्रदान की जाएगी।

ऊर्जा प्रधान ग्रह नक्षत्रों ने किये मौसम के तेवर तीखे :पं.आनंद

पत्थलगांव, 30 मई। इन दिनों पड़ रही रिकार्ड तोड गर्मी का कारण मौसम वैज्ञानिक भले ही ग्लोबल वार्मिंग बता रहे है,लेकिन ज्योतिषविदो का कहना है कि आकाश मंडल मे उर्जा प्रधान ग्रह नक्षत्रो के प्रबल होने से इन दिनो सूर्य का रौद्र रूप बना हुआ है। भीषण गर्मी के प्रकोप से बचने के लिए ज्योतिषविद जल सत्याग्रह अभियान से जुडने की बात कह रहे है। नौतपा की शुरूवात के साथ ही सूर्य के रौद्र रूप से इन दिनो लोग खासे परेशान हो रहे है। तापमान मे अत्यधिक वृद्धि के कारण हॉस्पिटल मे भी मरीजो की संख्या बढ रही है। ज्योतिषशास्त्र के जानकारो का कहना है कि आकाश मंडल के ऊर्जा प्रधान ग्रह नक्षत्रो के चलते ही मौसम के तेवर तीखे बने हुये है। आकाश मंडल मे विभिन्न ग्रहो की उपस्थिती के चलते ही तापमान मे अत्याधिक वृद्धि बनी हुयी है। यहा के प्रमुख ज्योतिषविद पं.आनंद शर्मा का कहना है कि यह स्थिति तब तक बनी रहेगी जब तक आकाश मंडल मे उर्जा के कारक ग्रह विद्यमान रहेंगे। उन्होने कहा कि पंचाग के अनुसार इस वर्ष जिस तरह तेज गर्मी पड रही है उसी तरह आने वाले मानसून मे बारिश की अच्छी स्थिती के साथ किसानो की फसल के लिए बेहतर योग बनता दिखायी दे रहा है। पं.आनंद शर्मा ने कहा कि ज्योतिष शास्त्र मे सूर्य की तपन व तेज गर्मी का निर्धारण गोचर मे ग्रहो की स्थिती और प्रतिदिन आकाश मे विद्यमान रहने वाले नक्षत्रो के आधार पर होता है,उन्होने कहा कि पंचाग गणना के बाद ग्रह व नक्षत्र से गर्मी बढने और कम होने के स्पष्ट संकेत मिल जाते है।

गर्मी ने बाहर निकलना किया मुश्किल-:आज पारा 44 डिग्री सेल्सियस के उपर चला गया है,ऐसे मे लोगो का घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है,महिला व युवतियां धूप से बचने के लिए स्कार्फका सहारा ले रही है। पं.आनंद शर्मा का कहना है कि हिंदु संवत्सर 2081 का राजा शुक्र है,यह ग्रह भी तापमान बढाने का कारक माना जाता है। मौजुदा समय मे शुक्र अभी गोचर मे उच्च स्थान का चल रहा है,उसके अलावा मंगल ग्रह का स्वग्रही होकर शनि के साथ होना भी गर्मी और गर्म हवाओ का कारक बन जाता है,इस तरह देखा जाये तो 3 ग्रह सूर्य,शुक्र व मंगल तापमान बढाने का काम कर रहे है।।

स्वास्थ्य का रखे ख्याल-:पं.आनंद शर्मा ने बताया कि 3 ग्रह सूर्य,शुक्र और मंगल के अलावा गर्मी का प्रकोप बढाने मे कई अन्य नक्षत्र भी अपना काम कर रहे है,पंचाग गणना के अनुसार 10 जून तक गर्मी का प्रकोप बना रहेगा। मौजुदा ग्रह व नक्षत्रो का संकेत से साफजाहिर हो रहा है, जून माह के प्रथम सप्ताह मे तेज गर्मी व गरम हवा भी लोगो को परेशान कर सकती है। उससे उमस बढने के बाद ही बारिश के छींटे पड सकते है। पं.आनंद शर्मा का कहना था कि इस मौसम मे छोटे बच्चो और बुजुर्गो के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।।

मतगणना की तैयारियों का जायजा लेने स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचे सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

रायगढ़, 30 मई। लोकसभा निर्वाचन-2024 के तहत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतगणना आगामी 4 जून को होना है। जिसके तहत कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल के निर्देशन में आज अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी रायगढ़ श्री राजीव कुमार पाण्डेय ने स्ट्रांग रूम तथा मतगणना केंद्र की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान निर्वाचन आयोग द्वारा स्ट्रांग रूम तथा मतगणना केंद्र की व्यवस्था के निरीक्षण हेतु नामांकित सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री अरविंद शर्मा भी उपस्थित रहे। निरीक्षण के दौरान अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने स्ट्रांग रूम से मतगणना कक्ष तक आवाजाही हेतु कॉरिडोर में बेरिकेटिंग एवं आवश्यक सुरक्षा संबंधी व्यवस्था समेत सभी तैयारियां समय से पूर्ण करने के निर्देश पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को दिए। उन्होंने मतगणना हेतु विधान सभावार बनाए गए मतगणना कक्ष का निरीक्षण करते हुए मतगणना कक्ष में मतगणना टेबलए बैठक व्यवस्था के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मतगणना कक्ष में व्यवस्थित तरीके से तार की जालियां लगाने एवं बाहर से बेरिकेट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयोग के निर्देशानुसार गणना अभिकर्ता की बैठक व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय द्वारा तीनों जिलों के पोस्टल बैलेट के गणना हेतु बनाए गए कक्ष के टेबल का अवलोकन भी किया। इस दौरान सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री शर्मा ने विधान सभावार प्रत्याशी, गणना एजेंट रूट एवं स्ट्रॉन्ग रूम से मतगणना कक्ष में मशीनों के मूवमेंट रूट की जानकारी ली। अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने जानकारी दी कि प्रत्याशियों एवं गणना अभिकर्ता के आवाजाही को सहज बनाने सुरक्षा बलों के साथ विधान सभाओं के गणना कक्ष के अलग प्रवेश द्वार तथा अन्य विधान सभाओं के कॉरीडोर में बेरिकेट्स लगाए जा रहे है। उन्होंने सुरक्षा बलों को निर्देशित किया की बिना प्रवेश पत्र के मतगणना दिवस पर प्रवेश न दिया साथ ही मोबाइल एवं इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस की जांच करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने मीडिया सेंटर के संबंध में जानकारी ली। पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बताया गया कि केआईटी कॉलेज परिसर में भवन के सामने मीडिया सेंटर के साथ उद्घोषक कक्ष बनाया जा रहा है। जहाँ पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मीडिया को मतगणना के संबंध में आवश्यक जानकारी दी जाएगी। इस दौरान वे मॉनिटरिंग कक्ष भी पहुंचे, अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय एवं सहायक मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी श्री शर्मा ने स्ट्रॉन्ग रूम के सीसीटीवी कैमरों के लगातार किए जा रहे डिस्प्ले का अवलोकन किया। अपर कलेक्टर श्री पाण्डेय ने बताया कि डिस्प्ले राजनीतिक दल के प्रतिनिधियों और आम जन के अवलोकन के लिए टीवी में लगातार डिस्प्ले किया जा रहा है, जिसका अभ्यर्थी एवं उनके निर्वाचन अभिकर्ता तथा मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि भी निर्धारित स्थल में उपस्थित होकर अवलोकन कर सकते हैं।इस अवसर पर एआरओ रायगढ़ श्री प्रवीण तिवारी, डीएसपी श्री अखिलेश कौशिक, नायब तहसीलदार श्री हरनंदन बंजारे, एसडीओ पीडब्ल्यूडी श्री नायक, श्री फकीर मोहन षडंगी सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहें।अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजीव कुमार पाण्डेय ने बताया कि विधानसभावार गणन अभिकर्ता नियुक्ति हेतु अंतिम तिथि 31 मई निर्धारित की गई है। गणन अभिकर्ता के नियुक्ति हेतु प्रारूप 18, अभ्यर्थियों अथवा उनके निर्वाचन अभिकर्ताओं के द्वारा रिटर्निंग ऑफिसर को 2 प्रतियों में गणन अभिकर्ताओं की फोटो सहित मतगणना तिथि के 3 दिन पूर्व तक प्रस्तुत की जा सकेंगी। रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा ऐसे प्रत्येक गणन अभिकर्ता के लिए पहचान पत्र तैयार कर अभ्यर्थी को प्रदान किया जाएगा। मतगणना अभिकर्ताओं को मतगणना में भाग लेने के लिए आने के समय अपने नियुक्ति पत्र के साथ उन पहचान पत्रों को प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। गणन अभिकर्ता की नियुक्ति हेतु प्रारूप-18, स्वयं अभ्यर्थी द्वारा या उसके निर्वाचन अभिकर्ता द्वारा ही रिटर्निंग ऑफिसर के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। आयोग द्वारा जारी हेण्ड बुक में उल्लेखित पदाधिकारी एवं सुरक्षा प्राप्त व्यक्तियों से भिन्न व्यक्ति ही गणन अभिकर्ता के लिए पात्र होंगे। यदि गणन अभिकर्ता की नियुक्ति प्रारूप-19 में निरस्त करना हो तो भी यह आवेदन रिटर्निंग ऑफिसर को प्रस्तुत किए जायेंगे और इनके स्थानापन्न की नियुक्ति हैण्ड बुक फॉर काउंटिंग एजेन्ट-2023 की कंडिका 3.5.2 के अनुसार की जाएगी। लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र 02-रायगढ़ (अजजा) अंतर्गत सभी विधानसभा क्षेत्र के पोस्टल बैलट की गणना केआईटी गढ़उमरिया में प्रातः 8 बजे से 10 टेबल में की जाएगी, विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 15-लैलूंगा, 16-रायगढ़, 18-खरसिया एवं 19-धरमजयगढ़ के ईवीएम की मतगणना केआईटी महाविद्यालय गढ़उमरिया रायगढ़ में 4 जून को प्रातः 8. 30 बजे से 14-14 टेबल में की जाएगी। उक्त चारों विधानसभा क्षेत्रों के 14-14 टेबल तथा पोस्टल बैलेट कक्ष के 10 टेबल हेतु गणन अभिकर्ता की नियुक्ति के लिए प्रारूप-18 को 2 प्रतियों में गणना अभिकर्ता के फोटो सहित गणना के 3 दिन पूर्व तक स्वयं अभ्यर्थी अथवा निर्वाचन अभिकर्ताओं द्वारा न्यायालय कलेक्टर, रायगढ़ कक्ष क्रमांक 2 में फोटो सहित प्रस्तुत करना होगा। नियत समयावधि के पश्चात गणन अभिकर्ता की नियुक्ति किया जाना संभव नहीं होगा।

मतगणना के लिए गणना सुपरवाइजरों, सहायक एवं माइक्रो आब्जर्वर को दिया गया प्रथम चरण का प्रशिक्षण

बीजापुर 30 मई । लोकसभा निर्वाचन 2024 के तहत मतगणना कार्य के लिए कलेक्टोरेट स्थित इन्द्रावती सभाकक्ष में गणना सुपरवाईजर, सहायकों तथा माइक्रो ऑब्जर्वर को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुराग पाण्डेय की मौजूदगी में आयोजित प्रशिक्षण में उपस्थित सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्वाचन आयोग के नियमों के तहत पूरी सतर्कता से त्रुटिरहित मतगणना दायित्व को निर्वहन करने के निर्देश दिए। मतगणना हेतु कंट्रोल यूनिट का हेण्ड्स ऑन भी करवाया गया।प्रशिक्षण को संबोधित करते हुए कलेक्टर ने सभी अधिकारी-कर्मचारियों से कहा कि निर्वाचन दायित्व में मतगणना कार्य भी महत्वपूर्ण है इस दायित्व को निभाने के लिए जो अवसर मिला है, उसे समन्वय एवं तालमेल के साथ संपन्न करने के लिए प्रशिक्षण में बताए गए नियमों एवं निर्देशों को गंभीरतापूर्वक समझें और प्रत्येक बारिकी को सीखें, ताकि अपने निर्धारित दायित्वों को पूरी तत्परता से निर्वहन कर सकें।किसी भी प्रकार की शंका होने पर बेझिझक सवाल करें और पूर्ण रूप से प्रशिक्षित होकर दिए गए दायित्वों का निर्वहन निष्पक्ष और पारदर्शिता के साथ करें। बीजापुर जिले के मात्र विधानसभा 89 बीजापुर के ईव्हीएम मतों की गणना 14 टेबल में किया जाएगा।मास्टर ट्रेनर्स द्वारा मतगणना के पूर्व की तैयारी, मानव संसाधन एवं अन्य जरूरी संसाधनों की व्यवस्था, इव्हीएम से मतगणना की प्रक्रिया, मतगणना व्यवस्था सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। मतगणना दिवस के दिन स्ट्रांग रूम और मतगणना कक्ष में अपेक्षित नियमों के पालन के बारे में बताया गया। प्रशिक्षण में कंट्रोल यूनिट के मतों की गणना की संपूर्ण प्रक्रिया को सरलता से समझाया गया। वहीं मतगणना दलों के शंकाओं का समाधान किया गया। इस दौरान संयुक्त कलेक्टर श्री कैलाश वर्मा, सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री जागेश्वर कौशल,उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री नारायण प्रसाद गवेल, डिप्टी कलेक्टर श्री उत्तम सिंह पंचारी, श्री विकास सर्वे मास्टर ट्रेनर श्री रहंगडाले सहित अधिकारी कर्मचारी मास्टर ट्रेनर्स इत्यादि उपस्थित थे।

दण्डाधिकारी जांच के लिए 18 जून को उपस्थित होने की सूचना

बीजापुर 30 मई। 27 फरवरी 2024 को थाना जांगला क्षेत्रान्तर्गत ग्राम छोटे तुंगाली एवं इचावारी गुट्टा के मध्य जंगल में पुलिस-नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ जिसमें 01 नग अज्ञात पुरूष नक्सली के शव सहित नक्सल साहित्य, भरमार बंदूक एवं अन्य हत्यार बरामद किया गया। इसी तरह 21 अप्रैल 2024 को थाना भैरमगढ़ अंतर्गत ग्राम केशकुतुल के मध्य जंगल पहाड़ में पुलिस-नक्सलियों के बीच हुई मुठभेड़ जिसमे 01 नग अज्ञात पुरूष नक्सली के शव सहित नक्सल साहित्य, एवं अन्य हत्यार बरामद किया

जय मां महिला खाद्य सुरक्षा पोषण समिति तत्काल प्रभाव से निलंबित

रायगढ़, 30 मई। जिला खाद्य अधिकारी, रायगढ़ ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर पालिक निगम रायगढ़ क्षेत्र में संचालित शासकीय उचित मूल्य दुकान क्रमांक 411001081 पंजरी प्लांट रायगढ़ के संचालन एजेंसी जय मां महिला खाद्य सुरक्षा पोषण समिति के अध्यक्ष श्रीमती कमला बाई साहू एवं श्री देव साहू सचिव/विक्रेता के द्वारा लोकसभा निर्वाचन 2024 में जारी आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करते पाये जाने पर उन्हें जारी कारण बताओ नोटिस की तामिली उपरांत नियत समय 3 दिवस के भीतर समक्ष में उपस्थित होकर जवाब प्रस्तुत किया जाना था।किन्तु उनके द्वारा 28 मई 2024 तक जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया।

उक्त लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता पूर्ण कृत्य के लिए उन्हें उत्तरदायी मानते हुए संचालन एजेंसी जय मां महिला खाद्य सुरक्षा पोषण समिति पंजरी प्लांट, रायगढ़ को तत्काल प्रभाव से निलंबित

सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल एक साल के लिए जिला बदर

रायगढ़, 30 मई । कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी श्री कार्तिकेया गोयल ने 27 मई 2024 को आदेश जारी कर सज्जी फिलिप, पिता-थामस फिलिप, उम्र-27 वर्ष, निवासी-लोचन नगर, चक्रधरनगर जिला-रायगढ़ तथा सूर्या पाण्डेय, पिता-जगदीश पाण्डेय, उम्र-28 वर्ष, निवासी-बंगलापारा थाना-चक्रधरनगर, जिला-रायगढ़ एवं मुकेश अग्रवाल पिता-किशोरी लाल अग्रवाल, उम्र-44 वर्ष, निवासी-छपरीगंज, खरसिया जिला-रायगढ़ को एक साल के लिए जिला बदर कर दिया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3 एवं 5 (क) एवं (ख)के तहत जिला दण्डाधिकारी न्यायालय में चल रहे न्यायिक प्रकरण में यह आदेश पारित किया है। आदेश में उल्लेख है कि जब तक यह आदेश लागू रहेगा सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल को चौबीस घंटे के भीतर जिला-रायगढ़ तथा समीपवर्ती जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, बलौदा बाजार, महासमुंद, जांजगीर-चाम्पा, कोरबा एवं जशपुर जिले के क्षेत्र से एक वर्ष के लिए बाहर जाना होगा। सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल को उक्त अवधि में बिना वैधानिक अनुमति लिए इन जिलों की सीमा में प्रवेश नहीं करना है। इस आदेश का तुरंत पालन किया जाना होगा। पालन नहीं करने पर सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल के विरूद्ध वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। गौरतलब है कि पुलिस अधीक्षक रायगढ़ द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के आधार पर यह पाया गया कि सज्जी फिलिप वर्ष 2016 से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त है और अपने साथियों के साथ मिलकर गुण्डागर्दी, गाली-गलौज कर मारपीट कर चोट पहुंचाना, जान से मारने की धमकी देना जैसे अपराध घटित करते आ रहा है। सज्जी फिलिप के विरूद्ध थाना चक्रधर में कई आपराधिक प्रकरण दर्ज है। उक्त कार्यवाहियों के बावजूद सज्जी फिलिप का दुस्साहस बढ़ता गया और उसके आचरण में कोई सुधार नहीं मुकेश अग्रवाल अपने साथियों के साथ मिलकर लगातार आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहकर मारपीट, बलवा, हत्या जैसे गंभीर अपराध करते आ रहा है। मुकेश अग्रवाल के विरूद्ध थाना खरसिया के अंतर्गत वर्ष 2008 से 2017 तक विभिन्न आपराधिक प्रकरणों में चालानी कार्यवाही की गई है। मुकेश अग्रवाल एक अत्यंत दुस्साहसिक एवं गुण्डा प्रवृति का है। उनके आपराधिक कृत्यों से आम जनता भयभीत होकर अपने आप को असुरक्षित महसूस कर रही है। इसके आपराधिक कृत्यों में विधिक तरीके से कार्यवाही किए जाने के बावजूद सुधार की कोई अन्य विकल्प नहीं होने से छत्तीसगढ़ राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 की धारा 3(1)(क) (ख)एवं 5 (क)(ख)के अंतर्गत कार्यवाही अमल में लाया जाना नितांत आवश्यक हो गया है। पुलिस अधीक्षक रायगढ़ द्वारा मुकेश अग्रवाल के विरूद्ध छ.ग.राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करने हेतु प्रतिवेदन प्रेषित किया गया है। जिसके पश्चात कलेक्टर व जिला दण्डाधिकारी श्री गोयल ने आदेश पारित किया कि अनावेदक लगातार अपराधिक कृत्य में संलग्न होकर अपराधिकृत प्रवृत्ति का व्यक्ति है जिससे कानून व्यवस्था एवं लोक व्यवस्था पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। अत~ राज्य सुरक्षा अधिनियम के उक्त प्रावधान के तहत उसे जिले से निष्कासित किए जाने का पर्याप्त कारण है। अत~ राज्य की सुरक्षा व कानून व्यवस्था को बनाये रखने के लिए सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल को इस जिला तथा समीपवर्ती जिलों से निष्कासित किया जाना अति आवश्यक हो गया है। अतएव सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल को रायगढ़ जिले तथा समीपवर्ती जिले सारंगढ़-बिलाईगढ़, सक्ती, बलौदा बाजार, महासमुंद, जांजगीर-चाम्पा, कोरबा एवं जशपुर जिले की सीमाओं से एक वर्ष की अवधि के लिए निष्कासित किया जाता है। सज्जी फिलिप, सूर्या पाण्डेय एवं मुकेश अग्रवाल को आदेश पारित होने के 24 घंटे के भीतर उक्त जिलों की सीमा से बाहर जाना होगा।

माहवारी स्वच्छता और प्रबंधन पर जनजागरुकता के लिए मनाया गया मासिका महोत्सव

रायगढ़, 30 मई। विश्व मासिक धर्म स्वच्छता दिवस के अवसर पर तमनार ब्लॉक के ग्राम पंचायत कोड़केल में मासिका महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव का आयोजन का उद्देश्य लोगो को माहवारी स्वच्छता को लेकर जागरूक करना है। कार्यक्रम में लगभग 350 महिलाएं और बच्चे शामिल हुए। शिविर में सभी की स्वास्थ्य जांच की गई। विशेषकर किशोरियों की एचबी टेस्ट किए गए। हिंडाल्को के सहयोग से 18 पंचायत में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इस दौरान आज कोडकेल के सभी घरों में मटका इनसिनेरेटर लगाया जाएगा और कोडकेल को शत-प्रतिशत माहवारी स्वच्छता प्रबंधन अनुकूल पंचायत बनाया जाएगा। कार्यक्रम में रेड डॉट चैलेंज का हिस्सा बनकर सभी लोगों ने इस मुहिम को घर-घर पहुंचाने की शपथ ली। मौके पर 5 बच्चियों को उनके प्रथम माहवारी पर उनका फूलमाला से स्वागत करते हुए पैड भेंट किया गया। ये पूरा अभियान जिला प्रशासन रायगढ़, जनपद पंचायत तमनार और हिंडाल्को प्रबंधन के सहयोग तथा नव सृजन शिक्षा एवं जन सेवा समिति रायगढ़ द्वारा पावना टीम के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। कार्यक्रम में कोड़केल की सरपंच श्रीमती रमिला सिदार ने अपने गांव को शत-प्रतिशत माहवारी स्वच्छ बनाने हेतु सहयोग के लिए और लोगों को जागरूक करने के लिए नव सृजन टीम और हिंडाल्को प्रबंधन की सराहना की। यूनिट हेड हिंडाल्को द्वारा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सतत फालोअप की आवश्यकता बताई और इस कार्यक्रम में जुड़े पूरी टीम को धन्यवाद ज्ञापित किया। मोनिका इजारदार ने बताया कि पावना की शुरुआत वर्ष 2021 में की गई थी जो अब पूरे जिले में एक महाअभियान का रूप ले चुकी है। इसकी शुरुआत मुख्य रूप से कोरोना काल में महिलाओं तक पैड पहुंचाने के साथ हुई थी जो अब गांव-गांव तक पहुंच चुका है। उन्होंने बताया कि रायगढ़ जिले में माहवारी स्वच्छता प्रबंधन को 100 प्रतिशत आच्छादन के लिए हिंडाल्को इंडस्ट्रीज लिमिटेड गारे पेलमा माइंस क्षेत्र मिलुपारा के सस्टेनिबिलिटी एवं सीएसआर का सहयोग लेकर 18 ग्राम पंचायतों के 42 गांव व पारा या टोला में बसे कुल 5470 घरों में निवासरत 23175 लोगों जिनमे 11005 महिलाएं, 11150 पुरुष, 794 किशोर व 1020 किशोरियां है।

गले की समस्या से जूझ रहे पत्रकार दीपक यादव के इलाज में आगे मदद और शासन से सहायता राशि दिलाने के लिए विधायक संगीता सिन्हा ने दिया आश्वासन

बोलीं- आचार संहिता हटते ही पहला काम आपका करवाऊंगी

हालात बताते रो पड़ी पत्रकार की पत्नी माधुरी तो गले लगा कर विधायक बोली-चिंता मत करो

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद/गुरुर, 30 मई। ग्राम जगन्नाथपुर के रहने वाले एक पत्रकार दीपक यादव का हाल ही में गले का दो ऑपरेशन हुआ है। जिसका वे विगत 22 अप्रैल 2024 से इलाज करवा रहे हैं। उनके गले में मवाद जमा होने और टांसिल की समस्या थी। जिसका इलाज जारी है और आगे सर्वाइकल स्पाइन (रीढ़ की हड्डी में नस दबने से) संबंधित भी इलाज होना है। इस संबंध में उनका दुर्ग के गला रोग विशेषज्ञ के अस्पताल में इलाज चल रहा है। इसके अलावा ऑपरेशन के बाद घर पर भी इलाज जारी है। लंबे समय से चल रहे इलाज के चलते परिवार को आर्थिक मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। तो वही कई लोगों ने इंसानियत दिखाते हुए सहयोग करके इलाज में मदद भी की है। शासन प्रशासन से मदद की आस के साथ पत्रकार दीपक यादव की पत्नी माधुरी यादव ने संजारी बालोद विधानसभा क्षेत्र की विधायक संगीता सिन्हा को जगन्नाथपुर में सेन समाज के कार्यक्रम में आगमन के दौरान ज्ञापन सौंपा और उन्हें विधायक निधि से शासन से मदद दिलाने की मांग की। विधायक संगीता सिन्हा ने मौके पर संवेदनशीलता के साथ उनकी बातों को सुना और पत्रकार दीपक के बारे में हालचाल पूछा।

रो पड़ी पत्नी तो विधायक ने गले लगाया: पति का अस्पताल गए होने और अब तक के हालात बताते हुए पत्नी माधुरी मौके पर रो पड़ी तो विधायक ने तत्काल उन्हें गले से लगा लिया और ढांढस बंधाते हुए कहा कि चिंता मत करो, मैं हूं ना। मैं संभाल लूंगी। आचार संहिता हटने के बाद सबसे पहला काम आपका ही कराऊंगी। मुझे मामले की जानकारी मिल चुकी थी। शासन प्रशासन और अपनी ओर से जल्द से जल्द मदद दिलाने और आगे इलाज में भी हर संभव सहयोग करने का आश्वासन विधायक संगीता सिन्हा ने दिया। जिसके लिए पत्रकार की पत्नी माधुरी यादव ने उनका आभार जताया। इस दौरान जगन्नाथपुर के सरपंच अरुण साहू, सांकरा के सरपंच वारुणी शिवेंद्र देशमुख, विधायक प्रतिनिधि कमलेश श्रीवास्तव और अन्य मौजूद रहे। सभी ने माधुरी यादव की मांग को जायज बताते हुए शासन प्रशासन से जल्द मदद दिलवाने की बात कही।

18 पेज का दी है आवेदन के साथ इलाज का पूरा विवरण: माधुरी यादव ने मदद करने के लिए विधायक को दिए ज्ञापन में आवेदन के साथ कुल 18 पेज का पूरा विवरण दी है। जिसमें दीपक यादव और उनके परिवार को हो रही परेशानी, डॉक्टर्स की रिपोर्ट,सिटी स्कैन रिपोर्ट,एमआरआई, इलाज में हुए खर्चों का पूरा जिक्र है। माधुरी ने बताया कि वह जगन्नाथपुर में सरस्वती शिशु मंदिर में अध्यापन का कार्य करती हूं। गरीबी रेखा के तहत जीवन यापन करते हैं। मेरे पति दीपक यादव स्वतंत्र पत्रकारिता (डेली बालोद न्यूज में) करते हैं। जो कि 2007 से श्रमजीवी पत्रकार हैं। विगत 22 अप्रैल 2024 से उनके जीभ में छोटा सा छाला होने के बाद गले में अचानक मवाद जमा होने से आहार और श्वास नली अवरुद्ध हो गया इसके इलाज हेतु दुर्ग के गला रोग विशेषज्ञ डॉक्टर मयूरेश वर्मा (एसवीएम अस्पताल) ले गए थे। जहां दुर्ग के सेंटर में सीटी स्कैन, एमआरआई और अन्य जांच उपरांत रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि उनके गले में मवाद का गोला बन चुका है साथ ही टॉन्सिल बाएं साइड से काफी बड़ा हो चुका है और सरवाइकल स्पाइन की भी समस्या है। जिससे गर्दन के पीछे हड्डियों और नसों को काफी नुकसान पहुंचा है।

अब तक खाना नहीं खा पाते, लिक्विड और ड्रिप के भरोसे जिंदगी

22 अप्रैल से वे भोजन ग्रहण नहीं कर पा रहें हैं। दवाई, दूध, दाल पानी के भरोसे हैं। आगे उनका सरवाइकल स्पाइन (रीढ़ की हड्डियों के बीच नस दबने से संबंधित) का इलाज भी होना है। जिसमें पांच से छह महीने तक दवाई से इलाज चलेगा। इस बीच नस की समस्या ठीक नही हुई तो उसका भी ऑपरेशन करना पड़ेगा। इन सबमें करीब पांच लाख तक खर्च आ सकता है। मैं गरीबी रेखा के तहत जीवन यापन करती हूं। हमारे घर में पति के अलावा और कोई पुरुष सदस्य कमाऊ नहीं है। इलाज में काफी खर्च हो जाने से आगे आर्थिक समस्या आ रही है। इसलिए मेरी समस्याओं पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करके मुझे विधायक निधि से सहयोग/सहायता राशि दिलाया जाए।

लास्ट स्टेज में पहुंचे थे अस्पताल, जान बचना था मुश्किल : जब उन्हें अस्पताल ले गए थे तो वे सांस लेने में भी दिक्कत महसूस कर रहे थे। मवाद के गोले के कारण आहार और सांस नली दोनो बंद हो रहे थे। लास्ट स्टेज में होने के कारण तत्काल डॉक्टर ने उन्हे एडमिट किया और इलाज शुरू किया।

आयुष्मान कार्ड में नही टॉन्सिल के इलाज का पैकेज : चूंकि टॉन्सिल के इलाज का पैकेज आयुष्मान कार्ड में नहीं था इसलिए स्वयं के खर्चे पर इलाज करवाना पड़ा। अचानक पैसों की व्यवस्था नहीं होने से लोगों से उधारी लेकर काम चलाना पड़ा। इस बीच 25 अप्रैल से 13 मई के बीच उनके (दीपक यादव) गले का दो ऑपरेशन हुआ। पहला मवाद निकालने का और दूसरा टॉन्सिल का। जिसमें अब तक करीब सवा लाख तक खर्च आ चुका है। आगे इलाज जारी है। प्रति मंगलवार को उन्हें अस्पताल शिफ्ट किया जाता है। घर पर भी ड्रिप, दवाई आदि के जरिए इलाज जारी है। टॉन्सिल का दूसरा ऑपरेशन बड़ा था इसलिए उन्हे खाने पीने में भी दिक्कत है।

1 महीने 1 हफ्ते से जारी है जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष

दीपक करीब 1 महीने 1 हफ्ते से जारी है जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मैसेज करके बता रहे अपनी कहानी, करीब 1 महीने तक तो बोल भी नहीं पा रहे थे। आपको बता दें कि दीपक यादव करीब 1 महीने तक बोल भी नहीं पा रहे थे। वहीं वर्तमान में भी वे भोजन ग्रहण करने की स्थिति में नहीं है। ड्रिप, दवाई और लिक्विड आहार जैसे दूध, दाल पानी, साबूदाना के भरोसे चल रहे हैं। उन्हें इलाज कराते एक महीने एक हफ्ते से ज्यादा दिन हो चुके हैं। इस बीच लोगों द्वारा भी उनकी काफी मदद की गई है। बोल ना पाने की स्थिति में उन्होंने अपनी भावनाएं सोशल मीडिया के जरिए भी लोगों तक पोस्ट करके पहुंचाई है और अपनी जिजीविषा की कहानी बताई है कि कैसे वे हालातो का सामना कर रहें और लोगों के सहयोग, दुआओं और प्रार्थनाओं से उन्हें ताकत मिल रही है। दीपक ने मैसेज करके बताया कि कितना कठिन होता है जुबान होकर भी बोल न पाना, कितना मुश्किल होता है खाना होकर भी ना खा पाना। 1 महीने बाद वे अब धीरे-धीरे बोलने की कोशिश कर रहें। पर अभी भोजन ग्रहण करने की स्थिति में नहीं आए हैं। टॉन्सिल का दूसरा ऑपरेशन काफी बड़ा होने के कारण आहार नली का घाव भरने में समय लग रहा है।

जिजीविषा ने बढ़ाया है हौसला

उन्होंने भावुक होकर मैसेज के जरिए कहा कि एक पत्रकार का जीवन सार्वजनिक होता है। लोगों की समस्याओं के लिए वे हमेशा आवाज उठाते रहे हैं। आज उन पर मुसीबत आई तो लोगों ने भी संवेदनशीलता से उनका साथ दिया जिससे वे खुद को अकेला महसूस नहीं करते। जिजीविषा जिसका मतलब जीने की असीम इच्छा होती है इस सोच और भाव ने उन्हें अब तक सकारात्मक ऊर्जा प्रदान की है और जिंदा रखा है। एक पत्रकार होने के नाते अपना जीवन तभी सार्थक समझता हूं जो समाज के काम आए और समाज भी मुझे करीब से समझे। शायद यही वजह रही कि मुझ पर मुसीबत आई तो सब मेरा साथ देने के लिए आगे आ गए। जिन्हें मैं जानता तक नहीं ऐसे लोगों ने भी मुझे मदद की है। डॉक्टर की टीम से लेकर दवा और दुआ के साथ आर्थिक सहयोग करने वालों को मैं धन्यवाद देता हूं। बोल नहीं पा रहा लेकिन कई भावनाएं उनके भीतर है। इसलिए वे पोस्ट करके अपने मन की बातें रखते आ रहे हैं।

डॉक्टर बोले 15 दिन और लग सकते हैं आहार नली ठीक होने में: 28 मई मंगलवार को डॉक्टर मयूरेश वर्मा ने उन्हे गला (आहार नली) पूरी तरह ठीक होने में करीब 15 दिन और लगने की बात कहते हुए दवाई दी है। शासन प्रशासन से मदद मिलने में फिलहाल देर है जिसके चलते लोगों के सहयोग राशि से ही इलाज को जारी रखे हुए हैं।

एक नजर

उत्कृष्ट अंक अर्जित करने वाले दृष्टि-बाधित विद्यार्थी खेमलाल व प्रियांशु का किया कलेक्टर ने सम्मान

बालोद, 30 मई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल ने आज संयुक्त जिला कार्यालय अपने कक्ष में जिले के गुण्डरदेही विकास खण्ड के दिव्यांग विद्यार्थियों के विशेष आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र कचान्दुर के विद्यार्थी खेमलाल यादव एवं प्रियांशु सोनकर को स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय है कि विशेष आवासीय प्रशिक्षण केन्द्र कचान्दुर के विद्यार्थी खेमलाल यादव ने कक्षा 12वीं कला संकाय में 77.04 प्रतिशत अंक तथा प्रियांशु सोनकर ने 82.02 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण हुए है। जो कि दोनों दृष्टि बाधित विद्यार्थी के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इस अवसर पर दृष्टि बाधित विद्यार्थी खेमलाल यादव ने मौके पर उपस्थित अधिकारी-कर्मचारियों के सामने सु-मधुर गीत की प्रस्तुति सभी को भावविभोर कर दिया। कलेक्टर चंद्रवाल ने दृष्टि बाधित विद्यार्थी खेमलाल सु-मधुर गीत की प्रस्तुति तथा उनके उत्कृष्ट प्रतिभा की भूरी-भूरी सराहना की। कलेक्टर ने इन दोनो विद्यार्थियों को उनके द्वारा निर्धारित किए गए लक्ष्य के संबंध में जानकारी ली। दृष्टि बाधित विद्यार्थी खेमलाल ने गायक बनने तथा प्रियांशु सोनकर ने शिक्षक बनने की बात कही। कलेक्टर चन्द्रवाल ने इन दोनों दृष्टि बाधित विद्यार्थियों की उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हे हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान वरिष्ठ पत्रकार दरवेश आनंद, समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक अजय गेडाम एवं दृष्टि बाधित शिक्षक अरविन्द शर्मा सहित इन दोनों विद्यार्थियों के परिजन उपस्थित थे।

पुलिस व स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कोटपा अधिनियम के तहत 10 लोगों पर की कार्रवाई

लवन, 30 मई (तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता)। उप पुलिस महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार द्वारा 31 मई 2024 को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाये जाने एवं उवत दिवस को अभियान के रूप में मनाने तथा कोटपा अधिनियम 2003 के तहत कार्यवाही करने निर्देशित किया गया है जिसके पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक केसर पराग के नेतृत्व में आज दिनांक 29/05/24 को थाना लवन से सउनि मोहित मलिक, प्र0आर0 नान्दू राम नवरंगे आर0 राजेन्द्र साहू, प्रवीण यादव एवं म0आर0 सोनम भट्ट की पुलिस टीम द्वारा जिला बलौदाबाजार की स्वास्थ्य विभाग की आये टीम के साथ न0पं0 लवन में भ्रमण कर सार्वजनिक स्थानों में स्थित तंबाकू विकय केंन्द्रो / दुकानों की चेकिंग किया गया एवं नियमों को उल्लंघन करने वाले कुल 10 दुकानदारों के विरूद्ध कोटपा अधिनियम 2003 के तहत कार्यवही करते हुए कुल 1800रु. की जुर्माना राशि वसुल की गई एवं आवश्यक निर्देश देकर नियमों का पालन करने समझाईश दिया गया है।

शहर थाना में डीजे-धुमाल, मांगलिक भवन संचालकों की बैठक

सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों और शासन के नियमों के पालन करने की दी गई हिदायत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

भाटापारा, 30 मई। शहर थाना पुलिस द्वारा मांगलिक भवन, रिजॉर्ट, डीजे एवं धूमाल संचालकों की बैठक ली जिसमे शादी एवं अन्य मांगलिक आयोजनों में डीजे धुमाल आदि बजाने हेतु सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने हेतु हिदायत दिया

पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार द्वारा जिले में नियम विरूद्ध एवं सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्देशों की अवहेलना कर तीव्र गति में डीजे धुमाल आदि बजाकर, ध्वनि प्रदूषण को बढ़ाने वाले डीजे, धुमाल संचालकों पर कार्यवाही हेतु निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही शादी एवं अन्य आयोजनों के दौरान मांगलिक भवन, रिजॉर्ट आदि में भी ध्वनि प्रदूषण को रोकने हेतु शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करने हेतु भवन, रिजॉर्ट संचालकों को भी आवश्यक समझाइस देने हेतु निर्देशित किया गया है। उक्त निर्देशों के परिपालन मे एसडीओपी आशीष अरोरा के मार्गदर्शन मे शहर थाना प्रभारी योगिताबाली खापर्डे, ग्रामीण थाना निरीक्षक अमित पाटले एडिशनल तहसीलदार प्रेम मिंज, नायब तहसीलदार अभिषेक अग्रवाल, नगर पालिका सीएमओ अजय सिंह के नेतृत्व मे शहर थाना में मांगलिक भवन, रिजॉर्ट, डीजे एवं धुमाल संचालकों की बैठक ली गई।

बैठक में, विभिन्न भवनों के मालिक/मैनेजर, रिसोर्ट मलिक, सुरेश सबलानी, केसरवानी भवन, नगर भवन, शिशु मंदिर, महेश्वरी भवन, अग्रसेन भवन आदि के संचालक उपस्थित हुए। बैठक के दौरान मांगलिक भवनों, रिजॉर्ट संचालकों को शासन द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन व नियमों का पालन करने हेतु आवश्यक हिदायत दिया गया जिसमे रात 10 बजे से सुबह 06 बजे तक लाउडस्पीकर और डीजे बजाने पर पाबंदी रहेगी। सार्वजनिक स्थान या निजी स्थान पर 60 डेसिबल से अधिक का ध्वनि नहीं होगा। सक्षम अधिकारी से अनुमति लेकर ही डीजे या धुमाल का संचालन करें। मालवाहक वाहनों में डीजे धुमाल को वाहन के बॉडी से बाहर बिल्कुल भी ना निकाले। डीजे धुमाल लगे वाहनों में चमकीली लाइटें, जिससे आंखें प्रभावित हो, या देखने में किसी प्रकार से परेशानी हो, ऐसा लाइट ना लगाएं। इन समस्त नियमों का उल्लंघन करते पाए जाने पर ?20,000/- तक का जुर्माना का प्रावधान है। साइलेंट जोन में डीजे धुमाल बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जैसे कि स्कूल, अस्पताल, कोर्ट परिसर, वृद्ध आश्रम वाले हिस्सों को साइलेंट जोन में रखा गया है। ऐसे गाने कदापि न बजाएं जिससे, धार्मिक माहौल खराब हो। डीजे बजाने वाले अथवा उसे संचालित करने वाले लड़के, अनिवार्य रूप से आई-कार्ड धारण करें।किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित होने पर तुरंत नजदीकी पुलिस थाना अथवा पुलिस कंट्रोल रूम बलौदाबाजार (मोबा. 94791 90629) पर सूचना देवें एवं माहौल बिगाड़ने वाले शरारती तत्वों एवं असामाजिक तत्वों का फेटो, वीडियो लेकर पुलिस के पास अवश्य भेजें।

मोहलाई व छुही में मनाया गया जल जगार उत्सव

■ आने वाले दिनों में पानी खरीदना ना पड़े इसके लिए सभी सजग रहे : कलेक्टर

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

नगरी, 30 मई। जिले में पानी का सदुपयोग कर उसे आने वाले समय के लिए संरक्षित करने के उद्देश्य से कलेक्टर नम्रता गांधी की अगुवाई में जल जगार उत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज वनांचल क्षेत्र नगरी विकास खंड के ग्राम मोहलाई और छुही में जल जगार उत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम मोहलाई में आयोजित जल जगार उत्सव में शिरकत करते हुए कलेक्टर सुश्री गांधी ने कहा कि पानी को बचाना हम सबकी जिम्मेदारी है। उन्होंने ग्रामीणों का आह्वान करते हुए कहा कि आप सभी पानी का सदुपयोग करें। साथ ही अपने आसपास हो रहे पानी के दुरूपयोग रोकने लोगों को समझाईश दें। कलेक्टर ने कहा कि आने वाले दिनों में पानी खरीदना ना पड़े इसके लिए अभी से सजग रहें और पहले की तरह जिले के जलाशयों में जलस्तर बढ़ाने के लिए अपना पूरा-पूरा योगदान दें।

जल प्रहरी नीरज वानखेड़े ने कहा कि पानी की उपयोगिता को सभी समझें, नही तो आने वाले दिनों में पछताना पड़ेगा। उन्होंने इस मौके पर रूफ्टॉप स्ट्रक्चर, वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और वेस्ट वॉटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाने की विधि बताई। कार्यक्रम में बच्चों द्वारा जल संरक्षण के संबंध में नृत्य और नाटक प्रस्तुत किया गया। वहीं गांव में जल संरक्षण संबंधी 50 नारा लेखन, गांव के 5 तालाबों की सफाई, वृक्षारोपण के लिए 80 गड्ढों को खोदने और 5 संरचना निर्माण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही ग्रामीणों द्वारा जागरूकता रैली भी निकाली गई, जिसमें लगभग ढाई सौ से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया। ग्राम छुही में आयोजित जल जगार उत्सव में भी जल संरक्षण से संबंधित नारा लेखन, तालाब की सफाई, वृक्षारोपण के लिए की गई तैयारियों के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही प्राथमिक शाला में रूफ्टाप स्ट्रक्चर, बाजार चौक स्थित आंगनबाड़ी में सोख्ता गड्ढा, स्कूल भवन के पास स्थित हैण्डपम्प के पास सोख्ता गड्ढा, पंचायत भवन में रैन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम तथा पंचायत भवन के पास स्थित शौचालय के पास सोख्ता गड्ढा बनाने की जानकारी ग्रामीणों ने दी। इस अवसर पर गांव में जल संरक्षण की दिशा में कार्य कर रहे जल प्रहरी सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने वालों को टोपी, मग और टीशर्ट प्रदाय कर सम्मानित किया गया।

अधिकारियों ने लोगों को दी हेलमेट पहनने की समझाईश

सड़क दुर्घटना की रोकथाम के लिए किए जा रहे हैं निरंतर उपाय

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 30 मई। कलेक्टर इन्द्रजीत सिंह चन्द्रवाल के निर्देशानुसार बालोद जिले में सड़क दुर्घटना के प्रभावी उपाय सुनिश्चित करने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत राजस्व, पुलिस, परिवहन एवं अन्य संबंधित विभाग के द्वारा ओव्हरलोडिंग एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही के अलावा दो पहिया वाहन चलाने वालों को अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा निर्धारित गति पर ही वाहन चलाने के लिए समझाईश दी जा रही है। इसके अंतर्गत आज अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक सहित जिले के अन्य अधिकारी-कर्मचारियों ने बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चलाने वालों को रोककर उन्हे अनिवार्य रूप से वाहन चलाने की समझाईश दी। इस दौरान आज अपर कलेक्टर चन्द्रकांत कौशिक जिला मुख्यालय बालोद के पेट्रोल पंप में पहुंचकर दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट उपयोग नही करने से होने वाले हानि के संबंध में जानकारी दी और उन्हें अनिवार्य रूप से हेलमेट पहनने तथा निर्धारित गति पर वाहन चलाने को कहा।

सेवानिवृत शिक्षक फिरंगी लाल साहू का निधन

भखारा, 30 मई। नगर पंचायत भखारा भठेली के वरिष्ठ नागरिक फ़िरंगी लाल साहू का आज आकस्मिक निधन हो गया ज्ञात हो कि फ़िरंगी लाल साहू आजादी के वर्ष सन 1947 से शिक्षक के रूप मे सेवा आरम्भ की और 1990 मे सेवानिवृत हुए शासकीय सेवा मे रहते हुए भी उन्होंने अपना पुरा जीवन भठेली मे सांस्कृतिक, धार्मिक, कला के क्षेत्र मे रहकर व्यतीत किया। वे बाल लीला मंडली भठेली एवं रामायण मंडली के हारमोनियम वादक एवं गायक थे! उनके मार्गदर्शन मे रामलीला का सफल आयोजन भठेली मे होता रहा है! वे अपने जीवन मे कला को बेहद महत्व देते थे, और सभी को कला के क्षेत्र मे जुड़ने के लिए प्रेरणा देते थे। पुरे नगर भठेली के कला क्षेत्र से जुड़े युवाओं के लिए वे एक प्रेरणास्रोत रहे! भठेली के कलाकार जन उनको अपना भीष्म पितामह मानते थे! पुरा जीवन राम रामायण भक्ति भाव संगीत कला के प्रति समर्पण को देखते हुए तुलसी जयंती के अवसर पर छतीसगढ़ राज्य मानस संगठन तहसील भखारा द्वारा उनको कला सम्मान से अलंकृत एवं आजीवन सदस्य के रूप मे सम्मानित किया गया! उनका इस तरह संसार से अलविदा हो जाना भखारा भठेली रामलीला मंडली एवं रामायण मण्डली के लिए, परिवारजनो के लिए अपूर्णीय क्षति है।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद वनमंडलाधिकारी ने दी जानकारी

गैस्ट्रोएनट्रेटीस से हुई थी नीलगाय की मौत

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

बालोद, 30 मई। बालोद वनमण्डल के बरही सर्कल के अंतर्गत ग्राम नर्रा से लगे किलारगोंदी के जंगल में बीते 24 मई को 04 साल के नर नीलगाय की मौत की वजह के संबंध में वनमंडलाधिकारी बालोद द्वारा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है। वनमंडलाधिकारी बलभद्र सरोटे ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट के अनुसार इस नर नीलगाय की मौत गैस्ट्रोएनट्रेटीस से ग्रसित होने का कारण बताया है। उन्होंने गैस्ट्रोएनट्रेटीस के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि गैस्ट्रोएनट्रेटीस एक ऐसी स्थिति है जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल ट्रैक्ट (पेट और आंतों) की सूजन है। ये बैक्टिरिया, वायरस, परजीवी दवाओं एवं नए खाद्य पदार्थों के संक्रमण के कारण हो सकता है। इसके कारण उल्टी-दस्त, आंतों में दर्द एवं अन्य (क्लिनिकल लक्षण) भी दिखते है। उन्होंने बताया कि पशु चिकित्सक डॉ. अभिषेक मिश्रा के अनुसार नील गाय गैस्ट्रोएनट्रेटीस बीमारी से जुझ रहा था, जिससे उसके शरीर में पानी की कमी हुई। डॉ. मिश्रा ने बताया कि ऐसी स्थिति में कई बार जानवर खाना-पीना भी छोड़ देता है।

वनमण्डलाधिकारी ने बताया कि नीलगाय की जहाँ मृत्यु हुई है वहाँ से पानी की दूरी महज 246 मीटर है। जहाँ से अन्य वन्य पशुओं को पेयजल उपलब्ध कराया जाता है। जिससे यह स्पष्ट होता है कि नीलगाय की मृत्यु प्राकृतिक मौत थी। वनमण्डाधिकारी ने फरवरी 2024 में बिगड़े वनों के सुधार हेतु बनाए गए परकोलेसन टैंक के संबंध में भी जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि परकोलेसन टैंक कैम्पा से नही बनाया गया है। परकोलेसन टैंक बनाने का उद्देश्य भूजल संरक्षण पुर्नभरण कराना है। इसमें पानी नही रूकता सीधे भूमि के नीचे रिस जाता है। उन्होंने बताया कि वन विभाग द्वारा वन्य प्राणियों को पानी की कमी न हो इसके लिए बालोद एवं गुरूर परिक्षेत्र में बिगड़े हुए वनों के सुधार अंतर्गत मार्च माह में झिरिया का निर्माण किया गया था। जिससे कि गर्मी के दिनों में भी वन्य प्राणियों को पेयजल की सुविधा मिल सके।

कार्यालय नगर पंचायत-नगरी,
जिला-धमतरी (छ.ग.)
Phone/Fax No. 07700-251887
E-mail-cmonagri84@gmail.com
क्र./252/न.पं./राजस्व/2024-25
नगरी, दिनांक. 29/05/2024

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री उत्तम साहू पिता स्व. मोतीराम साहू जाति तेली, पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 02 जंगलपारा नगरी तह. नगरी जिला धमतरी (छ.ग.) का निवासी है। उनके द्वारा निकाय क्षेत्रांतर्गत पं. श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड क्र. 02, प.ह.नं 23 बड़े झाड़ की जंगल की काबिज भूमि 2448 वर्गफीट में से 936 वर्गफीट पर पुराना मकान स्थित है। काबिजदार श्री उत्तम साहू पिता स्व. मोतीलाल साहू का नाम निकाय के कर संग्रहण पंजी वार्ड क्रं. 02 की मांग संख्या 59 पर दर्ज है। आवेदक आपसी सहमति-पत्र एव शपथ-पत्र प्रस्तुत कर निकाय के कर संग्रहण पंजी में अपना नाम विलोपित कर अपनी माता श्रीमति मंजू बाई पति स्व. मोतीराम साहू का नाम दर्ज करने बाबत् आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

प्रस्तुत आवेदन के बाबत् यदि उक्त काबिज मलमा पर किसी भी व्यक्ति/संस्था का हितबद्ध हो, तो संबंधित हितबद्ध पक्षकार अपना दस्तावेज सहित स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से नियत दिनांक 30/06/2024 तक कार्यालय नगर पंचायत नगरी के राजस्व शाखा में दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। नियत तिथि के बाद प्रस्तुत दावा आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 29/05/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय के मोहर से जारी किया गया।

मुहर
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगर पंचायत नगरी

एक नजर

एनएफसी साउंडबॉक्स लॉन्च

रायपुर, 30 मई। देश में निजी क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में से एक एक्सिस बैंक ने आज मास्टरकार्ड के साथ मिलकर एनएफ्सी साउंडबॉक्स लॉन्च करने की घोषणा की। व्यापारी समुदाय के लिए उद्योग में पहली बार पेश किया गया यह नया साउंडबॉक्स एक ऑल-इन-वन सॉल्यूशन के रूप में काम करेगा, जिससे उपयोगकर्ता भारत क्यूआर, यूपीआई, टैप एंड पे और टैप+पिन भुगतान स्वीकार कर सकेंगे। इस लॉन्च के साथ, एक्सिस बैंक भारत का पहला ऐसा बैंक है, जो ऐसा साउंडबॉक्स पेश करने जा रहा है जो टैप+पिन भुगतान स्वीकार कर सकता है, जिससे व्यापारी कार्ड इंस्ट्रूमेंट्स के माध्यम से ?5000 से अधिक के लेनदेन स्वीकार कर सकेंगे। डिवाइस में दोहरी पुष्टि की सुविधा होगी, जो अपने स्पीकर के माध्यम से ऑडियो संकेत और स्क्रीन पर सात से अधिक भाषाओं में विजुअल फीडबैक प्रदान करेगी, जिससे व्यापारियों और उपभोक्ताओं दोनों के लिए एक सहज और आश्वस्त लेनदेन अनुभव सुनिश्चित होगा।

रिलायंस पर्सनल एक्सीडेंट 360 शील्ड फायदेमंद

रायपुर, 30 मई। भारत में साधारण बीमा क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों में से एक, रिलायंस जनरल इंश्योरेंस ने आज बड़े गर्व के साथ अपने नए प्रोडक्ट, रिलायंस पर्सनल एक्सीडेंट 360शील्ड के लॉन्च की घोषणा की है। यह एक पर्सनल एक्सीडेंट इंश्योरेंस पॉलिसी है, जिसे लोगों और उनके परिवारों को बेमिसाल सुरक्षा प्रदान करने के इरादे से डिज़ाइन किया गया है। यह सुरक्षा कवर वाकई बेहद खास है, जिसे आपको और आपके अपनों को न केवल व्यक्तिगत दुर्घटना के प्रभावों से बचाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, बल्कि यह दुर्घटना के बाद एक बड़े झटके के रूप में परिवार के सामने आने वाले गंभीर प्रभावों से भी सुरक्षा देता है।

शराब दुकान से 36 लाख से अधिक का रकम पार

रायपुर, 30 मई। ट्रांसपोर्ट नगर स्थित विदेशी शराब दुकान से 36 लाख 76120 रुपए चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी अमित शर्मा 41 वर्ष सिद्धि विनायक चौक कबीरनगर का रहने वाला है। बताया जाता है कि आरोपी कृष्ण कुमार बंजारे ट्रांसपोर्ट नगर के विदेशी शराब दुकान में काम करता था। इस दौरान आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ मिलकर शराब दुकान से 36 लाख 76120 रुपए चोरी कर ले गया। प्रार्थी की शिकायत पर खमतराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा 380, 34 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

ज्वेलर्स से 26 लाख की ठगी

रायपुर, 30 मई। ज्वेलरी दुकान में काम करने के दौरान युवक ने हेरा फेरी कर 26 लाख की ठगी कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी सत्य भाठिया 24 वर्ष सैलेन्द्र नगर का रहने वाला है। प्रार्थी का होजियरी मार्केट पंडरी में कैरेट लेन आभूषण नाम से दुकान है। बताया जाता है कि आरोपी आकाश सोनी प्रार्थी के दुकान में कम्प्यूटर सिस्टम से लेन-देन का संचालन करता था। जिसमें हेराफेरी कर आरोपी ने 26 लाख की ठगी कर लिया। प्रार्थी की शिकायत पर सिविल लाइन पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 420, 406 के तहत अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

गांजा तस्करी करते चार गिरफ्तार

रायपुर, 30 मई। कबीरनगर पुलिस ने लग्जरी कार से गांजा तस्करी करते चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कार में रखे 60 किले 468 ग्राम गांजा जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार कबीरनगर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि जरवाय तालाब के पास कार क्रमांक सीजी 04 एनबी 7941 में कुछ लोग गांजा खपाने पहुंचे हुए है। सूचना पर पुलिस के टीम ने घेराबंदी कर कार सवार चार आरोपी कन्हैया सिंह 25 वर्ष, रूपेश सिंह चौहान, अजहर कुरैशी व अजय गौरे को हिरासत में लिया है। कार की तलाशी लेने पर उसमें 60 किलो 468 ग्राम गांजा मिला। जिसकी कीमत करीब 12 लाख 9360 रुपए के आसपास बताई जा रही है।

आसमान से बरस रही आग

» पशुओं को पानी पिलाने निगम ने बांटा कोटना » विद्युत की आंखमिचौली से लोग परेशान

मुख्य नगर संवाददाता

रायपुर, 30 मई। उत्तर-पश्चिम से आ रही गर्म हवाओं के थपेड़ों से लोगों का जीना मुहाल हो गया है। नवतपा के छठवें दिन भी तेज धूप के कारण जनजीवन प्रभावित हुआ है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार यह स्थिति अभी दो दिन और बनी रहेगी।

राजधानी में सुबह से ही गर्म हवाओं के चलने के कारण लोगों को दोपहर का अहसास होने लगा है। राजधानी की प्रमुख सड़कों व चौक-चौराहों में इस समय कर्फ्यू का माहौल बना रहता है। मौसम विभाग के अनुसार उत्तर-पश्चिम से आ रही गर्म हवाओं के कारण अभी दो दिन और यही स्थिति बनी रहेगी। लेकिन भीषण गर्मी से निजात मिलने की संभावना है। भीषण गर्मी के चलते अब राजधानी में कई वार्डों में भूजल स्तर भी गिरते जा रहा है जिसके कारण पानी के लिए हाहाकार मचा हुआ है। इस समय बरसात पूर्व नालों का निर्माण कार्य नगर निगम प्रशासन द्वारा किया जा रहा है।

पशुओं के लिए कोटना वितरण राजधानी के विभिन्न वार्डों में पशुओं को पानी पिलाने के लिए कोटना का वितरण किया गया। भाठागांव में महापौर एवं पार्षद सतनाम पनाग ने वितरण किया। महामाया वार्ड की पार्षद सरिता वर्मा तथा अन्य वार्डों में भी कोटना का वितरण किया गया है। आगामी कुछ दिनों में सभी वार्डों में इसका वितरण कर दिया जाएगा। नगर निगम के आयुक्त राजधानी में पेयजल की किल्लत को लेकर काफी सतर्क हैं। इस समय अलग-अलग वार्डों में पेयजल किल्लत को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

लोड शेडिंग की बढ़ी परेशानी

भीषण गर्मी में बिजली का उपयोग निरंतर बढ़ता जा रहा है जिसके कारण लोड शेडिंग की समस्या सामने आ रही है। कई विद्युत केंद्रों में ट्रांसफार्मर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए कूलर चलाया जा रहा है। भीषण गर्मी में लोग एसी, कूलर, पंखे का उपयोग चौबीस घंटे क रहे हैं जिसके चलते ट्रांसफार्मर और फीडर भी खराब हो रहे हैं। आए दिन विभिन्न मोहल्लों में बिजली चली जाती है जिसके कारण लोग परेशान हो रहे हैं।

जिला अस्पताल में लू से प्रभावित लोग हो रहे भर्ती

मेकाहारा की पीआरओ के अनुसार भीषण गर्मी में लू, डायरिया एवं हाइपरटेंशन के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है। राजधानी के जिला अस्पताल में इसके लिए पृथक से वार्ड बनाया गया है। अभी तक लू से कितने लोग प्रभावित हुए हैं इसकी संख्या नहीं बताई गई है। मेकाहारा में डायरिया तथा हाइपरटेंशन से प्रभावित लोगों के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। चिकित्सकों ने सलाह दी है कि घर से खाली पेट न निकलें। ओआरएस का घोल बनाकर पिएं। भारी धूप में बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। राजधानी में इस समय कई छायादार वृक्षों को काट दिए गए हैं जिसके कारण विभिन्न बाजारों में लोग भरी दोपहरी को बैठे रहते हैं। शाम होते ही लोग घर से बाहर निकलते हैं।

13 को जगदलपुर पहुंचेगा मानसून

मौसम विभाग के वैज्ञानिक डा. चंद्रा के अनुसार मानसून भारत में समयपूर्व आ गया है। केरल के ओट्टयम में आज मानसून की पहली वर्षा हुई। छत्तीसगढ़ में मानसून रॉयल सीमा से होकर बस्तर पहुंचेगा। एक अनुमान के अनुसार 13 जून को छत्तीसगढ़ में मानसून आ जाएगा। जगदलपुर में प्रवेश के पश्चात यह आगे बढ़ेगा। फिलहाल खाड़ी में दबाव बढ़ने के कारण मानसून की अच्छी वर्षा होने के संकेत हैं। ग्रामीण क्षेत्रों मं कृषि कार्य में तेजी आ रही है। मौसम विभाग के अनुसार के तापमान में कोई अधिकतम वृद्धि नहीं होगी। पूर्व की तरह तापमान यथावत रहेगा।

ई-वे बिल की अनिवार्यता सरकार का तानाशाही कदमः उमेश पटेल

रायपुर, 30 मई। पूर्व मंत्री एवं विधायक उमेश पटेल ने ईवे बिल की छूट को समाप्त करने को भाजपा सरकार की तानाशाही बताया है। उन्होंने कहा कि 24 मई को नया सर्कुलर जारी हुआ है, जिसमें ई वे बिल को अनिवार्य कर दिया गया है और इससे इंस्पेक्टर राज चालू हो जायेगा। सर्कुलर में स्पष्ट है कि कनसाईमेंट को जांच करने का अधिकार हो जायेगा और पहले बार्डर पर चेंकिंग होती थी। अब कनसाईमेंट में चेंकिंग शुरू हो जायेगी तो इससे इंस्पेक्टर राज वापस होगा और सभी व्यापारी इससे प्रताड़ित होंगे। दूसरी बात यह है कि जो छोटे व्यापारी है जो गल्ला दुकान वाले, जो साड़ी का दुकान चलाते है, गांव में कोई जूते का दुकान चलाता है उनके लिये बड़ी समस्या होगी। उनको हर बार ईवे बिल जनरेट करने की अनिवार्यता है। अगर ई वे बिल जनरेट नहीं करते है तो पेनाल्टी भी बहुत ज्यादा होता है। जो ये सर्कुलर है लंबे समय में छत्तीसगढ़ व्यापार को बहुत नुकसान करेगा। जिस तरह से लोगो का रिवेन्यू बढ़ रहा है और सरकार से मांग करता हूं कि सर्कुलर को जल्द से जल्द वापस ले। यह आदेश छत्तीसगढ़ के लिये बहुत नुकसान दायक है।

पूर्व मंत्री एवं विधायक उमेश पटेल ने कहा कि छत्तीसगढ़ की सरकार 2018 में इस सर्कुलर को लायी गयी थी कुछ 15 सामान है उसको छोड़कर ताकि ई वे बिल की आवश्यकता नहीं है। अगर ई वे बिल लेना पड़ेगा तो लोगो को मैन पावर बढ़ाना पड़ेगा, कास्ट बढ़ाना पड़ेगा और जो हितग्राही है जो सामान खरीदने वाला है उसके जेब में असर पड़ेगा और बिजनेस में बहुत इम्पेक्ट पड़ेगा। छत्तीसगढ़ की इकोनामी भी कहीं न कहीं डाउन होगी। सरकार व्यापारियों से बात करें और व्यापारियों की जो समस्या है उसको हल करें और सार्थक चर्चा के बाद जारी करें।

पूर्व मंत्री एवं विधायक उमेश पटेल ने कहा कि भाजपा सरकार जब से बनी है सरकार आम आदमी के साथ व्यापार और उद्योग के खिलाफनिर्णय ले रही है कांग्रेस इसका हर स्तर पर विरोध करेगी।

गुणवत्तायुक्त शिक्षा पर सरकार का जोर

रायपुर, 30 मई। राज्य नीति आयोग द्वारा अमृत काल विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने हेतु गुणवत्ता युक्त शिक्षा विषय पर गठित वर्किंग ग्रुप की प्रथम बैठक राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष अजय सिंह की विशेष मौजूदगी में यहां नीति भवन नवा रायपुर में आयोजित की गई। बैठक में वर्किंग ग्रुप के सदस्यों द्वारा महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए। नीति आयोग के सदस्य डॉ. के.सुब्रमण्यम ने राज्य नीति आयोग द्वारा अमृतकाल छत्तीसगढ़ विजन 2047 विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने हेतु गठित कार्य समूहों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए निर्धारित प्रमुख लक्ष्यों, प्रमुख चुनौतियों तथा विभागीय विजन संबंधी प्रस्तुतिकरण दिया गया। बैठक में सलाहकार डॉ. धीरेन्द्र तिवारी भी मौजूद थे।

स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने छत्तीसगढ़ विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने के संबंध में गुणवत्तायुक्त शिक्षा के लिए स्कूल शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यक्रमों की विस्तार से जानकारी दी। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन ने विजन डॉक्यूमेंट के संबंध में भी विभागीय जानकारी के महत्वपूर्ण बिन्दुओं को रखा। आयुक्त उच्च शिक्षा शारदा वर्मा ने उच्च शिक्षा विभाग की विभागीय गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। वर्किंग ग्रुप की बैठक में नीति आयोग के सदस्य सचिव अनूप श्रीवास्तव, संयुक्त संचालक डॉ. नीतू गौरडिया, संयुक्त संचालक वत्सला मिश्रा, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, छत्तीसगढ़ कौशल विकास प्राधिकरण, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, आईआईटी भिलाई, आईआईएम रायपुर, एनआईटी रायपुर सहित नीति आयोग के सलाहकार, संस्थाओं के प्रतिनिधि सहित अन्य पदाधिकारी शामिल हुए।

मृत्यु दावों का निपटान

रायपुर, 30 मई। आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ ने वित्त वर्ष 2024 में 99.17त्न का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो हासिल किया है, जो कि इंडस्ट्री में सर्वश्रेष्ठ रेश्यो में से एक है। वैध मृत्यु दावे का निपटान करने के लिए कंपनी के पास केवल 1.27 दिन का औसत समय था, और 2024 को समाप्त वित्त वर्ष में मृत्यु दावों के लिए कंपनी कुल 1,867 करोड़ रुपये का भुगतान करने में सफ्ल रही। वित्त वर्ष 2024 की पहली तिमाही के लिए कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेश्यो 97.94 प्रतिशत था, वहीं दूसरी तिमाही के लिए यह 98.14त्न और तीसरी तिमाही के लिए यह 98.52 प्रतिशत था। यह दर्शाता है कि सभी तिमाहियों में कंपनी के दावा निपटान में निरंतरता जारी है।

गर्मी

रायपुर, 30 मई। भीषण गर्मी में मालवीय रोड का नजारा....

बेमेतरा हादसाः मृतक के परिवार को एक करोड़ मुआवजा एक सदस्य को नौकरी दी जाये

रायपुर, 30 मई। छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत ने बेमेतरा के ग्राम-बोरसी स्थित स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड में 25 मई 2024 को हुए ब्लास्ट की घटना पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड में जो ब्लास्ट हुआ वह पूरी तरह से घोर लापरवाही का नतीजा है, राज्य सरकार की लापरवाही के कारण यह दुर्घटना हुई है। यदि इन्डस्ट्रीयल हेल्थ एंड सेफ्टी अधिकारियों के द्वारा बारूद कारखाना में मापदण्डों का पालन सुनिश्चित किया गया होता तो यह दुर्घटना नहीं होती, परंतु यह दुर्भाग्य पूर्ण है कि, मुख्यमंत्री एवं श्रम मंत्री को अपने उत्तरदायित्वों का अहसास ही नही और वे कुंभकर्णी निंद्रा में हैं। उनके पास दुर्घटना स्थल पर जाने और मृतकों के परिजनों को सांत्वना के दो शब्द बोलने का समय भी नहीं है। नेता प्रतिपक्ष डॉ महंत ने पीड़ित परिवार के जवीकोपार्जन के लिए मांग कि है, की, मेसर्स स्पेशल ब्लास्ट लिमिटेड प्रबंधक के द्वारा मृतकों के परिजनों को एक एक करोड़ का मुआवजा दें एवं राज्य सरकार मृतक परिवार के एक सदस्य को नौकरी दें। नेता प्रतिपक्ष डॉ महंत ने कहा की,घटना के चार दिन बाद भी एफ्आईआर दर्ज नहीं होने से यह स्पष्ट हो रहा है कि राज्य सरकार दोषियों को बचाना चाह रही है। यह आपराधिक लापरवाही का मामला है इसलिए एफ्आईआर तत्काल होना चाहिए।

साय के मंत्रियों को गुड गवर्नेंस की ट्रेनिंग फिजूल की कवायद : कांग्रेस

रायपुर, 30 मई। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने मंत्रियों को गुड गवर्नेंस की ट्रेनिंग पर तंज कसते हुए कहा कि साय के मंत्रियों की गुड गवर्नेंस की ट्रेनिंग फिज़ूल की कवायद है। 5 महीने में ही साय सरकार की सुशासन की पोल खुल गई। भाजपा सरकार के मंत्रियों और नेताओं के आम जनता के साथ दुर्व्यवहार जग जाहिर हो गया है, गुड गवर्नेंस की ट्रेनिंग लेने यह कहीं भी जाएं लेकिन भाजपा में मिले कमीशनखोरी, भ्रष्टाचार करने की प्रशिक्षण को छोड़ नहीं सकते हैं। भाजपा सरकार के मंत्रियों और नेताओं को तो सबसे पहले भ्रष्टाचार और कमीशन खोरी की अपनी आदत को छोड़ना होगा और आम जनता के मूलभूत समस्याओं का निराकरण करना होगा। उनकी बुनियादी जरूरत को पूरा करना होगा और झूठ बोलना छोड़ना होगा, तभी गुड गवर्नेंस की सोच पूरा होगी।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों में गरीब असहाय मजबूर जनता की सेवा करना नहीं है। चंद्र पूंजीपतियों के आगे पीछे पूरी इनकी सरकार चलती है। 15 साल के रमन भाजपा सरकार के दौरान भी प्रदेश की जनता प्रशासनिक अराजकता, भ्रष्टाचार, कमीशन खोरी से हताश और परेशान रही है। हर विभाग में वसूली होता था, गरीबों के लिए योजनाएं बनती थी और उसका लाभ कुछ लोगों को मिलता था। भाजपा की कथनी और करनी में यही अंतर रहता है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस सरकार के दौरान पूरे प्रदेश में जनता खुशहाल थी, समय पर सरकारी दफ्तरों में जनता की समस्याओं का निराकरण होता था, किसानों को उनकी उपज का सही कीमत मिलता था, युवाओं को रोजगार मिलता था, हर वर्ग के लिए सरकार योजना बनाकर काम की थी। 5 महीने में उसे गुड गवर्नेंस को भाजपा की सरकार ने पूरी तरीका से निरस्त नाबूत कर दिया और 5 महीने में ही भाजपा सरकार के मंत्रियों के भ्रष्टाचार उजागर होने लगे हैं।

आवश्यकता है
शिव धाम (अघोरेश्वर महादेव मंदिर) तुलसी (पाटन) में एक ऐसे परिवार, जो साफ-सफाई, रख-रखाव, भोजन व्यवस्था कर सके, की आवश्यकता है। राशन मंदिर समिति की ओर दिया जाता है। मासिक पारिश्रमिक 10000 रुपए।
संपर्क करें -98261 74789

होलसेल कॉरिडोर को कैबिनेट मंत्री चौधरी की हरी झंडी

रायपुर, 30 मई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, महामंत्री अजय भसीन, कोषाध्यक्ष उत्तम गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मनमोहन अग्रवाल ने बताया कि दिनांक 28 मई को चेम्बर अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चैधरी से उनके बंगले में जाकर मुलाकात की तथा विकसित भारत के तर्ज पर विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण हेतु नए विजन को लेकर दक्षिण मध्य एशिया के सबसे बड़े होलसेल कोरिडोर की परिकल्पना से मंत्री को अवगत कराया। नया रायपुर अटल नगर में प्रस्तावित दक्षिण मध्य एशिया के सबसे बड़े होलसेल कोरिडोर की परिकल्पना को मूर्त रूप प्रदान करने मंत्री ओ.पी. चौधरी को ज्ञापन सौंप इस महती योजना के स्वरूप और चेंबर के विजन की विस्तृत जानकारी दी। जिस पर मंत्री ओ.पी. चैधरी ने सकारात्मक रुख अपनाते हुए तत्काल एनआरडीए के सीईओ सौरभ कुमार (आईएएस) को आवश्यक कार्यवाही हेतु निर्देशित किये।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी ने वित्त, वाणिज्यिक कर, आवास एवं पर्यावरण, योजना आर्थिक एवं सांख्यिकी मंत्री ओ.पी. चैधरी के समक्ष प्रस्तावित नए होलसेल कॉरिडोर परिकल्पना का प्रस्तुतिकरण दिया और बताया कि प्रस्तावित होलसेल कॉरिडोर उपरोक्त अंतर्राष्ट्रीय बाजारों जैसा विशाल और व्यवस्थित होगा यह होलसेल कॉरिडोर स्वामी विवेकानंद अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट, अटल नगर (नया रायपुर) रेलवे स्टेशन निर्माणाधीन तथा भारत माला सड़क परियोजना एवं एनएच 30 के समीप होगा जो भौगोलिक रूप से हमारी सीमा से लगे उड़ीसा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और झारखंड की मांग की आपूर्ति कर सकेगा तथा प्रदेश के व्यापार को नई ऊंचाई, दिशा और गति देगा, साथ ही साथ संपूर्ण भारतवर्ष में छत्तीसगढ़ मॉडल के एक अनूठे और सबसे बड़े व्यवसाय क्षेत्र के रूप में जाना जाएगा। यह एक स्वकेंद्रित और सभी तरह के थोक व्यापार के लिए एक ही स्थान पर सर्वसुविधायुक्त परिसर होगा जो भविष्य में 50 से 100 वर्ष तक निर्बाध-निर्विघ्न व्यवस्था के अनुकूल होगा। यह कॉरिडोर सभी वस्तुओं की बिक्री हेतु उनकी आवश्यकता अनुसार सर्वोत्तम मूलभूत संरचनाओं के साथ उपलब्ध होगा, नए रोजगार के अवसरों के साथ-साथ 1.5 से 2 लाख लोगों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार का सृजन होगा, राज्य सरकार के सहयोग और व्यवसायियों की प्रतिबद्धता से क्षेत्र की ग्रामीण जनता का विकास और जीवन स्तर में भी बदलाव होगा। इस अवसर पर चेम्बर सलाहकार राकेश ओचवानी, प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी, कोषाध्यक्ष उत्तमचंद गोलछा, कार्यकारी अध्यक्ष राजेन्द्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, राम मंधान, मंत्री-नीलेश मूंधड़ा, शंकर बजाज, लोकेश साहू, प्रशांत गुप्ता, टेक्नीकल टीम के सदस्य सी.ए. मुकेश मोटवानी, रायपुर सराफ एसोसियेशन के अध्यक्ष सुरेश भंसाली, युवा चेम्बर से राजू चंदनानी, जितेन्द्र बजाज,रोहित पंजवानी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ
धरमशाला
लॉज
* ठहरने की सुविधा
* आधार कार्ड अनिवार्य
-: किराया सूची:-
सामान्य कमरा 300 रुपये
बिना एसी का कमरा 500 रुपये
एसी का कमरा 800 रुपये
(प्रतिदिन/रात)
बलार रोड, कसडोल (जिला- बलौदाबाजार-भाटापारा)
मो. नंबर- 7771962500, 9826949452

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरूण छत्तीसगढ़, तरूण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26